हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

5 जुलाई, 1977

खण्ड 1, अंक 2

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 5 जुलाई, 1977

पृश्ठ संख्या

सदस्यों द्वारा भापथ या प्रतिज्ञान	(2)1
राज्यपाल का अभिभाशण (सदन की मेज पर रखी गई प्रति)	(2)1
अध्यक्ष द्वारा घोशणाः—	
सभापतियों की तालिका	(2)6
सचिव द्वारा घोशणाएं	(2)6
सचिव द्वारा पूर्वगामी विधान सभा के सदन की समितियों के प्रतिवेदन पे ा करनाः—	
1 लोक लेखा समिति का 11वां प्रतिवेदन	(2)7
औचित्य प्र न (सदन की कार्यवाही हिन्दी में करने के बारे में)	(2)7
सचिव द्वारा पूर्वगामी विधान सभा के सदन की समितियों कें प्रतिवेदन पे ा करना (पुनरारम्भ):—	

1 लोक लेखा समिति का 11वां प्रतिवेदन	(2)8
2 प्राक्कलन समिति का 9वां प्रतिवेदन	(2)10
3 अधीनस्थ विधान संबंधी समिति का 9वां प्रतिवेदन	(2)10
4 सरकारी आ वासनों संबंधी समिति का 8वां प्रतिवेदन	(2)11
भाोक प्रस्ताव	(2)11
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव	(2)16
सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	(2)17–20

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 5 जुलाई, 1977

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभ हाल, विधान भवन, सैक्टर 1, चण्डीगढ़ में 10.52 बजे हुई। अध्यक्ष (ब्रिगेडियर रण सिंह) ने अध्यक्षता की।

सदस्यों द्वारा भापथ या प्रतिज्ञान

Mr. Speaker: Oath/Affirmation by remaining Members.

Ch. Shamsher Singh.

(The Hon. Member was not present).

Mr. Speaker: Swami Agnivesh.

Kurukshetra District

Swami Agnivesh Pundri.

राज्यपाल का अभिभाशण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

Mr. Speaker: In pursuance of Rule 18 of the Rule of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I have to report that the Governor was pleased to address the Haryana Legislative Assembly on the 5th July, 1977 at 10 a.m. under Article 176(1) of the Constitution.

A copy of the Address is laid on the Table of the House.

दोस्तो,

हरियाणा विधान सभा में जनता के प्रतिनिधियों के रूप में आपका स्वागत करते हुए मुझे अपार हर्श है। आपकी सफलता के लिए मेरी हार्दिक बधाई। जिस प्रकार चुनाव में आपको सफलता प्राप्त हुई, मुझे आ ा है कि उसी प्रकार नई जिम्मेदारियां निभाने में भी सफलता आपके कदम चूमेगी।

30 अप्रैल, 1977 को राश्ट्रपति की घोशणा के अनुसार हरियाणा की विधान सभा भंग हुई और यह निर्णय लिया गया कि नये चुनाव 12–6–1977 को करवाये जायें। मतदान की तैयारियां करते समय न्यायपूर्ण एवं निश्पक्ष चुनाब करवाने के लिए सरकार द्वारा यथासम्भव प्रयत्न किये गये। यह बड़ हर्श की बात है कि सभी निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान का कार्य बहुत ही निश्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ। राज्य के छोटे बड़े सभी

कर्मचारी प्रजातन्त्र के इस महान प्रयोग को सफल बनाने के लिए नई सरकार की तथा मेरी प्र ांसा के पात्र हैं।

मार्च, 1977 में लोक सभा के चुनावों के फलस्वरूप केन्द्र में नई सरकार ने सता की बागडोर संभाली। इससे दे ा के प्र ाासन तथा नीतियों में एक महान परिवर्तन आया। यह परिवर्तन जनता और उसके नेताओं की राजनैतिक बुद्धिमता का परिचायक है। ऐसे ही परिवर्तन का अभ्युदय हरियाणा प्रान्त में भी हुआ। आपमें पूर्ण वि वास रखते हुए हरियाणा के लोगों ने राज्य के कार्यो को बहुत ही सूझ बूझ एवं लोकतन्त्र की पवित्र प्रणालियों के अनुसार चलाने का भार आपके कन्धों पर डाला है। लोगों की आकांक्षा है कि जहां हरियाणा का बहुमुखी विकास और तीव्र गति से हो वहां मनुश्य के आत्म सम्मान तथा मानवता के मौलिक सिद्धान्तों का भी आदर किया जाए। भाांति एवं अहिंसा के प्रेमी भारतीय लोगों का लोकतन्त्र के आद ार्ों में अटूट वि वास है। दे ा में, हाल ही में हुई घटनाएं लोगों के प्रजातान्त्रिक परम्पराओं में अडिग वि वास की प्रतीक हैं। इन परम्पराओं को बनाये रखना प्रत्येक भारतीय नागरिक तथा सभी राजनैतिक एवं सामाजिक संस्थाओं का परम कर्तव्य है। लोकतन्त्र में लोगों की इच्छा सदैव सर्वोपरि होती है। इसलिए प्रजातांत्रिक दे ाों में भाासन की बागडोर सताधारी दलों की सफलता असफलता तथा जन इन्छा के अनुसार बदलती रहती है। लेकिन राश्ट्र निर्माण के पवित्र कार्य में आप में से प्रत्येक ने अपना पूरा योगदान देना है चाहे वह किसी

भी राजनैतिक विचाराधारा का हो या सदन में किसी भी पक्ष से संबंध रखता हो। इस विधान सभा को ऐसी ही निःस्वार्थ भावना से मिलजुल कर प्रदे ा के सार्वजनिक कल्याण के लिए काम करना है।

नई लोकप्रिय सरकार का यह वि वास है कि पिछले 10 वर्शों में सामाजिक एवं राजनैतिक जीवन का सम्पूर्ण ढांचा ही भ्रश्टाचार से दूशित हो गया थां इस व्यापक भ्रश्टाचार का एक पहलू यह था कि समृद्ध एवं प्रभाव ाली व्यक्ति राजनैतिक स्वामियों के साथ मिलकर उनसे अनुचित आर्थिक लाभ उठाते थे और उन्हें भी इस लाभ का हिस्सा देते थे। इस भ्रश्टाचार का दूसरा पहलू यह था कि राजनैतिक नेताओं के दुराचरण से प्रोत्साहित होकर समाज के बेईमान लोगों ने इस स्थिति का अनुचित लाभ उठाया और धन एकत्रित करने के लिए उन्होंने बेईमानी का सहारा लिया। इसके परिणामस्वरूप आम जनता को अन्याय एवं अकथनीय क्लेश और निराशा का सामना करना पड़ा। इस दूशित स्थिति का एक पहलू यह भी था कि अल्प बचतों तथा रैडक्रास जैसी योजनाओं के नाम पर लोगों से उनकी इच्छा के विरूद्ध धन इकट्ठा किया गया जिसके दुराचार का बढ़ावा मिला। अब जैसा कि आप सबको मालूम है आपातकाल के बीस महीनों के दौरान देश में व्याप्त घोर अन्याय एंव शोशण से हताश होकर लोग कांग्रेस सरकारों के विरूद्ध हो गये जिसके फलस्वरूप उन्हें केन्द्र तथा अनेक राज्यों में पराजय का सामना करना पड़ा।

सरकार का विश्वास है कि जब तक सार्वजनिक जीवन से भ्रश्टाचार का उन्मूलन नहीं हो जाता तब तक सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों में लोगों का विश्वास प्राप्त नहीं होगा और परिणामतः एक सच्चे कल्याणकारी राज्य की स्थापना नहीं हो सकेगी। इसलिए नयी सरकार भ्रश्टाचार को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प है। इस अभीश्ट की प्राप्ति के लिए चन्दा इकट्ठा करने पर रोक लगा दी गई है तथा सभी जिलाधीशों और विभागाध्यक्षों को हिदायतें जारी की गई हैं कि वे अपने कार्यक्षेत्रों से प्राप्त शिकायतों का निपटान स्वयं तत्परता और निश्पक्षता से करें जिससे वे समाज के शोशक एवं बेईमान तत्वों का शिकार न बने तथा उन्हें प्रशासन के उच्च सत्र पर अपनी समस्याओं के समाधान के लिए चण्डीगढ़ आने का कश्ट न उठाना पड़े। सार्वजनिक जीवन से भ्रश्टाचार का रोग मिटाने के लिए इस सदन के सदस्यों का विशेश उत्तरदायित्व है और आप द्वारा स्थापित किया जाने वाला शुद्ध जीवन एवं सदाचार का नमूना तथा स्थानीय तथ्यों का ज्ञान इस महान कार्य की प्राप्ति के लिए बहुत सहायक सिद्ध होगा।

हरियाणा अपेक्षाकृत एक छोटा और सीमित साधनों वाला राज्य है। आज से 10 वर्श पूर्व जब हरियाणा प्रान्त का जन्म हुआ तब उसकी तुलना देश के अन्य पिछड़े राज्यों के साथ की जाती थी। लेकिन सारी रुकावटों के होते हुए भी यह छोटा सा राज्य शीघ्र ही प्रगति की ओर अग्रसर हुआ जिसका श्रेय राज्य क साहसी और परिश्रमी लोगों को जाता है। परन्तु दुर्भाग्यवश विकास

की गति उतनी तेज न हो सकी जितनी आशा थी। राज्य के सन्तुलित एवं वेगशील आर्थिक विकास के लिए यह आवश्यक होग कि भूतपूर्व सरकार की प्राथमिकताओं में परिवर्तन लाया जाए। नई सरकार की यह नीति होगी कि सभी विकारों और विशमताओं को दूर किया जाए। किसानों के लिए अतिरिक्त जल की व्यवस्था करने के लिए नल–कूपों की शीघ्र बिजली देने और जल मार्गों को पक्का करने पर विशेश ध्यान देना होगा – विशेशतया उन क्षेत्रों में जिनकी अभी तक उपेक्षा की गई है। गांवों में सड़कें बनाने का कार्य विवेकपूर्ण ढंग से करना होगा और पीने के पानी से संबंधित योजनाओं का और विकास करना होगा तथा इस प्रयोजन के लिए अधिक धन जुटाने का प्रयास किया जाएगा। नई सरकार देहातों में पीने के पानी की उचित व्यवस्था करने के कार्य को बहुत प्राथमिकता देती है और इस उदेश्य की प्राप्ति के लिए भरसक प्रयत्न किये जायेंगे।

कृशि हमारे जैसे देश का प्रधान आश्रय है। इसलिए सामाजिक प्रगति के किसी कार्यक्रम को सार्थक बनाने के लिए कृशि के क्षेत्र में वास्तविक प्रगति लाना नितान्त आवश्यक है। हरियाणा राज्य के कृशकों के कठोर परिश्रम के कारण वर्श 1976–77 में कृशि उत्पादन हरियाणा राज्य बनने के समय के उत्पादन की तुलना में दो गुणा होकर लगभग 53 लाख टन हुआ। लेकिन अभी बहुत सारी कमियों को पूरा करना है। सूखाग्रस्त क्षेत्रों में सिंचाई का प्रबन्ध करने के लिए तथा छोटे किसानों को

हर संभव सहायता देने के लिए विशेश प्रयत्न करने पड़ेंगे। जिला महेन्द्रगढ़ में लिफ्ट इरीगेशन की योजना का कार्य तीव्र गति से यिका जाएगा और इस उदेश्य के लिए भारत सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की जाएगी। सतलुज–जमुना लिंक सिंचाई की एक बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है जिससे हरियाणा को रावी–ब्यास का अतिरिक्त पानी उपलब्ध होगा। इस योजना को शीघ्र पूरा करने के लिए सभी सभंव प्रयत्न किये जायेंगे। प्रगतिशील खेती की तरह पशुधन के लिए हरियाणा प्रसिद्ध है। नई सरकार ऐसी योजनाएं बनाएगी जिससे पशुपालन एक ठोस लाभ का साधन बन सके।

हरियाणा के कृशक व्यापक रूप से बिजली का प्रयोग कर रहे हैं। इस समय कुल उपलब्ध बिजली का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा कृशि के लिए उपयोग किया जा रहा है। बिजली की वर्तमान कमी की शीघ्रातिशीघ्र पूरा करने के लिए सरकार कोशिश करेगी तथा बिजली के उपयोग में कृशि को प्राथमिकता दी जाएगी। फरीदाबाद तथा पानीपत के नये थर्मल बिजलीघरों को शीघ्र पूरा किया जाएगा और बिजली के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा – विशेशकर लघु उद्योगों के लिए। गत कुछ वर्शों के दौरान राज्य में औद्योगिक संस्थाओं में काफी वृद्धि हुई है परन्तु लघु उद्योगों और ग्रामीण उद्योगों की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। अतः राज्य की औद्योगिक नीति में परिवर्तन करना होगा तथा बड़े उद्योगों की अपेक्षा लघु उद्योगों और ग्रामीण उद्योगों की

ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। अतः राज्य की औद्योगिक नीति में परिवर्तन करना होगा तथा बड़े उद्योगों की अपेक्षा लघु उद्योगों और ग्रामीण उद्योगों को प्राथमिकता देनी होगी। राज्य वित्त निगम तथा राज्य उद्योग विकास निगम को भी अपनी नीतियों में परिवर्तन करना होगा जिससे ग्रामीण तथा लघु उद्योगों को बढ़ावा मिले। ग्रामीण बेरोजगारी ओर निर्धनता की समस्या को सुलझाने तथा महात्मा गांधी के सिद्धांतों के अनुसार ग्रामीण समान को यथासंभव स्वावलम्बी बनाने के लिए यह परिवर्तन आवश्यक है। इस सन्दर्भ में हरिजनों के कल्याण संबंधी मामलों पर सरकार विशेश ध्यान देगी। सरकारी क्षेत्र में लगाए गये उद्योगों को ठीक व्यापारिक तरीके से चलाने के लिए सरकार विशेश प्रयत्न करेंगी तथा इस प्रयोजन के लिए प्रबन्ध में व्यवसायीकरण के प्रश्न पर भी विचार करेगी क्योंकि इस महत्वपूर्ण साधन की अब तक उपेक्षा की गई है।

सरकार यह महसूस करती है कि शिक्षा, स्थानीय निकाय तथा पंचायत विभागों की कार्य प्रणाली में भी गुणात्मक सुधार लाने की आवश्यकता है। सरकार स्त्री–शिक्षा के लिए सुविधाएं उपलब्ध करेगी तथा पंचायतों और नगरपालिकाओं के शासन मैं सुधार लाने के लिए तथा विद्यार्थी वर्ग की समस्याओं को सुलझाने के लिए हर संभव प्रयत्न करेगी। इन प्रजातांत्रिक संस्थाओं का कृपा–पात्रों को लाभ पहुंचाने तथा प्रतिद्वंद्वियों के प्रतिशोध लेने के लिए दुरूपयोग नहीं किया जाएगा। सरकार

विचार करेगी कि इन संस्थाओं को सिक प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि वे न्यायपूर्ण तथा निश्पक्ष जनसेवा करने के लिए समर्थ बन सकें।

30 अप्रैल, 1977 को हरियाणा में थोड़े समय के लिए राश्ट्रपति शासन लागू हुआ। इस थोड़ी सी अवधि में प्रशासन की त्रुटियों को दूर करने के लिए उपाय किये गये। भूतपूर्व सरकार द्वारा लिए गये कुछ आपत्तिजनक फैसलों पर विचार किया गया तथा उन्हें संशोधित किया गया। कथित ज्यादतियों के मामलों छानबीन के लिए जांच आयोगों की स्थापना की गई और घोर अनियमितताओं तथा पक्षपातपूर्ण कार्यों की जांच कार्य भी शुरू किया गया है। नई सरकार का प्रस्ताव है कि ऐसे सभी मामलों की जांच शुरू की जाए जहां कृपा–पात्रों को विभिन्न कारणों से परमिट तथा ठेके आदि देकर आर्थिक लाभ दिये गये हों। अपराधियों को सजा देने में सरकार लिहाज नहीं करेगी परन्तु बदले की भावना से नहीं। इसके साथ–साथ नई सरकार का ढंग ऐसा होगा जिससे लोगों में पैदा हुई भय की भावना दूर हो तथा ईमानदार एवं ईश्वर से डरने वाले कर्मचारियों में विश्वास जागृत हो और लोगौं में भी न्यायपूर्ण प्रशासन के प्रति विश्वास उत्पन्न हो जिससे तनाव की स्थिति समाप्त हो।

लोगों से शासनादेश प्राप्त कर नई सरकार उन्हें स्वच्छ प्रशासन देने, उनकी शिकायतों का निवारण करने, परिवार नियोजन जैसे मामलों में सभी दमनकारी नीतियों का परित्याग

करने, मूल्यों पर प्रभावशाली नियंत्रण रखने तथा विकास की योजनाओं को तेजी से चलाने और विशेशकर सिंचाई के लिए अधिकतर मात्रा में पानी की उपलब्धि कराने के लिए वचनबद्ध है। संक्षेप में नई सरकार का नारा होगा–भ्रश्टाचार समाप्त होः सिंचाई का पानी पर्याप्त हो।

साथियों, अब राज्य का भविश्य आपके हाथों में है। लोगों के चुने हुए प्रतिनिधि होने के नाते जन कल्याण की भावना आपके अन्तः करण में सर्वोपरि होना चाहिए। हमारा समाज नाना प्रकार की समस्याओं से पीड़ित है। थोड़े से समय में इन समस्याओं का समाधान करना संभव नहीं होगा परन्तु निरन्तर प्रयत्न करने से लोगों के कश्ट निवारण में काफी सहायता मिलेगी। गरीबी, बेरोजगारी तथा आय और सामाजिक असमानताओं की समस्याओं पर आप विशेश ध्यान दें। मैं आपका अधिक समय न लेते हुए अपना अभिभाशण समान्त करता हूं और आशा करता हूं कि राज्य के परिश्रमी लोगों की सहायता से, निश्ठावान सरकारी कर्मचारियों के सहयोग से और नये नेताओं की दूर–दृश्टि तथा आदर्श की प्रेरणा से यह राज्य प्रगति और समृद्धि के सोपान पर सदैव अग्रसर होता रहेगा।

अब आप शीघ्र ही महत्वपूर्ण विचार विनिमय में व्यस्त हो जायेंगे जिसके लिए में आपकी सफलता की कामना करता हूं।

जयहिन्द।''

अध्यक्ष द्वारा घोशणा –

सभापतियों की तालिका

Mr. Speaker: Under Rule 13 (1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the Panel of Chairmen:-

1. Sh. Partap Singh Thakran.

2. Ch. Ram Lal Wadhwa.

3. Rao Dalip Singh.

4. Ch. Rizaq Ram.

Now the Secretary will make some announcements.

सचिव द्वारा घोशणाएं

Secretary: Sir, I beg to lay on the Table of the House a statement showing the bills which were passed by the last Haryana Legislative Assembly during its Budget Session held in March, 1977, and have since been assented to by the Governor/*President.

STATEMENT

1. The Punjab Bhudan Yagna (Haryana Amendment) Bill, 1977.

2. The Punjab Gram Pancyayat (Haryana Amendment) Bill, 1977.

3. The Punjab Panchayat Samiti (Haryana Amendment) Bill, 1977.

4. The Punjab Professions, Trades, Callings and Employments Taxation (Haryana Repealing) Bill, 1977.

5. The Haryana Development and Regulation of Urban Areas (Amendment) Bill, 1977.

6. The Haryana Appropriation Bill, 1977.

7. The Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 1977.

8. The Haryana Appropriation (No. 3) Bill, 1977.

9. The Haryana Appropriation (No. 4) Bill, 1977.

10. The Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill, 1977.

11. The Haryana Legislative Assembly (Allowances of Members) Amendment Bill, 1977.

12. The Rohtak University (Amendment) Bill, 1977.

*13. The Haryana Ceiling on Land Holdings (Amendment) Bill, 1977.

*14. The Motor Vehicles (Haryana Amendment) Bill, 1977.

I have to inform the House that the Haryana Urban Development Authority Bill, 1977, which was passed by the last Haryana Legislative Assembly during its Session held in March, 1977, has since been assented to by the President.

सचिव द्वारा पूर्वगामी विधान सभा के सदन की समितियों के प्रतिवेदन पेश करना

(i) लोक लेखा समिति का 11वां प्रतिवेदन

Secretary: I beg to inform the House that in pursuance of Rule 224 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Eleventh Report of the Public Accounts Committee of the preceding Vidhan Sabha for the year 1977-78 on the Appropriation Accounts and Finance Accounts of the Haryana Government for the year 1973-74 and the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1973-74....

औचित्य प्रश्न

(सदन की कार्यवाही हिन्दी में करने के बारे में)

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। मेरी अर्ज है कि हमारी हाउस की कार्यवाही हिन्दी में

होनी चाहिए, अंग्रेजी में नहीं होनी चाहिए। यहां हाउस में अंग्रेजी में पेपर नहीं पढ़े जाने चाहिएं। जहां तक मुझे पता है कि पहले भी फैसला हुआ है कि अंग्रेजी की बजाए हिन्दी में कार्यवाही होनी चाहिए। (विघ्न)

Mr. Speaker: With reference to the point raised by the hon. Member I wish to invite his attention to Rule 77 of our Rules of Procedure, which reads –

"77. Subject to the provisions of Article 210 of the Constitution, the proceedings in the Assembly shall be conducted in Hindi or in Punjab or in the English language."

स्वामी अन्निवेश: अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात पर निवेदन करना है कि हरियाणा प्रान्त तो बना ही इसी बात पर है कि यह हिन्दी भाशी प्रान्त है इसलिए हाउस की सारी कार्यवाही हिन्दी भाशा में होनी चाहिए। जनता पार्टी लोगों से यह वायदा करके आयी है कि जन भाशा में सारा काम होगा। जो हमारे किसान भाई हैं, मजदूर भाई हैं, वे भी हिन्दी को आसानी से समझ सकते हैं। यदि हम हाउस में विदेशी भाशा का प्रयोग करते हैं तो हमारे लिऐ बड़े शर्म की बात है। हरियाणा प्रान्त में ही अंग्रेजी भाशा का प्रयोग हुआ तो हिन्दी भाशा का कहीं भी स्थान नहीं रह जायेगा।

श्री अध्यक्ष: स्वामी जी, आप जो कह रहे हैं, वह ठीक है लेकिन अभी जो रूलज हैं उनके बारे में गौर किया जायेगा और अगर जरूरत हुई तो उनमें बदली भी की जायेगी। उसका बाद में

फैसला करेंगे। रूल्ज बदलने के बाद ही हिन्दी में कार्यवाही शुरू करेंगे।

श्री जगजीत सिंह पोहलू: दोनों भाशाओं में ही कार्यवाही जारी रहनी चाहिए (विघ्न)

उदयोग मंत्री (डा. मंगल सैन): अध्यक्ष महोदय, सरकार की भी यही इच्छा है कि हिन्दी में कार्यवाही हो। इस मामले पर शीघ्र ही निर्णय लीजिए ताकि हाउस की कार्यवाही हिन्दी में चल सके।

श्री अध्यक्ष: इस बारे में हम थोड़ी देर बाद बातचीत कर लेंगे और फैसला कर लेंगे। (विघ्न)

चौ. भजन लाल: पहले भी सदन की कार्यवाही हिन्दी में चलती थी तो अब भी कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। (विघ्न)

राव बीरेन्द्र सिंह: पहले भी दोनों भाशाओं में कार्यवाही चलती थी और अब भी ऐसे ही जारी रहनी चाहिए। यह आपकी डिस्क्रिशन है कि हिन्दी का ज्यादा इस्तेमाल करें। रूल्ज बदलने की जरूरत नहीं है।

श्री अध्यक्ष: मैं इस बारे में रूलिंग दे चुका हूं। आप मेरे चैम्बर में आ जायें, इस बारे में गौर कर लेंगे।

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब जो सरकारी कर्मचारी है उनको हिन्दी भाशा में बोलने में क्या दिक्कत आ रही है।

सैक्रेटरी साहब तेा हिन्दी में इन कागजात को पढ़ सकते हैं, इनको हिन्दी में पढ़ने में क्या दिक्कत है?

श्री अध्यक्ष: आपने ठीक फरमाया लेकिन अब मैं रूलिंग दे चुका हूं। आप बाद में मेरे चैम्बर में आयें वहां पर इस बारे में बात होगी।

सचिव द्वारा पूर्वगामी विधान सभा के सदन की समितियों के प्रतिवेदन पेश करना (पुररारम्भ)

(i) लोक लेखा समिति का 11वां प्रतिवेदन

Secretary: I beg to inform the House that in pursuance of Rule 224 of the Rules of Proceedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Eleventh Report of the Public Accounts Committee of the preceding Vidhan Sabha for the year 1977-78 on the Appropriation Accounts and Finance Accounts of the Haryana Government for the year 1973-74 and the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1973-74 was presented by its Chairman to the Speaker of the preceding Vidhan Sabha as the House was not in session. The preceding Vidhan Sabha did not hold any session thereafter and was dissolved on the 30the April, 1977. The Speaker of the preceding Vidhan Sabha had ordered the printing of this Report.

Now I beg to lay a copy of this Report on the Table of the House.

11.00 बजे

श्री मूल चन्द जैन: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, यह जो पेपर पढ़ रहे है। यह हमें सरकूलेट नहीं हुआ है। मैं नहीं समझता कि यह कैसे कार्यवाही चल रही है। पेपर्ज कार्यवाही से एक दिन पहले मिलने चाहिएं। यह कभी नहीं होता कि उसी टाईम पेपर सरकूलेट किए जाएं। यह गल्त तरीका है। पेपर्ज एक दिन पहले सरकूलेट होने चाहिएं (व्यवधान)।

श्री अध्यक्ष: आर्डर प्लीज। मैं आनरेबल मैम्बर्ज से दरखास्त करूंगा कि आमतौर पर बल्कि हमेशा ही जब भी इस तरह की अनाउंसमेंटस होती है तो साथ ही साथ उसकी कापी आपको दी जाती हैं। हमेशा यह सिस्टम रहा है। आप तो बहुत पुराने सदस्य रहे हैं। ऐसा ही होता रहा है कि कापी उसी समय दी जाती रही हैं। जैसे–जैसे अनाउंसमैंटस की जा रही हैं उनकी कापी आपको दी जा रही हैं।

चौ. शिव राम वर्मा: स्पीकर साहब, अनाउंसमैंट हिन्दी में पढ़ी जाती तो सबकी समझ में आ जाता। हमारे कई साथी ऐसे हैं जो अंग्रेजी नहीं समझते इसलिए मेरी प्रार्थना है कि हिन्दी में अनाउंसमेंट होनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष: आपकी बात बिल्कुल ठीक है इसका जवाब मैं पहले ही दे चुका हूं।

चौ. सतवीर सिंह मलिक: स्पीकर साहब, पुरानी सरकार की जो नीतियां थीं वे तो बदलनी पड़ेगी। पहले इन कापियों की जरूरत नहीं पड़ती थी क्योंकि कोई बहस आदि नहीं होती थी, लेकिन अब तो सारे काम होंगे। डिस्कशन वगैरह सब चीज होगी। इसलिए अब पुरानी रीतियों को बदलना पड़ेगा। हाउस में नई रीतियां शुरू करनी हैं।

श्री अध्यक्ष: आपकी जो इच्छा है उसको मैं ठीक तरह से समझता हूं। लेकिन इस वक्त रूल्ज ऐसे ही बने हुए हैं। सब आपस में बातचीत कर लें और अगर हाउस चाहता है तो रूल्ज जल्दी बदले जा सकते हैं।

श्री गंगा राम: स्पीकर साहब, यह जो किताबें दी गई है अगर हिन्दी में होतीं तो अच्छा रहता। ये सारी किताबें अंग्रेजी में हैं। इनको पढ़ने में ही घन्टों लगेंगे।

श्रीमती शान्ति देवी: स्पीकर साहब, मैं चाहती हूं कि सदन का सारा काम हिन्दी में होना चाहिए और सारे पेपर्ज भी हिन्दी में पढ़े जाने चाहिएं।

श्री अध्यक्ष: इस बात को अगर कोई और मैम्बर कहता तो मैं मान लेता। लेकिन मैं आपको बतला देना चाहता हूं कि

इसका हिन्दी में ट्रांसलेशन हो रहा है और जल्दी ही आपको हिन्दी में कापी मिल जाएगी।

श्री संत कंवर: स्पीकर साहब, इस बहस से साबित होता है कि हरियाणा के अन्दर अंग्रेजी बिल्कुल नहीं पढ़ाई गई। इस सरकार के लिए जरूरी हो जाता है कि आने वाली जनरेशन के लिए अंग्रेजी की पढ़ाई का ठीक बन्दोबस्त हो। शिक्षा पर अधिक जोर दिया जाए और अंग्रेजी की पढ़ाई पर जोर दिया जाए ताकि विधान सभा के काम में कोई दिक्कत न हो।

चौ. पीर सिंह: स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना है कि सदन की सारी कार्यवाही हिन्दी में होनी चाहिए। हमारे मुख्यमंत्री जी यहां बैठे हुए हैं और सब सदस्य यह मांग कर रहे हैं कि सदन की कार्यवाही हिन्दी में होनी चाहिए। मेरे ख्याल में उनकी यह बात मान लेनी चाहिए और सदन की सारी कार्यवाही हिन्दी में चलाई जानी चाहिए।

श्री अध्यक्ष: चौधरी साहब, आप ज्यादा दबाव दे रहे हैं। यह बात खत्म हो गई है ओर मान ली गई हैं।

श्री शंकर लाल: स्पीकर साहब, इस किताब में एक शब्द भी हिन्दी में नहीं है।

(ii) प्राक्कलन समिति का 9वां प्रतिवेदन

Secretary: I have to inform the House that in pursuance of Rule 224 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Ninth Report of the Committee on Estimates for the year 1976-77 was presented on the Speaker by the Chairman of the Committee on Estimates as this could not be presented to the House before the expiry of the term of the office of the Committee for the year 1976-77 due to the prorogation of the House on 31st March, 1977 and dissolution of the last Vidhan Sabha on the 30th April, 1977.

In pursuance of the aforesaid Rule, the Speaker had ordered the printing of the Ninth Report of the Committee on Estimates for the year 1976-77.

Now I lay a copy of this Report on the Table of the House.

(iii) अधीनस्थ विधान संबंधी समिति का 9वां प्रतिवेदन

Secretary: I have to inform the House that in pursuance of Rule 224 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Ninth Report of the Committee on Subrodinate Legislation for the year 1976-77 was presented to the Speaker by the Chairman of the Committee on Subordiante Legislation as this could not be presented to the House before the expiry of the term of the office of the Committee for the year 1976-77 due to the prorogation of the House on the 31st March, 1977 and dissolution of the last Vidhan Sabha on the 30th April, 1977.

In pursuance of the aforesaid Rule, the Speaker had ordered the printing of the Ninth Report of the Committee on Subordinate Legislation for the year 1976-77.

Now I lay a copy of this Report on the Table of the House.

(iv) सरकारी आश्वासनों संबंधी समिति का 9वां प्रतिवेदन

Secretary: I have to inform the House that in pursuance of Rule 224 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Eighth Report of the Committee on Government Assurances for the year 1976-77 was presented to the Speaker by the Chairman of the Committee on Government Assurances as this could not be presented to the House before the expiry of the term of the office of the Committee for the year 1976-77 due to the prorogation of the House on the 31st March, 1977 and dissolution of the last Vidhan Sabha on the 30th April, 1977.

In pursuance of the aforesaid Rule, the Speaker had ordered the printing of the Eighth Report of the Committee on Government Assurances for the year 1976-77.

Now I lay a copy of this Report on the Table of the House.

शोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष: अभी शोक प्रस्ताव होगा इसलिये मैं सभी मैम्बर साहेबान से यह अर्ज करूंगा कि वे अपने भाशण को जितना छोटा रखें अच्छा है क्योंकि आज काफी ज्यादा काम करना बाकी है।

उद्योग मंत्री (डा. मंगल सैन): अध्यक्ष महोदय, चुनाव के पश्चात विधान सभा की बैठक राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के बाद हो रही है। प्रथा के अनुसार हम हर सत्र में दिवंगत विभूतियों को श्रद्धांजलि दिया करते हैं। स्पीकर साहब, आपको पता ही है कि 20 जून, 1975 को इस देश के आपात स्थिति लागू कर दी गई थी। देश के हजारों नेताओं को जेल की काल–कोठरियों में बन्द कर दिया गया था, अखबारों के गले घोंट दिए गए थे, जम्हूरियत का जनाजा कैसे भारत की गलियों में निकाला गया, अभी इस देश की जनता इसे भूली नहीं है। स्पीकर साहब, हजारों लोग जेलों में डाल दिए गए, एमरजैंसी को हटाने के लिए हजारों लोगों ने सिर पर कफन बांध कर किस तरह अत्याचारों का सामना किया, यह बात सिी से भूली नहीं है। कई जगहों पर स्पीकर साहब, गोलियां भी चलीं। अखबारों में आप पढ़ते हैं, स्पीकर साहब, किस तरह से केरल से लेकर काश्मीर तक सत्याग्रहियों को असहनीयत यातनाएं और मानसिक पीड़ाएं देकर ऐसा व्यवहार किया गया। नौजवानों को ताड़न और पीड़न के कारण मारा गया, टारचर किया गया। स्पीकर साहब आप जानते हैं कि चण्डीगढ़ के एक विख्यात एडवोकेट, श्री लखन पाल जी जोकि चण्डीगढ़ की

जेल में मीसा के तहत बन्द थे वे डायबीटीज और हार्ट के पेशैन्ट थे। वे कह रहे थे कि उन्हें बीमारी का दौरा पड़ता है, लेकिन इस जालिम नौकरशाही ने उनको दम तोड़ने के बाद ही छोड़ा। वे असहाय बुरी हालत में पी.जी.आई. में पड़े रहे और आखिर में दम तोड़ गए। स्पीकर साहब, आज अगर हम इन दिवंगत आत्माओं की श्रद्धांजलि न देंगे, तो बड़ा भारी अपराध करेंगे। एमरजेंसी का समाप्त करने के लिए विनोबा भावे जी के शिश्य श्री प्रभाकर शर्मा ने उस वक्त की प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा और कहा कि हजारों लोगों को, जो जेलों में डाला हुआ है देश में जो एमरजेंसी लागू कर रखी है, अखबारों पर जो सैन्सर बिठा रखा है, सारे देश को जो कैदखाना बना रखा है, इन सब को समाप्त कर दो वरना मैं आत्मदाह कर लूंगा। स्पीकर साहब, इन जालिमों ने एक न सुनी आखिर वह सपूत आत्मदाह कर गया। तो मैं उस महान आत्मा को सिर झुका कर श्रद्धा के फूल अर्पित करता हूं और श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वे स्वर्गवासी आज जहां भी हैं उनको यह विश्वास दिलाता हूं कि जिस मार्ग पर चलते हुए आपने प्रस्थापन के लिए बलिदान दिया है, आपके उस मार्ग दर्शन पर ही हम चलते हुए अपना कर्त्तव्य निभाते रहेंगे। स्पीकर साहब, इस काल में और भी बहुत लोगों ने अपने प्राणों को बलिदान किया, मुझे खेद है कि उन महान आत्माओं की सूची अभी मेरे पास नहीं है वैसे मैं आपके आदेशानुसार बोलूंगा भी बहुत कम क्योंकि समय की कमी है।

स्पीकर साहब, श्री हेम बरुआ, संसद में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य थे जिनका निधन 9 अप्रैल, 1977 को हुआ। उन्होंने संसद में एक ओजस्वी के रूप में अपनी धाक बिठाई। श्री बरुआ एक प्रसिद्ध साहित्यकार थे और प्रसिद्ध शिक्षा शास्त्री भी थे। यह सदन दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक सहानुभूति प्रकट करता है।

इसी प्रकार से श्री ईश्वर सिंह मझैल, अध्यक्ष पंजाब कृशि–उद्योग निगम, जिसका निधन 20 अप्रैल, 1977 के हुआ उन्होंने भी इस देश की राजनीति में बड़ा सक्रिय योगदान दिया हैं। वे कई बार जेल गए। वे दरबार साहिब कमेटी, अमृतसर के 10 वर्श तक अध्यक्ष रहे। देश के विभाजन के पश्चात वे पंजाब विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए और वे मंत्री पद पर भी रहे। इनका निधन पिछले दिनों हुआ है इससे पहले वे पंजाब कृशि उद्योग निगम के अध्यक्ष पद पर भी रहे। यह सदन उनके शोक संतप्त परिवार को अपनी हार्दिक संवेदना भेजता है।

स्पीकर साहब, इसी प्रकार से मार्क्सवादी नेता श्री के.पी. गोपालन जो केरल राज्य में मंत्री थे, उनको निधन 20 अप्रैल, 1977 को हुआ। इस पर यह सदन गहरा शोक व्यक्त करता है।

श्री एस.बी. गिरी, सदस्य लोक सभा जिनका निधन 23 अप्रैल, 1977 को हुआ के प्रति यह सदन गहरा शोक व्यक्त करता है। वे एक प्रबल और श्रम करने में अगुआ रहे। वे तेलंगाना प्रजा

समिति के टिकट पर लोकसभा के सदस्य निर्वाचित हुए और बाद में वे कांग्रेस में शामिल हो गए और वारंगल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस टिकट पर लोक सभा के लिए चुने गए थे। यह सदन उनके संतप्त परिवार–सदस्यों को अपनी हार्दिक संवेदना भेजता है।

श्री पी.बासी रैड्डी, आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के जनता फ्रण्ट के नेता जिनका निधन 27 अप्रैल, 1977 को हुआ। वे पहले आन्ध्र प्रदेश मन्त्रिमण्डल के सदस्य भी रहे। उनके कार्यकाल में उद्योग के क्षेत्र में प्रगति हुई। उनके विधान पर भी हम गहरा शोक प्रकट करते है।

श्री ई.इककन्ता वारियर, सर्वोदय नेता जोकि कोचीन राज्य के आखिरी मुख्यमंत्री थे, का निधन 8 जून, 1977 को हुआ। उनके निधन से देश एक निश्ठावान सर्वोदय कार्यकर्ता की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को अपनी हार्दिक संवेदना भेजता है।

श्री के.के. वारियार, जो भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रसिद्ध नेता थे, का निधन 12 जून, 1977 को हुआ। यह सदन उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। वह कम्युनिस्ट पार्टी की राज्य शाखा के मैंबर थे। वह 'नवयुगम' साप्ताहिक ओर 'ईवनिंग' दैनिक के सम्पादक भी रहे। कालीकट यूनिवर्सिटी सैनेट

में उन्होंने पत्रकारों का प्रतिनिधित्त्व भी किया। उनके निधन से देश ने एक अनुभवी राजनीतिज्ञ और प्रसिद्ध पत्रकार खो दिया है।

इसी प्रकार भारत के एक महान शिक्षा शास्त्री डा. सुनीति कुमार चटर्जी अभी–अभी 29 मई, को जिनका निधन हुआ है, वे पहली ऐसी विभूति हैं, जो भारत से भारत सरकार के खर्चे पर 1921 तक भाशा शास्त्र के सम्बन्ध में यूरोप में भेजे गए। वे 1922 से 1952 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय में भाशाशास्त्र के प्राध्यापक रहे। 1952 से 1965 तक पश्चिम बंगाल विधान परिशद के सदस्य भी रहे। उनकी योग्यता के कारण भारत सरकार ने उनको क्रमशः पदम् भूशण और पदम् विभूशण से अलंकृत किया था। उन्हें कलकत्ता, दिल्ली, उस्मानिया, रवीन्द्र भारती, रोम और विश्व भारती विश्वविद्यालयों ने डिग्रियों से सम्मानित किया। ऐसे भाशा शास्त्री का इस देश ने उठ जाना सत्य में इस देश को भाशा शास्त्र से वन्चित करना है।

इसी प्रकार भूतपूर्व केन्द्रीय पुनर्वास एवं वाणिज्य मंत्री श्री के.सी.निओगी को भी 3 अप्रैल, को निधन को गया।

इसी प्रकार से श्री विश्वनाथ, जो पैट्रिअट और लिंक अखबार के सम्पादक थे, वे भी इस संसार से विदा हो गए।

इसी प्रकार प्रोफैसर रुथनास्वामी जो राज्य सभा के सदस्य थे, उनका भी निधन हो गया। तो मैं अपनी ओर से और

अपने दल की ओर से इन दिवंगत आत्माओं के श्री चरणों में अपनी श्रद्ध के पुश्प अर्पित करता हूं।

सरदार सुखदेव सिंह (रोड़ी): अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने आपात काल के दौरान हुए शहीद तथा अन्य नेताओं को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मेरा निवेदन है कि आपात काल के पहले कांग्रेंस के कुशासन में जो देश की आजादी के लिए शहीद हुए, उनका भी जिक्र आना चाहिए।

राव बीरेन्द्र सिंह (अटेली): माननीय अध्यक्ष महोदय, अभी डा. साहब ने शहीदों और देश के नेताओं के अफसोस नाक रहलत पर गहरे दुख का इजहार किया है उसमें मैं भी अपनी पार्टी की तरफ से शामिल होता हूं। ये सब नेता समाज सेवा में लगे रहे ये सब देश भक्त थे। इनमें से वे बहुत से मेरे वाकिफ थे, जिनसे मुझे काफी प्यार था और बाकी सब नामवर हस्तियां थीं। श्री एस. वी.गिरी जो पांच साल तक मेरी सोट के साथ ही पार्लियामैंट में बैठते रहे, बहुत ही अच्छे इन्सान थे। ऐसे लोगों का देश से उठ जाना देश के लिए काफी नुक्सान की बात है। जिन लोगों को एमरजेंसी के दौरान रहलत मिली उन लोगों के लिए तो खासतौर पर रंज होता है और मैं उम्मीद करता हूं कि अगर हरियाणा में ऐसे वाक्यात हुए हों तो सरकार उन मरने वालों के परिवारों के लिए ज्यादा से ज्यादा सहायता का इन्तजाम करे।

लखनपाल जी की मौत वाकई बहुत दर्दनाक हालत में हुई। उससे हम सब को कुछ सबक सीखना चाहिए कि सियास्त इस हद तक न पहुंचे कि ऐसे हालात फिर दुबारा दुनियां के सामने आएं। कुछ देश भक्तों के लिए अगर स्मारक बनाने का इन्तजाम किया जाए जैसे श्री शर्मा जी के लिए एक तजवीज हो रही है तो मैं दरख्वास्त करूंगा कि हरियाणा सरकार की तरफ से खासतौर पर उसमें सहायता दी जाए और अगर हरियाणा सरकारक द्वारा भारत सरकार को यह तजवीज की जाए कि ऐसा कोई फंड कायम किया जाए, जिससे आईदा के लिए मरने वालों के परिवारों की देखभाल की जाए और हरियाणा सरकार का उसमें ज्यादा से ज्यादा योगदान होना चाहिए। इन शब्दों के साथ में गहरे दुख के साथ इन परिवारों के लिए हमदर्दी में शामिल होता हूं और प्रार्थना करता हूं कि भगवान दिवंगत नेताओं और शहीदों को आत्मा को शान्ति दे।

श्री कन्हैया लाल पोसवाल (छछरौली): स्पीकर साहब, जो प्रस्ताव डा. मंगल सैन जी ने पेश किया है मैं उसकी ताइद करता हूं। जो हस्तियां हमारे दर्मियान से गुजर गई, उनके लिए मैं अपनी श्रद्धांजलि भेंट करता हूं और ईश्वर से मेरी यही प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शान्ति बख्शे।

मास्टर शिव प्रशाद (अम्बाला शहर): स्पीकर साहब, जहां हाउस में महान नेताओं को श्रद्धा के फूल अर्पित किए गए हैं वहां मैं यह चाहता हूं कि एमरजैंसी के दौरान नादिरशाह सरकार ने

जिन लोगों के ऊपर गोलियां चलायीं या जिन लोगों की गलत आप्रेशनों की वजह से मौतें हुई हैं उनका भी यहां जिक्र आना चाहिए।

श्री जगजीत सिंह पोहलू (पाई): स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा एक प्रार्थना करूंगा कि अगर श्री लखनपाल जी की डैथ की इनक्वायरी के आर्डर न हुए हों तो हमारी सरकार इस सम्बन्ध में सैन्टर की सरकार से रिक्वैस्ट करें ताकि यह पता लग सके कि उनकी डैथ किन हालात में हुई और कसूरवार अफसरों को सजा दी जाए। इसके अलावा जितने आदमी गोलियों से मारे गए है उनकी भी इन्क्वायरी की जाए। साथ ही जेलों में हमारे साथ जो ज्यादतियां हुयी, डाक्टर साहब तो मेरे साथ थे इनको तो पता है इसकी भी इन्क्वायरी करके दोशी अफसरों को सजा दी जाए। डाक्टर साहब को खुद पता है कि सैनी ने कितनी तकलीफें दी। हमें भी डैथ के बराबर सजा दी गई, हमें नाजायज तौर पर बन्द रखा गया और कपड़ा तक नहीं दिया गया इस चीज की भी इन्क्वायरी होनी चाहिए और कसूरवार आदमियों को सजा दी जाए।

श्री दीप चन्द भाटिया (फरीदाबाद): स्पीकर साहब डाक्टर मंगल सैन जी हमारे नेता हैं इन्होनं जो श्रद्धांजलि के फूल भेंट किए हैं, उनकी मैं ताइद करता हूं। इसके साथ–साथ हमारे फरीदाबाद टाउन के अन्दर हजारों झुग्गी–झोंपड़ियौं वालों के ऊपर जुल्म किए गए हैं और हमारी माताओं और बहिनों की

बेइज्जती की गई है और कई हमारे भाई मारे भी गए, जिनका अभी तक कुछ पता नहीं उसके लिए मैं प्रार्थना करूंगा कि उसकी इन्क्वारी की जाए। जिन सरकारी अफसरान ने या सरकार के आदमियों ने गरीबों के ऊपर जुल्म किए हैं, उनकी इन्क्वायरी करवाई जाए और दोशी आदमियों को सजा दी जाए।

श्री मूल चन्द जैन (संभालखा): स्पीकर साहब, डाक्टर मंगल सैन जी ने जो प्रस्ताव हाउस के सामने पेश यिका है उसके समर्थन के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। इस सूची में प्रिंसिपल राम धन जी का नाम जो हमारे हरियाणा की हस्ती थी जिनका कि इसी अर्से में देहान्त हुआ है, जोड़ा जाए, प्रिंसिपल रामधन जी हरियाणा की एक बहुत ही प्रसिद्ध हस्ती हुई हैं। वे लायलपुर एग्रीकल्चर कालेज के प्रिंसिपल रहे और जहां तक में समझता हूं कृशि के क्षेत्र में वे न सिर्फ सारे भारत में बल्कि सारी दुनियां में मशहूर हैं और उनका नाम है। ऐसी प्रसिद्ध हस्ती जिसका हरियाणा से सम्बन्ध हो उसका नाम भी इसमें शामिल किया जाए। इन शब्दों के साथ मैं इन सब हस्तियों को श्रद्धांजलि भेंट करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

मुख्यमंत्री (चौ. देवी लाल): स्पीकर साहब, डाक्अर मंगलसैन जी ने एमरजेंसी के दौरान जो शहीद हुए हैं उनके बारे में और हिन्दुस्तान की दूसरी नामवर हस्तियों के निधन के बारे में जिन्होंने पार्लियामैंट और असैम्बलियों में लोगों की सेववा की है जो शोक प्रस्ताव पेश किया है मैं उसकी ताइद करता हूं और

उनके परिवारों के साथ गहरी हमदर्दी का इजहार करता हूं। इसके साथ ही मूल चन्द जैन जी ने एक हस्ती का नाम लिया। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि खेती–बाड़ी के मामला में पार्टीशन से पहले किसानों को अगर किसी ने सही मायनों में सेवा की है, तो वे प्रिंसिपल रामधन जी थे। उनका नाम भी इसमें आना चाहिए और डाक्टर साहब ने उसको स्वीकार कर लिया है। इसके साथ–साथ मैं कर्नाटक के श्री प्रभाकर शर्मा जी का भी जिक्र करना चाहता हूं। वे भी इस एमरजैंसी में शहीद हुए हैं और उनके लिए लोकनायक जयप्रकाश जी ने एक कमेटी भी बनाई है। उनका नाम भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए और खासतौर पर मैं चण्डीगढ़ के लखनपाल जी का भी यहां जिक्र करना चाहता हूं। यहां कहा गया है कि हरियाणा सरकार जिन हालात में उनकी मृत्यु हुई है उसकी इन्क्वायरी करवाए। इस बारे में मैं अर्ज करता हूं कि भारत सरकार पहले ही इस मामला में पूरी जांच करवा रही है ओर हम भी इस बारे में विचार कर रहे हैं कि इन्क्वायरी पूरी तरह से हो, ताकि आईदा ऐसे वाकयात न हों। तो अब मैं अपने दल की तरफ से और बतौर लीडर आफ दि हाउस के इन स्वर्गवासी नेताओं के परिवारों के साथ दिली हमदर्दी का इजहार करता हू।

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, इस सदन में इन सब स्वर्गवासी नेताओं के निधन के बारे में जो शोक प्रस्ताव पेश किया गया है और उसके बारे में जो विचार और बातें कही गई हैं मैं

भी उनके साथ अपने आपको शामिल करता हूं। दरअसल ये सभी हमारे बहुत बड़े नेता थे और उन्होंने देश की बहुत सेवा की है। मैं आप सबकी तरफ से उनके कुनबों के साथ हमदर्दी का इजहार करूंगा। अब मैं आप सबसे निवेदन करूंगा कि दो मिनट के लिए हम सब खड़े होकर मौन रहकर उनको श्रद्धांजलि भेंट करें।

(इस समय सदन के सदस्यों ने खड़े होकर दो मिनट मौन धारण करके दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।)

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

Mr. Speaker: Ch. Ram Lal Wadhwa, M.L.A. has given notice of an adjournment motion concerning the non-release of canal water inb the Rakshi Canal System.

I have admitted it as a Call Attention Motion.

The hon. Member may please read his notice.

Ch. Ram Lal Wadhwa: Sir, I beg to draw the attention of the House to consider a definite matter of urgent public importance and of recent occurrence relating to the loss of rice production in the areas of Kanal due to non-release of canal water in Rakshi Canal System. It is a serious matter of negligence and slackness of the concerned Government authorities which has badly affected the food production in the State. The Kharif production is also likely to be affected.

The matter is most serious and is of urgent public importance. It has created food problem and the farmers and the public of Haryana is iinterested in the matter. There is great resentment in the general public and it requires at once consideration of the House.

सिंचाई एवं विद्युत मंत्री (श्री वीनेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, मुझे अभी तक कोई नोटिस नहीं मिला हैं मैं इसका जवाब जल्दी से जल्दी दूंगा।

चौ. राम लाल वधवा: स्पीकर साहब मेरा ख्याल है कि हाउस कल तक चलेगा तो मेरी अर्ज है कि जवाब अगर कल तक मिल जाए तो ठीक रहेगा।

श्री अध्यक्ष: वे कोशिश करेंगे।

सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र

उद्योग मंत्री (डा. मंगल सैन): अध्यक्ष महोदय, मैं निम्न कागज–पत्र सदन के पटल पर रखता हूं:–

1. बीरेन्द्र नारायण चक्रवर्ती विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र (संशोधन) अध्यादेश, 1977 (1977 का हरियाणा आध्यादेश सं. 6)

2. पंजाब ग्राम पंचायत (हरियाणा द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 1977 (1977 का हरियाणा आध्यादेश सं. 7)

3. हरियाणा नगरीय (किराया और बेदखली नियन्त्रण) संशोधन अध्यादेश, 1977 (1977 का हरियाणा आध्यादेश सं. 8)

4. पंजाब नगरीय अचल सम्पति कर (हरियाणा संशोधन तथा निरसन) अध्यादेश, 1977 (1977 का हरियाणा आध्यादेश सं. 9)

5. मोटर यान अधिनियम, 1939 की धारा 133(3) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार पंजाब मोटर यान नियमावली, 1940 के संशोधनों की परिवहन विभाग हरियाणा की निम्नलिखित अधिसूचना की एक–एक प्रति मेज पर रखी जाती है:–

(i) परिवहन विभाग अधिसूचना सं. जी.एस.आर. –190/सी.ए.–4/39/एस.–68 एम्ड (3) 75, दिनांकित 16 दिसम्बर, 1975।

(ii) परिवहन विभाग अधिसूचना सं. जी.एस.आर. –108/सी.ए.–4/39/एस.एस.–24 तथा 41/एम्ड (4) 76, दिनांकित 7 मई, 1976।

(iii) परिवहन विभाग अधिसूचना सं. जी.एस.आर. –109/सी.ए.–4/39/एस.एस.–24 तथा 41/एम्ड (5) 76, दिनांकित 7 मई, 1976।

(iv) परिवहन विभाग अधिसूचना सं. जी.एस.आर. –110/सी.ए.–4/39/एस.एस.–24 तथा 41/एम्ड (6) 76, दिनांकित 7 मई, 1976।

(v) परिवहन विभाग अधिसूचना सं. जी.एस.आर. –111/सी.ए.–4/39/एस.एस.–24 तथा 41/एम्ड (7) 76, दिनांकित 7 मई, 1976।

(vi) परिवहन विभाग अधिसूचना सं. जी.एस.आर. –112/सी.ए.–4/39/एस.एस.–24 तथा 41/एम्ड (8) 76, दिनांकित 7 मई, 1976।

(vii) परिवहन विभाग अधिसूचना सं. जी.एस.आर. –113/सी.ए.–4/39/एस.एस.–24 तथा 41/एम्ड (9) 76, दिनांकित 7 मई, 1976।

(viii) परिवहन विभाग अधिसूचना सं. जी.एस.आर. –114/सी.ए.–4/39/एस.एस.–24 तथा 41/एम्ड (10) 76, दिनांकित 7 मई, 1976।

(ix) परिवहन विभाग अधिसूचना सं. जी.एस.आर. –115/सी.ए.–4/39/एस.एस.–24 तथा 41/एम्ड (11) 76, दिनांकित 7 मई, 1976।

(x) परिवहन विभाग अधिसूचना सं. जी.एस.आर. –116/सी.ए.–4/39/एस.एस.–24 तथा 41/एम्ड (12) 76, दिनांकित 7 मई, 1976।

(xi) परिवहन विभाग अधिसूचना सं. जी.एस.आर. –125/सी.ए.–4/39/एस.एस.–63 तथा 68/एम्ड (13) 76, दिनांकित 21 मई, 1976।

(xii) परिवहन विभाग अधिसूचना सं. जी.एस.आर. –144/सी.ए.–4/39/एस.एस. 68/एम्ड (14) 76, दिनांकित 28 मई, 1976।

(xiii) अधिसूचना सं. जी.एस.आर.–228/सी.ए. –4/39/एस.एस.–24 तथा 41/एम्ड (15) 76, दिनांकित 21 अक्तूबर, 1976।

(xiv) अधिसूचना सं. जी.एस.आर.–229/सी.ए. –4/39/एस.एस.–24/एम्ड (16) 76, दिनांकित 21 अक्तूबर, 1976।

(xv) अधिसूचना सं. जी.एस.आर.–230/सी.ए. –4/39/एस.68/एम्ड (17) 76, दिनांकित 21 अक्तूबर, 1976।

(xvi) अधिसूचना सं. जी.एस.आर.–237/सी.ए.–4/39/एस.–76/एम्ड (18) 76, दिनांकित 5 नवम्बर, 1976।

6. हरियाणा साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1973 की धारा 643 क अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा साधारण विक्रय कर (प्रथम संशोधन) नियमावली, 1977 सम्बन्धी आबकारी एवं कराधान विभाग हरियाणा, अधिसूचना सं. जी.एस.आ.–76/एच.ए.–20/73/एस. 64/एम्ड (1) 77, दिनांकित 6 मई, 1977.

7. हरियाणा प I मेला अधिनियम, 1970 की धारा 22(3) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा प I मेला (प्रथम सं ाोधन) नियमावली, 1976 सम्बन्धी विकास एवं पंचायत विभाग, हरियाणा अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 24/एच.ए.–30/70/एस/22/एम्ड(1)/76, दिनांकित 27 फरवरी, 1976.

8. पंजाब पंचायत समिति अधिनियम, 1961 की धारा 115(3) के अधीन की गई अपेक्षा कें अनुसार, पंजाब पंचायत समिति एवं जिला परिशद् गैर सरकारी सदस्य (भतों की अदायगी) (हरियाणा प्रथम सं ाोधन) नियमावली, 1976 सम्बन्धी विकास एवं पंचायत विभाग, हरियाणा, अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 147/पी.ए.–3/ 61 एस.–115/एम्ड (1)76, दिनांकित 11 जून, 1976.

9. हरियाणा प I मेला अधिनियम, 1970 की धारा 22(3) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा प I मेला

(प्रथम सं ाोधन) नियमावली, 1977 सम्बन्धी विकास एवं पंचायत विभाग अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 3/एच.ए.–30/70/एस–22/एम्ड(1)/77, दिनांकित, 5 जनवरी, 1977.

10. पंजाब पंचायत समिति अधिनियम, 1961 की धारा 115(4) के अधीन की गई अपेक्षा कें अनुसार, पंजाब पंचायत समिति (प्राथमिक सदस्य) निर्वाचन (हरियाणा प्रथम सं ाोधन) नियमावली, 1977 सम्बन्धी विकास एवं पंचायत विभाग, अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 45/पी.ए.–3/ 61/ एस.–115/एम्ड (1)77, दिनांकित 18 मार्च 1977.

11. हरियाणा भूमिजोत की अधिकतम सीमा अधिनियम, 1972 की धारा 31(2) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा भूमिजोत की अधिकतम सीमा (प्रथम सं ाोधन) नियमावली, 1976 सम्बन्धी राजस्व विभाग, हरियाणा, अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 10/एच.ए.–26/ 72/एस.–31/एम्ड(1)/76, दिनांकित 23 जनवरी, 1976.

12. हरियाणा भूमिजोत की अधिकतम सीमा अधिनियम, 1972 की धारा 31(2) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा भूमिजोत की अधिकतम सीमा (द्वितीय सं ाोधन) नियमावली, 1976 सम्बन्धी राजस्व विभाग, हरियाणा, अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 67/एच.ए.–26/72/एस.–31/एम्ड(2)/76, दिनांकित 5 अप्रैल, 1976.

13. हरियाणा भूमिजोत की अधिकतम सीमा अधिनियम, 1972 की धारा 31(2) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा भूमिजोत की अधिकतम सीमा (तृतीय सं ाोधन) नियमावली, 1976 सम्बन्धी राजस्व विभाग, हरियाणा, अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 183/एच.ए.–26/ 72/एस.–31/एम्ड(3)/76, दिनांकित 4 अगस्त, 1976.

14. हरियाणा भूमिजोत की अधिकतम सीमा अधिनियम, 1972 की धारा 31(2) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा भूमिजोत की अधिकतम सीमा (चतुर्थ सं ाोधन) नियमावली, 1976 सम्बन्धी राजस्व विभाग, हरियाणा, अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 222/एच.ए.–26/ 72/एस.–31/एम्ड(4)/76, दिनांकित 15 अक्तूबर, 1976.

15. हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष वेतन भता अधिनियम, 1975 की धारा 8(2) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष तथा उपाध्याक्ष (मोटर कार के लिए अग्रिम) नियमावली, 1976 के सम्बन्ध में राजनैतिक विभाग, हरियाणा, अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 163/एच.ए.–3/75/एस. 8/76 दिनांकित 2 जुलाई, 1976.

16. बिजली (सप्लाई) अधिनियम, 1948 की धारा 75 के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार वर्श 1974–75 का हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड का प्र ाासन प्रतिवेदन।

(इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी प्रताप सिंह ठाकुर विराजमान हए)

17. हरियाणा एवं पंजाब कृशि वि ववविद्यालय अधिनियम, 1970 की धारा 34(5) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार 1974–75 की अवधि के लिए हरियाणा कृशि वि ववविद्यालय हिसार का वार्शिक लेखा–परीक्षा प्रतिवेदन।

18. हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड द्वारा 8 मार्च, 1977 तक लिए गये ऋणों को द र्ाने वाला विवरण, जिनकी अदायगी के लिए राज्य सराकर ने बिजली (सप्लाई) अधिनियम, 1948 की धारा 66 के अधीन प्रत्याभूति दी है।

Mr. Chairman: The House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow.

11.47 बजे

(The Sabha then adjourned till 9.30 a.m. on Wednesday, the 6th July, 1977.)

हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

6 जुलाई, 1977

(प्रथम बैठक)

खण्ड 1, अंक 3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 6 जुलाई, 1977

पृश्ठ संख्या

सदस्यों द्वारा भापथ या प्रतिज्ञान	(3)1

राक ी नहर सिस्टम में पानी न छोड़ने सम्बन्धी ध्यानाकर्शण प्रस्ताव पर सिंचाई एवं बिजली मंत्री द्वारा वक्तव्य	(3)1
उपाध्यक्ष का चुनाव	(3)1
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा	(3)7–48

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 28 मार्च, 1977

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा, विधान भवन, सैक्टर–1, चंडीगढ़ मे प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (ब्रिगेडियर रण सिंह) ने अध्यक्षता की।

सदस्यों द्वारा भापथ या प्रतिज्ञान

श्री अध्यक्षः पहला आइटम ऐजंडा पर यह है कि जिन्होंने पहले भापथ नहीं ली है। वे भापथ लेंगे। श्री भाम ोर सिंह (माननीय सदस्य सदन में उपस्थित नहीं थे।)

राक ी नहर सिस्टम में पानी न छोड़ने सम्बन्धी ध्यानाकर्शण प्रस्ताव पर सिंचाई एंव बिजली मंत्री द्वारा वक्तव्य

श्री अध्यक्षः कल आई.पी.एम. साहब ने वादा यिका था कि वे काल अटैन ान मो ान के बारे में स्टेटमैंट देंगे।

सिंचाई तथा विद्युत मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, जो काल अटैन्ान मो ान कल आनेरबल मैम्बर चौधरी राम लाल जी की तरफ से उठाई गई थी, उसके उतर में यह जवाब है:—

Rakshi Disty. off takes from Chautang Feeder. The Chautang Feeder is a flood channel which takes off from Western Jamuna Canal at Indri and runs in rainy season only and accordingly this channel was opened on 24.6.1977.

On 27/6 a request was received from Superintending Engineer, National Highway, Faridbad that this channel be closed immediately for 20 days because his bridge in mile 83/14 was incomplete and the diversion of G.T. Road was likely to be submerged. As a result of this situation the Rakshi Disty. was closed from 28/6 to 30/6. The channel is running since 30.6.1977 and is also running today.

उपाध्यक्ष का निर्वाचन

श्री अध्यक्ष: नेक्सट आइटम, डिप्टी स्पीकर का चुनाव।

सिंचाई तथा विद्युत मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, मैं प्रस्ताव करता हूं:—

कि हरियाणा विधान सभा के सदस्य कंवर विजय पाल सिंह को, जो सदन में उपस्थित हैं, सभा का उपाध्यक्ष निर्वाचित किया जाए।

कर्नल राव राम सिंहः स्पीकर साहब, मैं उनके नाम की ताईद करता हूं।

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, मैं भी उनके नाम की ताईद करता हूं।

Mr. Speaker: Motion moved—

That Kanwar Vijai Pal Singh, a member of the Haryana Legislative Assembly, who is present in the House, be elected as Deputy Speaker of the House.

It there any other proposal please?

(Voices: No.)

Mr. Speaker: Since there is only one proposal before the House that Kanwar Vijai Pal Singh be elected as Deputy Speaker, I declare him to have been elected as Deputy Speaker unanimously. (Thumping)

(At this stage Kanwar Vijai Singh, escorted by the Chief Minister, occupied the seat of the Deputy Speaker) (Thumping)

सिंचाई एवं बिजली मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, मैं इस युनानिमस चुनाव पर कंवर विजय पाल सिंह को हार्दिक बधाई देता हूं। ये युवक है और पढ़े लिखे नौजवान व्यक्ति है। मुझे आ ाा है और इस सदन को भी आ ाा है कि जो फर्ज इनको दिया गया है उसको बड़ी निश्पक्षतापूर्वक निभाएंगे। स्पीकर साहब, मैं एक बार फिर कंवर विजय पाल सिंह को हार्दिक बधाई देता हूं।

राव बीरेन्द्र सिंह (अटेली): आनरेबल स्पीकर साहब, मैं भी कंवर विजय पाल सिंह को डिप्टी स्पीकर चुने जाने के लिये दिली मुबारिकबाद देता हूं। यह बड़े अच्छे नौजवान है और मेरे तो अजीज भी है। ये मेरे इलाके से ताल्लुक रखते है। एल.एल.बी. है और अच्छे तजुर्बेकार है लेकिन एक बात के लिये मैं जरूर सरकार से अर्ज करूंगा कि हमारे सुझाव पर उन्होंने कोई ध्यान नही दिया। हम भी भायद श्री विजय पाल सिंह के हक मे ही राय देते। यह मुनासिब होता कि अपोजि ान को कांफिडेंस मे लिया होता और पूछ लिया होता (व्यवधान)। बहरहाल मुझे ज्यादा ि ाकायत इसलिये नही होती कि मुझे मालूम है कि भायद लीडर आफ दि हाउस ने अपनी पार्टी को भी कांफिडेंस मे नही लिया और अगर वह हो तो हमको कोई गिला करने की गुंजाइ ा नही है। (व्यवधान)

कई आवाजें: सब को कांफिडेंस मे लिया गया थां

राव बिरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, मैं एक बार फिर कंवर विजय पाल सिंह को बधाई देता हूं।

श्री लक्षमन सिंह (कालका): स्पीकर साहब, मैं श्री विजय पाल सिंह को अर्सा दस साल से जानता हूं और साल मे बहुत दफा इनसे मुलाकात का मौका मिलता है। ये बहुत तजुर्बेकार और पुख्ता इरादे और सच्चे तथा इन्साफ पसंद आदमी है। मैं अपनी

तरफ से डिप्टी स्पीकर चुने जाने पर, अपनी दिली मुबारिकबाद पे ा करता हूं।

श्री राम कि ान (सफीदों): आदरणीय स्पीकर साहब, कंवर विजय पाल सिंह के सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष चुने जाने पर मैं अपनी हार्दिक बधाई देता हूं और जैसा कि राव बीरेन्द्र सिंह ने कहा कि लीडर आफ दी हाउस ने अपनी आदमियों को कांफिडेंस मे नही लिया, यह निराधार बात है, लीडर आफ दि हाउस ने हर आदमी को कांफिडेंस मे लिया है और वे हर मामले मे कांफिडेंस मे लेते है । ऐसी बात हाउस मे न कही जाये तो अच्छा रहेगा। कंवर विजय पाल सिंह बहुत अच्छे नौजवाल, सूझबूझ वाले आदमी है और मुझे पूरी आ ाा है कि हाउस मे निश्पक्ष रह कर अपना काम सरअंजाम देंगे।

श्री राम पाल सिंह (घरोंडा): स्पीकर साहब, मैं कंवर विजय पाल सिंह के यूनानिमस डिप्टी स्पीकर चुने जाने के लिये उनको बधाई देता हूं। यह बड़ी खु ी की बात है कि हरियाणा के अंदर लीडर आफ दि हाउस का चुनाव युनानिमसली हुआ और फिर स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का चुनाव भी युनानिमसली हुआ। श्री विजय पाल सिंह, मुझे पूर्ण आ ाा है कि हाउस के जो कंवें ांज है उनको न्यूटरल रहकर पूरी तरह निभायेंगे और इस हाउस मे नए कंवेन् ांज लाने की कृपा करेंगे। राव साहब ने जो एक बात कही कि अपोजी ान को कांफिडेंस मे लेना चाहिए था, ठीक है उनको सजे ान थी लेकिन उस दिन एक बात यहां हाउस

मे आई कि पहले अपोजी ान वालो को एक प्लेटफार्म पर आना चाहिए। उसी दिन कुछ अपोजी ान बेन्चिज पर बैठे हुए साथियों ने कहा था कि अपोजी ान के ये लीडर नही है। यह चीज कुछ दूसरे साथियों ने कही थी। (व्यवधान) सीट अलाट कराने का काम अपोजी ान वालो का है कि वह कहां अलाट कराना चाहते है दूसरों को कोई एतराज नही । इसलिये राव साहब अपनी अपोजी ान को इकट्ठा करके यह सजे ान देते तो भाायद लीडर आफ दि हाउस इस प्रर गौर करते। दूसरी बात राव साहब ने कही कि लीडर आफ दि हाउस ने अपने साथियों को कांफिडेंस मे हनी लिया। मैं पूछना चाहता हूं कि यह ज्योतिश का काम आपने कब से सीख लिया है, दूसरो के मन की बात आप कब से जान लेते है ? मैं राव साहब से यही प्रार्थना करूंगा कि ऐसी सजे ान लाते वक्त अपोजी ान को कांफिडेंस मे लेते तब लीडर आफ दि हाउस को इस तरह की सजे ान देते तो अच्छा रहता। इन भाब्दो के साथ मैं फिर कंवर विजय पाल सिंह को यूनानिमसली चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हूं।

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): स्पीकर साहब, मैं कंवर विजय पाल सिंह को युनानिमसली डिप्टी स्पीकर चुने जाने पर लीडर आफ दि हाउस के नाते मुबारिकबाद पे ा करता हूं। मेरे सामने यह भी सवाल था कि अपोजी ान को भी कंसल्ट करूं लेकिन राव साहब, बदकिस्मती से मुझे अपोजी ान दिखाई नही दी। मैंने तो राव साहब का ख्याल बना रखा था, आज नही आत

से आठ साल पहले भी स्पीकर के लिये नाम चुना था लेकिन वह कामयाब साबित न हो सके। दो दिन ही रह पाए और फिर छोड़कर भाग गए। इसलिये अब इसमे कोई दो राय नही है कि अपोजी ान भी मुत्तफिक है और इधर के साथी भी मुत्तफिक है। किसी ने भी मतभेद जाहिर नही किया। मुझे पूरी आ ाा है कि राव साहब हाउस के काम मे अपना सहयोग देंगे और कंवर विजय पाल सिंह से उम्मीद करता हूं कि जिस प्रकार से स्पीकर साहब ने अपना फर्ज निश्पक्ष होकर अदा किया है उसी प्रकार अपना फर्ज अदा करेंगे और अपोजी ान और ट्रेजरी बेंचिज के साथ एक सा बर्ताब करेंगे। इतना ही कहकर मैं अपनी जगह लेता हूं।

कामरेड भांकर लाल (सिरसा): अध्यक्ष महोदय, बिना मुकाबले उिप्टी स्पीकर के पद पर चुने जाने के लिये मैं कंवर विजय पाल सिंह को हार्दिक बधाई देता हूं। मैं अपने हाउस के लीडर को भी बधाई देता हूं कि जिन्होंने ऐसी परम्परा चलाई है कि यहां पर सभी चुनाव बिना मुकाबले के हो रहे है। अध्यक्ष महोदय, राव साहब ने यह फरमाया कि हाउस के नोता ने अपनी पार्टी को भी इस बात के लिये वि वास मे नही लिया है। उनकी इस बात से मैं सहमत नही हूं कि लीडर आफ दी हाउस ने अपनी पार्टी को वि वास मे न लिया हो। यह सब कुछ जो हो रहा है। यह हमारी पार्टी के मैंबरों और नेताओं के आपस के तालमेल से ही हो रहा है और वि वास के साथ हो रहा है। अंत मे मैं फिर कंवर विजय पाल सिंह को अपनी हार्दिक बधाई देता हूं और उन

से यह उम्मीद करता हूं कि ये निश्पक्षता से अपने इस पद की परम्परा को निभायेंगे। इन भाब्दों के साथ अध्यक्ष महोदय मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे यहां बोलने का समय दिया।

श्री के.एल. पोसवाल (छछरोली): आदरणीय स्पीकर साहब, मैं कंवर विजय पाल सिंह जी डिप्टी स्पीकर के पद पर बिना मुकाबले के चुने जाने पर मुबारिकबाद देता हूं। मुझे इस बात की भी बहुत खु ाी है कि जब यह ला पास करके आये तो इन्होंने गुड़गांव मे प्रैक्टिस भाुरू की थी। इस तरह काफी समय तक वे मेरे साथ भी रहे। तो मुझे उनसे यह पूरी उम्मीद है कि वे अपने फरायज खु ाअसलूबी से निभायेंगे और किसी तरफ का कोई पक्ष नही लेंगे । हम उन्हें यह यकीन दिलाते है कि हमारी तरफ से डनहे हर तरह का सहयोग मिलता रहेगा। इन अलफाज के साथ फिर उनको दिली मुबारिकबाद देता हूं।

श्री देवी दास (सोनीपत): स्पीकर साहब, कंवर विजय पाल सिंह जी के डिप्टी स्पीकर पद के लिये चुने जाने के लिये मै। उनको हार्दिक बधाई देता हूं। राव बीरेन्द्र सिंह जी ने अपने भाशण मे बोलते हुए यह कहा कि मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जी ने इस इलैक ान के लिये अपनी पार्टी व अपोजी ान पार्टी वालो को एतमाद मे नही लिया । राव साहब को जब हरियाणा की जनता ने लोक सभा के लिये चुन कर भेजा था तो क्या राव साहब ने वहां पर अपोजी ान का रोल अदा किया था ? हम कैसे समझे

कि यह अपोजी ान पार्टी के है या किसी दूसरी पार्टी के। हमारी लीडर आफ दी हाउस ने हमे ाा अपनी पार्टी को एतमाद मे लिया है इसीलिये हमारा सारा काम बड़ा सुचारू ढंग से और तालमेल के साथ चल रहा है। अंत मे मैं फिर कंवर विजय पाल सिंह जी को उनके सर्वसम्मति से चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हूं और स्पीकर साहब का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मुझे बोलने का समय दिया।

चौधरी लाल सिंह (नारायणगढ़): स्पीकर साहब, मेरी तरफ से तो आकी भी मुबारिकबाद पेंडिंग पड़ी है क्योंकि आपने उस वक्त मुझे बोलने का टाईम नही दिया था। तो इस के साथ मैं कंवर विजय पाल सिंह को उनके सर्वसम्मति से डिप्टी स्पीकर के पद पर चुने जाने के लिये उनको हार्दिक बधाई देता हूं। स्पीकर साहब, आपके आपके चुने जाने की मुझे इतनी खु ाी है कि मैं ब्यान नही कर सकता क्योंकि जिस की जो जगह थी वह उन्हे मिल गयी। इसी तरह से मुझे कंवर विजय पाल सिंह के चुने जाने की खु ाी है कि वह इस पद पर आये है क्योंकि वे एक नौजवान और सुलझे हुए व्यक्ति है उनकी भी यही जगह थी जिस पर वह विराजमान हुए है, वे मेरे बड़े पक्के मित्र भी है। इससे पहले तो स्पीकर साहब यह होता रहा कि भैंस के पास घास कोई डालता रहा और दूध कोई और ही निकालता रहा। लेकिन अब सब अपनी सही जगह पर आ गये है, सैंटिंग बिल्कुल ठीक हो गयी है। चौधरी देवी लाल जी हरियाणा को बनाने वाले थे और उन

का भी यह हक बनता था कि वे मुख्य मंत्री की कुर्सी को संभाले। सो यह तीनो जो सैंटिंग हुयी है बिल्कुल ठीक हुई है। अंत मे मैं इन तीनों व्यक्तियों को इन उच्च पदों पर विराजमान होने के लिये फिर मुबारिकबाद देता हूं और स्पीकर साहब आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री बलदेव तायल (हांसी): स्पीकर साहब, मैं कंवर विजय पाल सिंह को उनके बिना मुकाबिले के डिप्टी स्पीकर पद पर चुने जाने के लिये बहुत बहुत मुबारिकबाद देता हूं और उन से यह आ ाा रखता हूं कि वे जो मजदूरों की 80 परसैंअ आबादी है उस तरफ अपना पूरा ध्यान देंगे, अपने पद को निश्पक्षता के साथ निभायेंगे और हम सब को अपने कर्तव्य पर चलने का सही मार्ग द ार्यिंगे। अंत मे, मैं फिर कंवर साहब को दिली मुबारिकबाद देता हूं और स्पीकर साहब का धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री लहरी सिंह महरा (रादौर अनुसूचित जाति): माननीय स्पीकर साहब, कंवर विजय पाल सिंह के डिप्टी स्पीकर चुने जाने पर मैं उनको हार्दिक बधाई देता हूं। जहां तक उनके काम का ताल्लुक है यह हमारे एक अनुभवी नौजवानों के लीडर है और एक बड़े सुलझे हुए व्यक्ति है। हमे उन से यह आ ाा है कि वह अपना कार्य निश्पक्ष भाव से करेंगे। जनता पार्टी की, स्पीकर साहब, विधान सभा मे दूसरी जीत है कि यहां पर निर्विरोध चुनाव हुआ है। पहले हमारे मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जी भी सर्वसमिति से

चुने गये थे, यह हमारे हरियाणा की एक बड़ी अच्छी परम्परा है। चौधरी लाल सिंह जी ने यह ठीक कहा है कि आपको अपनी पुरानी कुर्सी मिल गई है उसी तरह से चौधरी लाल सिंह को भी अपनी खोई हुई पुराने कुर्सी मिल गयी है। इस के साथ मै कंवर साहब से यह आ ाा करूंगा कि वे हमे नौजवान भाईयों को अपना पथ प्रद र्ान द र्ाते रहेंगे, गाईड करते रहेंगे। इन भाब्दों के साथ मै, स्पीरकर साहब आपका धन्यवाद करते हुए कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया, कंवर विजय पाल सिंह जी को एक बाद फिर हार्दिक बधाई देता हूं।

श्री मूल चंद मंगला (पलवल): स्पीकर साहब, मैं कंवर विजय पाल सिंह जी को, उनके स्पीकर पद पर चुने जाने के लिये हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे इस बात की खु ाी है कि हरियाणा मे हमारे जिले को भी नुमाइंदगी मिली है। गुड़गांव जिले के एम. एल.ए. भी सबसे अधिक है पहले कभी हमारे को रिप्रेजेंटे ान नही मिली यह पहला मौका है कि जो हमारे जिले को यह आदर दिया गया है परंतु पर्याप्त नही है। इसके लिये मैं अपने हाउस के लीडर, चौधरी देवी लाल जी को भी बधाई देता हूं कि उन्हौंने इसपद के लिये सही मायनों मे सही आदमी का चुनाव किया है। अंत मे मैं फिर कंवर साहब को अपनी व सारे सदन की ओर से इस पद पर चुने जाने के लिये हार्दिक बधाई देता हूं और स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री फतेह चंद विज (पानीपत): स्पीकर साहब मैं कंवर विजय पाल सिंह जी को उनके डिप्टी स्पीकर चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हूं। राव साहब ने कहा कि अपनी पार्टी को वि वास मे लेना चाहिए था, हम सब एक है और हमारा आपस का तालमेल बिल्कुल ठीक ढंग से है। हमें अपने हाउस के नेता पर पूरा वि वास है। जहां तक अपोजी ान को इकट्ठा करके साथ लेने की बात थी तो मैं यह कहूंगा किराव साहब तो आज से 10 साल पहले भी इस हाउस मे इकट्ठे नही हो सके और अब इन 15 आदमियों को कैसे इकट्ठा कर सकेंगे। तो मैं राव साहब से यह कहूंगा कि अब यह काम बहुत मु कल । अंत मे मैं फिर कंवर विजय पाल सिंह जी को हार्दिक बधाई देता हूं और स्पीकर साहब आपको भी धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री भाले राम (बारोदा अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, मैं कंवर विजय पाल सिंह जी को इस पद के लिये चुने जाने के लिये बधाई देता हूं। बधाई देनी मैंने इसलिये जरूरी समझी कि वे हम ाकल है और मैं यह समझता हूं कि मैं ही डिप्टी स्पीकर बन गया हूं । यह जो हमारे हरियाणा मे परिपाटी चली आ रही है कि हर आदमी बिना मुकाबले के चुना जा रहा है, यह बहुत अच्छी परम्परा है, इसके लिये मैं अपने हाउस के लिडर को मुबारिकबाद देता हूं। अंत मे मैं फिर कंवर विजय पाल सिंह जी को बधाई देता

हूं और स्पीकर साहब आपको भी धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

चौधरी हरि चंद हुडा (किलाई): स्पीकर साहब, आपको और डिप्टी स्पीकर साहब को यह जिम्मेदारी का ओहदा हौसले और जिम्मेदारी से संभालना है, मैं इसके लिये आपको मुबारिकबाद देता हूं। दो तीन दिन मे मैं हाउस मे बातें सुन रहा हूं। दरअसल बात यह है कि 15 अगस्त 1947 की रात के 12 बज कर एक मिनट पर जो हमने आजादी का एलान किया और साथ साथ प्रजातंत्र का एलान किया उस रोज दे ा खूद से लय पथ और इस आजादी और प्रजातंत्र के लिये हमें लाखों जाने देनी पड़ी। दूनिया मे यह सबसे बड़ा वाक्या था कि दस लाख लोंगो को जाने देनी पड़ी और उसकी जिम्मेदारी लेने के लिये कोई तैयार नही हुआ। उसके बाद जो 30 साल का वाक्या है इस दौरान भ्रश्टाचार, क्रप ान और जब्रदस्ती, जो कुछ भी हो सकता था वह हुआ । इन हालात मे पिछले सालो मे प्रजातंत्र चला जिसकी जिम्मेदारी से कोई पालिटिसि ान नही बच सकता है। इस जिम्मेदारी से राव साहब भी नही बच सकते जिनको हमने हिम्मत और जान मार कर हरियाणा का चीफ मिनिस्टर बनाया था । तो मेरे कहने का मतलब यह है कि हमें जो ताकत दी है जल्दी से जल्दी इस ताकत को जनता मे वापिस भेज दो। ऐसा न हो, कि जो हालात पिछले 30 साल मे हुए है वह फिर से आ जाये। दूसरी बात यहां पर भ्रश्टाचार के बारे मे आई। भ्रश्टाचार कहने से दूर नही होगा यह

तो करने से दूर होगा। हमने, जिन लोगो के साथ भ्रश्टाचार होता है, उनको बचाना है और भ्रश्टाचार को रोकना है। यहां पर चीज तो यह आनी चाहिए कि इसके लिये हमें क्या कदम उठाने चाहिये। मैं दो तीन से देख रहा हूं मुझे कोई बात जंची नही है यह भ्रश्टाचार दूर करना सब के लिये सांझी बात है। इसलिये जो चीज जनता के फायदे के लिये है उसकी जिम्मेदारी न छोड़ कर जनता को जल्द से जल्द रिलीफ दिया जाये। बुजुर्गो और बच्चो के बीच मे फासला नही रहना चाहिये। भ्रश्टाचार तो आदमी के बोलते ही भाुरू होता है। जैसे कथनी और करनी मे फर्क होता चला जायेगा वैसे भ्रश्टाचार बढ़ता चला जायेगा।

श्री अध्यक्षः मुझे बड़ी खु ाी है कि कंवर विजय पाल सिंह जी आज इत्तफाक राय से डिप्टी स्पीकर चुने गये है। मैं इनको बहुत दिनों से जानता हूं, ये बहुत बढ़िया इंसाद है और मुझे कोई भाक नही है कि वे डिप्टी स्पीकर के पद को डियूटीज को अच्छी तरह से निभायेंगे। मैं उन्हे बहुत बधाई देता हूं।

कंवर विजय पाल सिंह (सोहना): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने और सदन ने मुझे जो उपाध्यक्ष के पद का उत्तरदायित्व सौंपा है, मैं उसको निभाने की पूरी पूरी कोि ा ा करूंगा और पूरे सदन को वि वास प्राप्त करूंगा।

श्री अध्यक्षः अब हम गवर्नर साहब के एड्रैस पर डिस्क ान करेंगे।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा

लाला बलवंत राय तायल (हिसार): स्पीकर साहब, आज गवर्नर महोदय के एड्रैस के अनुमोदन के लिये मैं खड़ा हुआ हूं। स्पीकर साहब, आप जानते है कि हम लोगों के ऊपर.....

Rao Birender Singh: He has not moved the resulution. He should first move the resolution.

श्री अध्यक्ष: राव साहब ठीक फर्मा रहे है आप पहले अपने प्रस्ताव को मूव करें।

लाला बलवंत राय तायल: स्पीकर साहब, मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि इस सत्र मे इकट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाशण के लिये राज्यपाल महोदय के अत्यंत कृतज्ञ है जो उन्होंने 5 जुलाई, 1977 को सदन मे देने की कृपा की है।

कर्नल राव राम सिंह (रिवाड़ी): स्पीकर साहब, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

चौधरी राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, पहले तायल साहब प्रस्ताव मूव करने के बाद बोलेंगे उसके बाद कर्नल साहब सैकिंड करेंगे।

श्री अध्यक्ष– मैं इस तरह से रूलिंग दूंगा कि तायल साहब जब स्पीच कर लें तो उसके बाद कर्नल साहब सैकिंड करे।

लाला बलवंत राय तायलः स्पीकर साहब, पिछले साल सालो से जो लोग भाक्ति मे थे उन्होंने जिस तरीके से दे ा को चलाने की कोि ा ा की उससे दे ा ने पलटा खाया। यहां की जनता ने यह दिखा दिया कि जिन लोगो को उसने भाक्ति दी है और जो जनता प्रजातंत्र को जिन्दा रखना चाहती थी वे उसके विरुद्ध नही चल सकते। पिछले सात सालों मे उन लोगो ने प्रजातंत्र को खत्म करने की कोि ा ा की तब दे ा के अंदर एक इंकलाब आया और चुनावों मे जो नतीजा सामने आया वह सब को पता है। तो स्पीकर साहब, गवर्नर साहब ने जो अपना अभिभाशण दिया मैं उसके लिये उनका भाुक्रिया अदा करने के लिये खड़ा हुआ हूं। स्पीकर साहब, आप जानते है कि इस दे ा मे जो पिछले कई सालो से काम हुए उन कामो से इस दे ा की जनता ने तरह तरह की कठिनाईयां महसूस की और उन कठिनाईयों के साथ आपने यह भी देखा होगा कि लाखों आदमी इस दे ा के अंदर जेलो के डाल दिये गये। इसके आलावा स्पीकर साहब, अखबारों पर पाबंदी लगी और लोगो की जुबान बंदी की गई और साथ साथ यह भी प्रचार किया गया कि दे ा के अंदर प्रजातंत्र है। इन सब बातों के होते हुए भी दे ा की जनता ने यह दिखाया कि जिस चीज का सैंकड़ों सालो की लड़ाई के बाद लोगो को हक मिला था अपनी मर्जी की सरकार बनाने का, उसे भाक्ति ाली

व्यक्ती छीन नही सकते (विघ्न) अब से पहले जो लोग भाक्ति मे थे उन्होंने जनता की कोि ा ा की थी। लेकिन आपको यह जानकर खु ाी होगी कि जनता ने इस बात का मुकाबला किया और जो दे ा के अंदर एक बिल्कुल उल्ट काम चला था जनता ने उसे ठीक किया और जनता ने अपनी मरजी की सरकार बना कर और उन लोगो को खदेड़ कर उनको सबक सिखाया कि जनता के वोट लेकर जनता को कुचलने की कोि ा ा नही करनी चाहिये बल्कि जनता की भावनाओ की कदर करनी चाहिये और उनको एक अच्छा ईमानदार और स्वच्छ भाासन देना चाहिए। स्पीकर साहब, तरक्की के नाम पर बहुत भ्रश्टाचार किया लेकिन प्रचार यह किया कि हरियाणा पर बहुत रूपया खर्च हो रहा है और हरियाणा मे बहुत तरक्की हो रही है और हुई हैं इस बारे मे मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि हरियाणा मे जो तरक्की के नाम पर रूपया खर्च हुआ है जिस तरह से बगैर पानी के जूई कैनाल पर रूपया खर्च हुआ है और रूरल इलैक्ट्रिफिके ान के नाम पर पैसा खर्च किया गया है उस सारी बात को पूरी तरह से जांच होनी चाहिए। रूरल इलैक्ट्रिफिके ान के नाम पर जो पैसा बरबाद किया गया उसके बादे मे हम लोगो ने, मैंबर साहेबान ने ि ाकायत की तो सैंटर की तरफ से उन अकाउंटस का स्पै ाल आडिट करवाया गया लेकिन उस वक्त की सरकार ने हेराफेरी कर के उन सब चीजो को दबाया और सैंटर ने भी इस बारे मे उनकी मदद की। आज जो हमारी सरकार है इससे जनता यह उम्मीद करती है कि रूपया खाने के लिये यह जो इलैक्ट्रीफिके ान का ढोंग चला था

और जिस तरह से बगैर पानी के जूई कैनाल पर पैसा खर्च किया गया, इन सब बातो को पूरी जांच करके सारा सही नक ाा जानता के सामने आना चाहिये ताकि लोगो को पता चले कि किस तरह से तरक्की के नाम पर हरियाणा को लूटा गया। यह तरक्की नही थी यह तो लोगो को सरासर धोका देने की बात थी। स्पीकर साहब, गवर्नर साहब ने अपने अभिभाशण मे यह बात कही है कि उनकी यह सरकार हरियाणा को जनता को एक अच्छा और ईमानदार भाासन देगी। हरियाणा की जनता को भी इस सरकार से यही उम्मीदें है कि पहली सरकार जो गंद डाल गई है उसे यह सरकार साफ करके लोगो को इमानदार भाासन देगी, उनको इंसाफ मिलेगा और उनके साथ धक्का नही होगा। इस लिये ये जो साथी भाासन मे बैठे है, उनको इस बात का ध्यान रखना चाहिये। स्पीकर साहब, आपको भी पता है क्योंकि आप 1968 से 1972 तक स्पीकर रहे है। दे ा मे तो ऐमरजेंसी 1975 मे लादी गई लेकिन हरियाणा मे हालात उस वक्त भी ऐसे ही थे और यहां पर हर वक्त ऐमजेंसी ही लगी रहती थी। अगर कोई मैंबर सरकार के खिलाफ बोला या भाासन या उस वक्त के मुख्य मंत्री की नुक्ताचीनी की, तो उसे हाउस से बाहर निकालने की कोि ा ा की गई और सदन के आंदर एक ऐसा ढंग बनाया गया कि कोई विरोध मे बोले ही नही। अपोजी ान का नामोनि ाान सदन मे मिटा दिया जाये ताकि लोगों को यह पता लगे कि यहां पर कोई अपोजी ान ही नही है, और सब काम काज ठीक ढंग से चल रहा है। आपने देखा, अपोजी ान मे मैंबरान के साथ कैसा दुर्व्यवहार

किया जाता रहा और उनकी जबानबंदी करने की कोि ा ा की जाती रही, फिर जनता को भी बहुत कुचला गया । हरियाणा मे कितनी ही एजीटे ांज चली, टीचर्ज की, हरिजनो की, किसानो की और कालिजो के प्रोफैसरो की ऐजीटे ांज चली लेकिन सैंटर का सहारा होने के कारण उन लोगो की बात न सुन कर उनको कुचला गया और यह दिखाने की कोि ा ा की गई कि यहां का उस वक्त का मुख्य मंत्री बहुत मजबूत है और इसी लिये हरियाणा मे पूरा अमन है और कोई भी ऐजीटे ान बगैरा नही है। इसका असर यह हुआ कि लोगो के दिलों मे गुस्सा जमा होता रहा। प्रजातंत्र के अंदर अगर लोगो का गुस्सा न निकलने दिया जाये तो वह गुस्सा किसी न किसी और तरीके से निकलता है। जिन दे ाो मे लोग हिंसा पर यकीन रखते है वहां पर लोग हिंसा से अपना गुस्सा निकालते है जो कि अब उन्होंने निकाला। ये लोगो को रगड़ने मे हद से ज्यादा बढ़ गये और उनकी जबानबंदी कर दी। तो मैं अब इस सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि जो ऐजीटे ांज 1966 से लेकर इस दौरान मे चली उनको कैसे कैसे कुचला गया, कैसे कैसे लोगो को रगड़ा गया, वह सारा इतिहास लोगों के सामने आना चाहिये और इस बात की जांच होकर लोगो के सामने रिपोर्ट आनी चाहिये कि किस तरह से उन टीचर्ज को और दूसरो को पूलिस ने पीटां यह सारी जुल्मोसितम की कहानी जनता के सामने आनी चाहिये। स्पीकर साहब, आप इस बात से ऐग्री करेंगे कि प्रजातंत्र के अंदर लोगो को अच्छा भाासन नही देना चाहती और भ्रश्टाचार के रास्ते पर चलना चाहती है वह

लोगो को जबान बंद करने के तरह तरह के तरीके निकालती है और अपना भाासन चलाने के लिये लोगो को दबाने के काम करती है। हमारी इस सरकार ने इन सब बातो को खत्म करना है, लोगो के दिलों से डर को निकालना है, उनको अच्छा और ईमानदार भाासन देना है। अगर हमारे दे ा मे प्रजातत्र की कदर होती और प्रजातंत्र के अंदर लोगो को दबाने की बाते न की जाती तो कुदरती बात थी कि इस दे ा पर एमरजैंसी जैसी लानत न लादनी पड़ती। स्पीकर साहब, एमरजैंसी के नाम पर इस दे ा मे लोगो पर कया कुछ नही हुआ। लाखों लोगो को जेलो मे डाला गया और उसके साथ ऐसा अमानवीय व्यवहार किया गया जो किसी आजाद दे ा के अंदर न हुआ है और न होना ही चाहिये। स्पीकर साहब उन आदमियों मे से मैं भी एक हूं जिन्होंने अंग्रेज की जेले भी काटी है और इस सरकार की जो अब गई है, की जेल भी काटी है। इस के बाद मेरे जैसा आदमी भी यह कहने पर मजबूर हो गया है कि इनके मुकाबले मे अंग्रेज देवता थे। इन लोगो ने जिस तरह का हमारे साथ जेलो मे सलूक मे सलूक किया उससे न सिर्फ हमारा बल्कि इनको भी ख्याल था कि भायद हम लोग जेलो से बाहर नही आयेंगे और दोबारा आजाद दूनियां मे हनी आयेंगे। इन लोगो मे ऐसा राज कायम कर दिया कि वह समझने लग गये कि लोगो को पर्ची नी मांगनी पड़ेगी। इस सब का आखिर नतीजा क्या हुआ ? वह भाक्ति ाली लोग, जो यह समझते थे कि अब वह हमे ाा के लिये गद्दियों पर कायम रहेंगे और उनके बाद उनके लड़के उन पर बैठेंगे, भाक्ति ाली जनता

ने एक झटके से उनका नामोनि ाान तक मिटा दिया। एक बात मैं और कहना चाहता हू। कि 1968 के बाद जो सरकार आई अउसने अपने पुलीटिकल विरोधियों के साथ अच्छा व्यवहान नही किया। मिसाल के तौर पर चौधरी धर्म सिह राठी और स्वामी अग्निवे ा भी उनके साथ थे, उनके साथ अधिकारियो ने कुरूक्षेत्र के अंदर जो ज्यवहार किया उन सब बातो की पूरी तरह से जांच होनी चाहिये। एक जैसो के दौरान पुलिटीकल लोगो के साथ, अधिकारियो ने अपने पुलिटीकल कौसिज खु ा करने के लिये बहुत ज्यादितयां की है और उनको हुत बेइज्जती की है। इन सब बातो की जांच होनी चाहिये । इस बात की पूरी तरह से पड़ताल की जाये कि एमरजैंसी के दौरान कोन से अधिकारियो ने ज्यादतियां की है और उनके खिलाफ क्या एक ान लिया जा रहा है यह सारा नक ाा लोगो के सामने आना चाहिये।

स्पीकर साहब, आप इस बात से मुत्तफिक होंगे कि यहां पर नसबंदी के नाम पर और कई दूसरी चीजो के नाम पर दे ा के लोगो को डीमोरेलाईज करने की कोि ा ा की गई और डिमोरेलाईज किया गया। पीपली का काण्ड आपने सुना होगा। हमारे साथ, पिपली काण्ड से संबंधित कुछ साथी जेल मे थे और वे सारी घटना को ब्यान करते थे। वे बतला रहे थे कि किस बेरहमी से पिपली के अंदर बेगुनाहों को गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया गया। जब प्रोटैक्ट किया, तो वहां बहुत से लोग इकट्ठे हो गये। इन इकट्ठे हुए लोगो को डिस्पर्स करने के लिये

पुलिस ने क्या क्या हथकण्डे इस्तेमाल किये, किस तरह उन के साथ सलूक किया किस तरह जेलों मे डाला और क्या क्या यातनाएं दी। एमरजेंसी के दिनो मे इस तरह की बाते हुई, इसके बारे आज की सरकार को पूरा विचार करना होगा। यहां पर यह भी कोि ा ा की गई कि हरियाणा के अंदर डैमोक्रेसी को खत्म कर दिया जाये। डैमोक्रेसी के नाम पर जो चीज चलती थी, उसको जड़ से खत्म करने की कोि ा ा की गई। स्पीकर साहब, आपने देखा होगा कि मार्किट कमेटियों के जो चुनाव हुआ करते थे, उनको भ खत्म कर दिया और इसके साथ ही साथ म्युनिसिपलय एक्ट को ऐसा बना दिया, जिसके अंदर नोफीने ान आ गई। कई नोटिफाइड एरिया कमेटियां बना दी गयी ताकि नोमीने ान कर दिया जाये। ये सब चीजें इस बात की सूचक है कि हरियाणा के अंदर लोगो को प्रजातंत्र के रास्ते पर सोचने के लिये मजबूर कर दिया जाये कि किस तरह से हरियाणा के अंदर काम चलेगा। स्पीकर साहब, गवर्नर साहब को अपने ऐड्रैस मे इन सब बातो को दोबारा सोचे, इन पर दोबारा सब पर चर्चा नही हुई, लेकिन मै कहूंगा कि इन सब बातो को दोबारासोचे, इन पर दोबारा विचार करें। आज की सरकार डैमोक्रेसी का पूरा फायदा उठा सके। स्पीकर साहब, आपने देखा होगा, कल हाउस मे हिन्दी के बारे मे चर्चा हुई। हरियाणा की भाशा हिन्दी है, इस पर कोई सोचने की बात नही है, लोकिन सरकारी कागजात मे हम हिन्दी को किस तरह से अमल मे लाएं। यह सोचने की बात है। हमारे सरकारी अदारे जैसे इम्पूवमैंट ट्रस्ट है, मार्किट कमेटीज के आफिसिज या

और कई दूसरे आफिसिज है, अगर हम इन सब के अंदर हिन्दी को नही लायेंगे, जो हमारे कानून अंगेजी के अंदर बने है, उनको हिन्दी मे नही लायेंगे तो तब तक काम नही चलेगा। सरकार को इसके बारे मे सोचना होगा कि किस तरह इस कार्य मे रफतार हासिल की जा सकती है।

स्पीकर साहब, गवर्नर साहब के अभिभाशण के अंदर भाराबबंदी का जिक्र नही आया। पिछली सरकार ने भाराब के बारे मे बहुत ज्यादा प्रचार किया। एक एक भाहर मे 30–30, 32–32, 40–40 दुकाने खोली है। मैं सरकार से उम्मीद करता हूं कि भाराबबंदी के बारे मे वह पूरा कदम उठायेगी।

राव बीरेंद्र सिंहः न ाबंदी पर तो गवर्नर साहब ने भाशण नही दिया ?

लाला बलवंत राय तायलः मैं सुझाव दे रहा हूं भाराब बंदी के बारे मे अगर कोई पंचायत अपना रैजोल्यू ान पास करके भेजे, कि फलां ठेका बंद होना चाहिए तो सरकार फौरन उस ठेके को बंद कर दे। लेकिन अधिकारीगण कहते है कि अगले साल बंद कर देंगे क्योंकि इस साल नीलाम कर दिया है। इस संबधं मे सरकार को कोई न कोई पालिसी बनानी होगी।

स्पीकर साहब, एक हासपिटैलिटी डिपार्टमैंट बना हुआ है। यह डिपार्टमैंट क्या है ? महज एक सफेद हाथी। इसके बारे मे सरकार को कदम उठाना चाहिए। कई तीतर–बटैर के नाम पर

खोले गये है। लेकिन आज हम देखते है कि हॉसपिटैलिटी डिपार्टमैंट का कोईइफायदा नही है, यह सफेद हाथी है इसको जनता के रूपये पर नही बाधंना चाहिए। स्पीकर साहब, गवर्नर साहब ने अपने अभिभाशण मे वि वास दिलाया है और जनता से इस बात की अपील की है कि हरियाणा से भ्रश्टाचार को समाप्त करे, लोगो को खेती के लिये पानी दे। इस अभिभाशण मे बहुत सी बाते कही गई है, लेकिन यहां सवाल है पानी का। जब तक सतलुज ब्यास लिंग का पानी हमें नही मिलता तब तक पानी नही दे सकेंगे। इसलिये मैं आज की सरकार से कहूंगा कि आज की जरूरत पानी है लोगो को रोजगार देने की जरूरत है, इसके लिये हमे जल्दी से जल्दी नहर को बनाना चाहिए और पानी का प्रबंध करना चाहिए ताकि जो हमने नारा दिया है, उसको पूरा कर सके। आखिर मे, मैं आपका धन्यवाद करत हूं और अपना स्थान लेता हूं।

कर्नल राव राम सिंह (रिवाड़ी): स्पीकर साहब, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। इसके साथ ही साथ मैं गवर्नर की प्रोग्रैसिव पालिसी पर जो भाशण दिया है, उसके लिये मै उन्हे बधाई देता हूं और जो उन्होंने करप ान को खत्म करने के वास्ते जोर दिया है इस पर धन्यवाद करता हूं। हमारे दे ा की प्रोडक ान, उपज चाहे कितनी हो बढ़ जाये, इस दे ा की गरीबी दूर नही हो सकती, जब तक दे ा से करप ान को नही हटाया जा सकता, क्योंकि करप ान एक ऐसा पौधा है, जिसको जड़ ऊपर ही होती है, और पत्ते नीचे होते है। इस वक्त जो हमारे दे ा के

नेता है, मेरा ख्याल है इनसे ज्यादा ईमानदार, आनैस्ट, लायल और इंटेग्रिटी वाले आदमी कहीं ढूंढे से भी नही मिल सकते और जहां तक श्री जय प्रका ा नारायण का ताल्लुक है, वे तो फकीर है, ऐसे ईमानदार आदमी कहीं नही मिल सकते। अगर हमारे नेता करप ान के नजदीक नही जायेंगे, तो कोई वजह नही कि नीचे से करप ान खत्म न हो, यह हटाई जा सकती है। दूसरी बात जो गवर्नर साहब ने कहीं है—वह है पीने के पानी का प्रबंध । 40 साल पहले मुझे याद है, जब मैं दिल्ली के स्कूल से छुट्टी लेकर गांव जाया करता था, तो सिर पर घड़े रखकर हमारी बहनें और माताएं दो दो तीन तीन मील से पानी भरने के लिये जाती थी और मुझे देखकर ताज्जुब होता था।

आज भी जब मैं अपने इलैक ान मे विलेज टूरज पर गया, तो मुझको यह देखकर हैरानगी हुई कि अभी भी उस तरह दो दो मील से दो दो घड़े सिर पर रखकर लोग पानी ला हरे है जैसे 40 साल पहले लाते थे। तीस साल से आजादी जो हमको मिली हुई है। उसका क्या फायदा हुआ है जबकि सबसे पहली बेसिक नसैसटी आफ लाईफ जो है ड्रिंकिंग वाटर की (पीने का पानी) है, यह भी मुहैया नही हो सी तो यह सबसे जरूरी काम है और मुझे पूरी उम्मीद है कि यह जो हमको मौका मिला है, इसमे आने वाले 6 महीनो मे या एक साल मे कम से कम हर गांव मे पीने के पानी का प्रबंध किया जायेगा। अब तक पैसे की कोई कमी नही रही। अब भाायद कमी हो क्योंकि पीछे से झाडू मार दिया

गया और खजाने मे पैसा नजर नही आ रहा है, लेकिन उसका प्रबंध हो सकता है और मुझे पूरी उम्मीद है कि 6 महीने या एक साल के अंदर कम से कम हर गांव मे पीने का पानी का प्रबंध हमारी सरकार करेगी।

दूसरी बात है सड़कों की। हरेक गांव मे सुनते थे, देखा तो नही, कि कुनैक्टिंग रोड़ज पहुंच गई। रिवाड़ी हलका मे 102 गांव है, लेकिन मैंने 20–25 से ज्यादा गांव मे कुनैक्टिंग रोड़ज नही पाई। मुझे आ ाा है ऐसी ही हालत दूसरे डिस्ट्रिक्टस मे भी होगी। कागजों पर, जहां तक मुझे पता है, सारी रोड़ज कम्प्लोट है, उनकी पेमैंटस भी हो चुकी है और भाायद बनने के बाद उनको डिस्ट्राय भी हुआ दिखाया गया है, लेकिन असलियत यह है कि सड़कें बनाई ही नही गई।

इसके बाद, स्पीकर साहब, मैं गवर्नर साहब का खासकर भाुक्रगुजार हूं इस बात के लिये कि उन्होंने सारे एड्रैस मे सिर्फ महेन्द्रेगढ़ डिस्ट्रिक्ट का जिक्र करना मुनासिब समझा। यह हरियाणा का सबसे बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट है और क्यों बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट है इसके असली कारण का मुझे पता नही है। वहां से भी बड़े बड़े लीडरान यहां आए है, वे इस बात को जानते होंगे लेकिन फिर भी मेरा ख्याल है कि ऐसे ऐसे ठेकेदार वहां पर थे, जो इसकी तरक्की नही होने देते थे और न खुद कुछ करने के लिय तैयार थे। अब मुझे पूरी उम्मीद है कि यह हालत बदल जायेगी और इस गरीब,

पिछड़े हुए जिले की तरक्की सारे हरियाणा मे सबसे तेजी से होगी।

स्कूल्ज के ऊपर, एजुके ान के ऊपर गवर्नर साहब ने बहुत जोर दिया हैं यह एक बड़ी खु ाी की बात है, क्योंकि जब तक हमारे बच्चे, लड़के और लड़कियां पढ़ेंगे नही, तब हमारा यह प्रांत तरक्की नही कर सकता। स्पीकर साहब, जहां तक मुझे मालुम है स्कूल्ज और कालेजिज भी आज करप्ट ान के गढ़ बने हुए है। बेसिक एजुके ान के नाम से यह जो दुकाने खुली हुई है, हरियाणा प्रांत मे यहे हमारे लिये भार्म की चीज है। बहुत से लोग कहते तो है कि करप् ान होती है, लेकिन एग्जैंपल देते हुए लोग डरते है। जब तक इन बातो को उछाला नही जायेगा, पब्लिक के सामने लाया नही जायेगा, जब तक क्रप् ान दूर नही होगी। मुझे पर्सनली पता है कि बी.एड. मे एडमि ान देने के लिये हमारे लड़के और लड़कियों से दो दो, तीन तीन चार चार और पांच पांच हजार रूपया लिया जाता था। यह सचमुच बहुत ही भार्म की बात है। इसकी तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए।

इसके बात स्पीकर साहब, गवर्नर साहब ने इंडस्ट्रीज को जो रूरल बेस देने का प्रोग्राम बताया है, उसको सुनकर खु ाी हुई। इससे दो तीन लाभ होंगे। इससे गांव मे लोगो को नौकरियां मिलेगी और लेबर की प्रोब्लम खत्म हो जायेगी। भाहरो मे बड़ी बड़ी फैक्ट्रियों मे पांच पांच, दस दस हजार लेबर काम करती है और अक्सर वहां पर लेबर की प्रोब्लम भ्रु होती है। अगर छोटी

इंडस्ट्रीज गांव मे होंगी तो यह लेबर की प्रोब्लम और कंफरंटे ान भी खत्म हो जायेगी।

आखिर मे, स्पीकर साहब, मैं इस एड्रैस के लिये गवर्नर साहब का भुक्रिया अदा करते हुए उन्हें बधाई देता हूं और तायल साहब द्वारा मूव किये गये प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

Mr. Speaker: Motion moved—

That an Address be presented to the Governor in the following terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 5th July, 1977."

I have recieved a notice of an amendment to this motion for Sarvshri Rao Birender Singh, Dalip Singh, Jagjit Singh Pohloo and Inderjit Singh narain Singh. Thus will be deemed to have read and moved.

That in the motion, the following be added at the end, namely—

"but regret that no mention has been made—

(a) the completion of the Suitle-Yamuna Channel according to a time bound programme for utilisation of Haryana's share of Ravi beas water which should have been available to Haryana in 1970.

(b) to speedy implementation of the Union Govt. award on Abohar Fazilka Areas.

(c) exemption of land holdings upto 5 acress from land tax as has been declared by the Govt. in 1967.

(d) securing control of canal head works situated in Punjab jointly with the Punjab Govt. to ensure fair distribution of water.

(e) steps to be taken to reduce power rates for agriculture, and to prevent harasment to farmenrs.

(f) implementation of the Haryana Vidhan Sabha's ananimous resolution passed during rule in 1967 to get the hindu Succession Act amended so as to provide for the women's share in the father in laws ancestral agricultural property instead of father.

(g) prohibition to be declared as Govi's policy in accordance with Directive Principles of State policy enshined in the constitution and to put a stop to the evil of drinking, fast speadings in Haryana due to opening of country liquour shops in the villages.

(h) substantial enhancement in the emouments of afai Karamcharies employed by the Govt. and Locak Bodies in view of the nature of the work.

(i) upgrading of schools in rural areas on a rational basis to provide for increasing need of High and middle schools, ans steps to raise the status of teachers as nation builders.

(j) provision of un employment allowance to the educated unemployed having obtained technical and professional degrees/diplomas if they are not employed within one year of registration with Employment Exchanges.

(k) Priority in the matter of emplyment in Govt. service to those whose families donot have any members already in Govt. service, and to the physically handicapped persons capable of work.

राव बीरेन्द्र सिंह (अटेली): माननीय स्पीकर साहब, गवर्नर साहब का एड्रैस मैंने गौर से सुना। सारा एड्रैस वैसा ही है जैसा हमे ाा हर साल विधान सभा मे आता रहा है। उम्मीद की जाती थी कि बड़े तमतराक के साथ नई सरकार जनता की बनी है, कुछ उनकी पालसियों की झलक, उनके काम करने के तरीके की झलक इस ऐड्रैस मे जनता को मिलेगी लेकिन मुझे नाउम्मीदी हुई। बिल्कुल खोखला ऐड्रैस दिखाई दिया,वही सारी बातें कि सडके ज्याद बनाएंगे, ज्यादा पानी का इंतजाम करेंगे, कुरप ान को दूर करेंगे, इस ऐड्रैस मे है। कौन सा ऐड्रैस है जिसमे ये सारी बाते नही होती ? (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।) इन कामों को करने के लिये क्या कदम उठाए जायेंगे, इसके बारे मे एक भी बात इसमे दिखाई नही दी। उपाध्यक्ष महोदय, भाशण असल मे गवर्नर साहब देते है लेकिन उनको तो वही कुछ पढ़ना है जो सरकार लिखकर देती है। एक बात का मुझे बड़ा दुख है। इस सरकार ने न गवर्नर साहब के साथ इंसाफ किया और न जनता के साथ इंसाफ किया। गवर्नर साहब के लिये पहले वाली सरकार भी उनकी थी और मौजूदा सरकार भी उनकी है। अगर पिछली सरकार को कोसना था तो यह काम आज की सरकार के मालिको का खुद का था। गवर्नर साहब के मुंह से ये बाते कहलवाना उस पिछली सरकार के खिलाफ जिसके सरबरा भी यही

गवर्नर साहब थे, कुछ मुनासिब नही है। यह एक गलत रवायात डाली गई है। सरकार को चाहिए था कि यह अपना आयंदा का प्रोग्राम यह खुदक्या करना चाहती है इस ऐड्रैस मे जो अमैंडमैंट मैं और मेरे साथी चाहते है, वह मूव हो गई है, सरकुलेट कर दी गई है और मुझे बड़ी खु ाी हे इस बात की कि मो ान मूव करते वक्त मेरे आनरेबल साथी श्री तायल ने उन सब बातो से इत्तफाक किया है जो बाते हम भी इस ऐड्रैस मे चाहते है। मसलन प्रोहिबि ान, इसका अमैंडमैंट हमने भी दिया है। सतलुज ब्यास के पानी हरियाणा मे इस्तेमाल करने के लिये ठोस कदम उठउए जाये, उसके लिये कोई समय वाउंड प्रोग्राम हो, यह भी हम चाहते है। और तायल साहब ने इसका समर्थन किया है तो मैं उनसे उम्मीद करूंगा कि जब वोटिंग होगी तो मो ान के मूवर भी हमारी इस अमैंडमैंट के हक मे वोट देंगे (तालियां) तभी उनका कहना और बोलना वाजिब है वरना उनको इस मो ान आफ थैंक्स को मूव करने से इंकार कर देना चाहिए था।

डिप्टी स्पीकर साहब, गवर्नर साहब ने अपने एड्रैस मे सरकार की ओर से जिन बातों का जिक्र किया है उनमे सब से महत्व की बात हरियाणा की प्यासी जमीन के लिये पानी की जरूरत है। उन्होंने अपने एड्रैस मे इस विशय का जिक्र किया है कि रावी ब्यास के पानी से हरियाणा की भूमि को सींचने का बंदोबस्त किया जायेगा। तो डिप्टी स्पीकर साहब, मैं इस हाउस को बताना चाहता हूं क्योंकि आनरेबल मैंबर्ज नये है, उनको

पिछली सरकार की गलतियां जो वह करती रही है, उनके बारे मे जानकारी देनी लाजमी है। रावी ब्यास का 7.2 मिलियन एकड़ फीट पानी सन् 1970 मे आज से साल साल पहले पाकिस्तान से विदड्रा किया गया था। उस पानी मे हरियाणा का भी हिस्सा तय होना था। पिछले साल ही युनियन गवर्नमैंट ने हरियाणाा का हिस्सा तय किया है। करीब आधा आधा पानी हरियाणा तथा पंजाब को मिलेगा। आज उस पानी को पाकिस्तान से विदड्रा किया गया और उसको अकेला पंजाब ही इस्तेमाल करता रहा। आज भी ये हालात है कि सतलुज से जमुना तक उस पानी को लाने के लिये जो कैरियर, चैनल बननी है उसके लिये पंजाब ने जमीन इक्वायर तक नही होनी दी। तो मैं यह कहूंगा कि यह सरकार इस हाउस को यकीन दिलाये कि यह पानी जो हरियाणा का हिस्सा है जिसको पंजाब सात साल से हड़प कर रहा है, किस वक्त तक हरियाणा को मिल जायेगा। अगर यह पानी सात साल से नही मिला और इसी तरह से साल साल तक पिछली सरकार ने वायदों मे गुजार दिये और आपने भी ऐसे ही वायदे करके गुजार दिये जो हरियाणा कस किसान तबाह हो जायेगा। हरियाणा मे पानी और बिजली की समस्या हल नही होगी। पंजाब वाले तो आपके दोस्त है। वे भी तो अब जनता पार्टी के अंग है। आप बादल सरकार से मिल कर तय कराइये और इस बारे मे एलान कराइये क्योंकि हरियाणा को जनता आंखे उठाये देख रही है कि चौधरी देवी लाल की सरकार इस हरियाणा के किसान को जिन्दगी देने के लिये क्या कदम उठाती है। कोई ठोस कदम उठाइये, जो सात साल से पानी

पंजाब मे जा रहा है वह कब तक हरियाणा को मिलने लगेगा। (विघ्न)

अगर आप मेरी बात सुनना चाहते है तो सुन लीजिये महज आप इसलिये आये है कि यहां हाउस मे बैठकर हंसते रहे और हरियाणा की जनता को पागल बनाते रहे तो मैं बैठ जाता हूं। आप हरियाणा को समस्याओं को जानना चाहते है तो आपको ऐसा सलूक नही करना चाहिए। आप लोग ट्रेजरी बैंचीज पर बैठे है, बड़े सीरयसली हरियाणा की तरक्की की बातें आपको सुननी चाहिये और सब के साथ बैठे रहे तो अच्छा होगा। श्री जगन्नाथ जी, चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी का यह काम तो नही होता (हंसी)

मुख्य संसदीय सचिव (श्री जगन नाथ): मैंने ही तो आपको बनाया था। आप बीच मे छोड़ कर चले गये (हंसी)

राव बीरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, एक तो सब से बड़ा मसला पानी का है दूसरा मसला है हरियाणा के हिन्दी भाशी इलाकों का और उन इलाकों का जिन के लिये वि ाल हरियाणा पार्टी दस साल से संघर्श करती रही है। और उस संघर्श के उस समय भी और इस समय भी मेरे साथी भाामिल होते रहे है और मैं उनसे आज यह उम्मीद लगाये हुए हूं कि उनका रवैया वही होगा जो जनता से वोट मांगने के लिये अपनाया था।

सन् 1967 मे जब यहां हरियाणा मे एस.बी.डी. की गवर्नमेंट बनी थी तो उसने इतफाक राय से यह रेज्योलू ान पास

किया था। तो उस रेज्योलू ान की ओर मैं इस हाउस का ध्यान दिलाना चाहता हूं। कुछ हमारे पुराने साथी भी अब भी चुन कर आये है, वे उस रेज्योलू ान मे भाामिल थे। उन्होंने उस रेज्योलू ान के हक मे वोट दिया था। वह रेज्योलू ान यह था कि भााह कमी ान की रिपोर्ट के अनुसार हिन्दी भाशी इलाके हरियाणा को मिलने चाहिए और उन इलाकों को हरियाणा हासिल करके रहेगा। यह उस टाईम की असैम्बली ने इतुाक राय से रेज्योलू ान पास किया था। अगर पिछली सरकार ने गलत काम किया है तो सब से बड़ा गलत काम किया है कि उस असैम्बली के इतफाक राय के रेज्योलू ान के ऊपर कोई ध्यान नही दिया। खरड़ और रोपड़ का इलाका आज भी पंजाब के पास है और चण्डीगढ़ का इलाका पंजाब को देने का फैसला सैंटर सरकार ने कर दिया है, फाजिल्का और अबोहर को हरियाणा को देने का वायदा किया गया परंतु वह भी आज तक पंजाब के पास है। इस सरकार ने एक लफज इस मामले मे नही कहा कि यूनियन गवर्नमैंट का जो अवार्ड हरियाणा के हक मे हो चुका है उसमे यह ढील क्यो है और वह इलाका हासिल करने के लिये हिन्दी भाशी इलाका लेने के लिये जो बाउंडरी कमी ान बनाने का कई साल पहले एलान किया गया था वह अभी तक क्यो नही बना ? तो मैं आपके जरिये सरकार से यह पूछना चाहता हूं कि क्या कदम इस सरकार ने उठाये है। अगर इस मामले पर सरकार चुप खींचती है तो हरियाणा की जनता समझेगी कि इसके पीछे कुछ और बात है। अगर कोई और बात नही है तो चीफ मिनिस्टर साहब को खुल

कर कहना चाहिए कि वह इलाका जिस पर हरियाणा का हक है और भााह कमी ान ने हरियाणा का माना है और यूनियन गवर्नमैंट ने हरियाणा को दिलाने का वायदा किया है वह एलान इस सरकार को करना चाहिए। मैं यह एलान के साथ कहता हूं कि जो भी तुआवन कुर्बानी हम से मांगेगे हम इनको देने के कलये तेया हू, हम बिल्कुल पीछे नही हटेंगे (तालियां) हरियाणा के हक मे लड़ाई इस सरकार को लड़नी चाहिए इतनी भारी बहुमत के साथ जनता ने इनको चुन कर भेजा है।

स्पीकर साहब, ये तो बड़ी बाते है लेकिन कुद छोटी बाते भी हे जिनके ऊपर सरकार एकदम अमल कर सकती है वह यह है कि हरियाणा की नहरों मे जो भी पानी आता है चाहे वह भाखड़ा से आता है या दूसरे दरियाओ से आता है, उन सब के हैडवर्क्स पंजाब मे है। फिरोजपुर, हरिके और रोपड के अंदर है। 1966 मे भााह कमी ान की रिपोर्ट मे है कि पांच साल के अंदर इन हैड वर्क्स के ऊपर ज्वाएंट कंट्रोल होना चाहिए ओर इस कंट्रोल मे हरियाणा सरकार भी भाामिल हो लकिन आज ग्यारह साल हो गये। पांच साल की टाईम लिमिट थी छह साल ऊपर हो गये। वह सारे हैड वर्क्स आज भी पंजाब के कब्जे मे है। अब रोपड़, नंगल और हरिके जहां से पानी आपकी नहरो मे आता है, उन पर आपका कंट्रोल नही है, आपकी देखभाल नही है, आपका सुपरविजन नही है। आपके आफिसर्ज जांच नही कर सकते तो लाजिमि बात हे कि आपके पानी का पूरा हिस्सा आपको नही

मिलता क्योंकि पानी की एक बूंद के लिये जहां किसान लड़ता है इसी तरह से किसान के लिये इस प्रांत की सरकार लड़े । यही पानी जिससे अनाज की पैदावार बढ़ती है। यह वही चीज है जिससे जंजाब आज दे ा भर मे सबसे आगे है और हम उससे पीछे है वरना यहां का किसान बहुत हिम्मत वाला है। यहां के किसान की इतनी हिम्मत है कि वह आगे बढ़कर दिखा सकता है। इसके लिये सरकार क्या कर रही है, इसका इस एड्रैस मे कोई जिक्र नही है। कुछ बातो का तायल साहब ने जिक्र किया। उन्होंने प्रोहिबि ान का जिक्र किया। मुझे बड़ी खु ाी है कि उन्होंने इस बात को महसूस किया। आज सब से बड़ी लानत जिससे हमारे देहात और देहात के नौजवान खास तौर पर तबाह हो रहे है, वह है भाराबखोरी। गांवो के अंद दे ाी भाराब के ठेके खुले हुए है। पंचायत घर के सामने, सड़कों पर ठेके खुले हुए है। अच्छा होता अगर ये भाराब के ठेके गांव तक नही पहुंचते और आमदनी का कोई और जरिया निकाला जा सकता था। सरकार के खर्च मे कमी की जा सकती है थी लेकिन नौजवानो की जिन्दगी को तबाह करके कोई पैसा हासिल किया जाये तो इससे बुरा और कोई काम नही हो सकता। में उम्मीद करता हूं कि हमारी जो मांग है अमैंडमैंट देकर, उसका भी समर्थन किया जायेगा या सरकार यह वादा करेगी कि आज के बाद हरियाणा के देहात मे, गांव गांव मे भाराब के ठेके कल सुबह से बंद हो जायेंगे। तब तो हरियाणा समझ जायेगा कि हरियाणा की जनता की भलाई के लिये सोचा

है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं सारी बातें नही कहूंगा क्योंकि मुझे पता है कि समय कम है।

डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे अफसोस इस बात का है कि इतनी मैजोरिटी सरकार के पास होते हुए आज आनरेबल मैंबर्ज को बोलने का पहला मौका मिला था और मैं समझता हूं कि सभी बोलना चाहेंगे और इस हाउस मे ज्यादातर नए चेहरे है। नए नए जो ीले मैंबर भी आए है। उनको सुनना भी जरूरी है लेकिन वक्त कितना रखा गया है सिर्फ एक दिन एक ही दिन मे दो सिटिंग ठूंस दी गई है। उसमे भी डिप्टी स्पीकर का इलेक ान जिसमे दो आपसे दरख्वास्त करूंगा कि लीडर आफ दी हाउस को मनाएं कि इसनी जल्दी न करे। सरकार को टूटने का कोई डर नही है और न सरकार को तोड़ने के हम हक मे है।

चौधरी राम लाल वधवाः हिम्मत भी नही है। (व्यवधान)

राव बीरेन्द्र सिंहः हिम्मत तो है। हमारी मंडी मे भाामिल होते ही आपके भाव बहुत बढ़ जायेंगे। बहुत लोग है जिनसे मेरा लेनदेन का ताल्लुक है (व्यवधान) बहुत आ गये है (व्यवधान) मैं उम्मीद करता हूं कि सब आनरेबल मैंबर्ज जिनमे से ज्यादातर अपनी मेडन स्पीच हाउस मे करना चाहेंगे उनके लिये वक्त निकालना जरूरी है और उसके लिये सै ान का समय बढ़वाना निहायत जरूरी है। आज आप वोटिंग न करवाएं और अगर सरकार को बहुत जरूरी काम है तो सै ान एडजर्न हो जाये और फिर एक

दो दिन के बाद सै ान फिर बुला लिया जाये। डिप्टी स्पीकर साहब, आनरेबल मैम्बर्ज को बोलने का मौका बजट पर होता है या गवर्नर एड्रैस पर। क्योंकि बजट इस साल मे आना नही है इसलिये यही एक मौका है आनरेबल मैम्बर्ज के बोलने का जिससे आनरेबल मैंबर्ज पूरा पूरा फायदा उठा सकते है। मैं सब सार्थियों से दरख्वास्त करूंगा कि सरकार को मनाए कि जल्दी उठकर न भागे और कम तो होते रहेंगे और यह बहस आज खत्म नही होनी चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः अब आप खत्म करे।

राब बीरेन्द्र सिंहः इतनी जल्दी क्या है। अगर आप कहते है तो मैं पांच मिनट मे खत्म कर देता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, करप ान को दूर करने के कलये बहुत वादे किये गये है। अगर करप ान दूर करते है तो इससे बड़ी खु ाी की बात और क्या हो सकती है। गवर्नर साहब ने कहा है कि पूंजीपति लोग पालिटीि ान्ज के साथ चिमट जाते है और उनसे अनुचित लाभ उठाते है। अगर यह सरकार इन चीजों को बचा सके तो इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है। आज के चीफ मिनिस्टर और दूसरे मिनिस्टर साहिबान और आनरेबल मैंबर्ज जो ट्रैजरी बैन्चिज पर बैठे है, इस चीज को खत्म कर सके तो यह बहुत अच्छी चीज होगी लेकिन मुझे डर है कि ज्यादतियों के बारे मे इन्क्वायरी, करप ान के बारे मे इंक्वायरी की बात जनता को ज्यादा देर तक धोखे मे नही रख सकती। यह बात नही हो सकती कि आप जनता

का ध्यान बंटाने के लिये इंक्वायरी के झगड़ों मे पड़े रहें यह ठीक है कि जिन लोगो के खिलाफ करप्ान के चार्जिज है उनकी इंक्वायरी करनी चाहिए। मैं यह कहना चाहता हूं कि लोग अब आपको भी चिमटो भारू हो गये है। अब लोग कोठियो मे आने जाने लगे है। सिर्फ यह कहना हे कि मिनिस्टर साहिबान, कारखानेदार और पूंजीपतियों के घरो मे खाना नही खायेंगे, करप्ान दूर नही होगी। अगर ये लोग अपने वर्कर्ज के घरो मे खाना खायेगें तो मुझे डर है कि उस खाने का इंतजाम पूंजीपति करेंगे और फिर उससे भी ज्यादा बुरा सिलसिला भुरू हो जायेगा। अगर आप रेस्टर हाउसिज मे नही ठहरेंगे । जनता इस धोखे मे हनी आयेगी। जिसके घर पर मिनिस्टर साहिबान ठहरेंगे क्या अफसनान की हाजिरी वहां लगेगी। मिनिस्टर लोग अफसरो को कहां मिलेंगे। अगर आप वर्कर के घर पर अफसर की हाजिरी लगाएंगे तो वह वर्कर सोदेवाजी करेगा और इस तरह से एडमिनिस्ट्रेान खत्म हो जायेगां चौधरी देवी लाल मेरे पुराने साथी है, बड़े तजुर्बेकार है। वे अच्छा काम करना चाहते है और उस काम के लिये टीम की जरूरत पड़ती है लेकिन चौधरी देवी लाल ने जो टीम बनाई है उसमे मुझें तो तजुर्बेकार कोई दिखाई नही देता। मैं यह नही कजहता कि जो नये लोग मिनिस्टरों मै आ रहे है उन मे काबलियत नही है। लेकिन काबलियत के साथ साथ कुछ तजुर्बे का होना भी बहुत जरूरी है। पुराने लेजिस्लेटर्ज है, लेकिन नये ज्यादा हे उनको भी रिप्रिजेन्टेान मिलना ही चाहिये। इस जनता के हलधर ने ऐसे ऐसे हीरे निकाल कर जमीन पर रख

दिये है जिनको कभी इस जगह का ख्याल तक भी नही था कि वह कहां पर छुपे बैठे है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह ठीक है कि बहुत से काबिल आदमी नये आये है डा. मंगल सैन जी ने अपने कंधे पर हल उठा लिया है और चोधरी चरण सिंह ने ने सब के कंधे पर हल रख दिया है और यह बता दिया है कि दे ा की जनता किस तरफ चलती है लेकिन क्या मैं सरकार से पूछ सकता हूं कि यह जो काफी पुराने टेलेन्ट बैठे है, कुछ दाढ़ी बढ़ाये बैठे है, कुछ पगड़ी बांधे बैठे है, धर्म पाल, श्री हीरानन्द जी, भी राम पाल जी बैठे है बहुता का तो तीन तीन दिनका तजुर्बा है (हंसी) हमने जो ट्रेनिंग स्कूल खोला था उसका फायदा उठाने वाले काफी लोग इन्ही मे से थे, डा. मंगल सैन जी ने आखिरी वक्त मे डिपलामा नही लिया, इंकार कर दिया था उन्होंने उन की तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिये था, जिनमको दो तीन दिन का तजुर्बा था, सरकार उनसे क्यो नही फायदा उठाती ? डिप्टी स्पीकर साहब आप उनको समझाएं कि वे इन का फायदा उठाये (हंसी) ऐसे टेलेन्टस को सामने लाएं ताकि कुरप ान दूर हो । और उनका जितना फायदा उठा सकें जरूर उठाये। बगैर अच्छे आदमियो के डिवैल्पमैंट नही कर पायेंगे, एडिमिनिस्ट्र ान को ठीक ढंग से नही चला पायेंगे। तो डिप्टी स्पीकर साहब, बहुत सी एड्रैस मे ऐसी बाते है जो गल्त कही गयी है। मैं नही जानता कि यह धोखा देने के लिये कही गयी हे या कि उनकी इन्फर्मे ान गल्त है या अफसरो की इन्फर्मे ान गल्त है। इन्होने कहा है कि एग्रीकल्चर के लिये 40 परसेंट पावर का इस्तेमाल किया जा रहा है

इससे ज्यादा गुमराहकुन और गल्त बात नही हो सकती कि 40 परसैंट बिजली एग्रीकल्चर के लिये दी जाय रही हो। इंडस्ट्री के लिये कमर्शियल और हाउस होल्ड, यह सारे खर्चे मिलाकर 15 परसेंट से ज्यादा पावर इस्तेमाल नही होता और अगर इस से ज्यादा होती भी है तो सिर्फ कागजों मे 1 मीटर जले पड़े है, बिल कुछ बनते है। एक फेस के ऊपर पावर आती है जिस के माटरे जल भी सकती है। कागजों मे तो सब कुछ लिखा हुआ है लेकिन किसानो को 40 परसेंट तो क्या, इससे आधी भी बिजली नही मिलती है। और वह भी जो थोड़ी बहुत मिलती है और भी साल मे केवल एक दो महीनो के लिये। हमने पीछे देख जब अनाज निकालने का समय था तो किसाना के पास थ्रेशर के लिये बिजली नही थी। जब पानी लगाने का वक्त था तो पावर नही और अगर मिलती भी थी तो रात को। कभी दो बजे, कभी 11 बजे तो कभी 3 बजे। जो 15 परसेंट पावर मिलती है। अगर यह भी मुकर्रर हो जाये तो भी किसान को सहूलियत हो जाये, बगैर इंट्रप्शन के मिले तो ठीक है। अगर सरकार यह यकीन दिला दे कि किसानो को 40 परसेंट पावर मिलती है और बकायदा मिलती रहेगी तो कम से कम मेरी तसल्ली हो जायेगी और फिर देखेंगे कि वह वायदा कहां तक पूरा होता है वह जनता समझ सकती है। मैं अपनी तरफ से सरकार को यह यकीन दिलाता हूं कि हरियाणा की हक मे लड़ाई मे हर मुमकिन सहयोग मिलेगा, करप्शन को दूर करने के लिये हर तरह का सहयोग मिलेगा, किसी प्रेशर मे न आ कर गल्त काम न करे गल्त सिफारिश न माननी पड़े। इसके लिये हम

सरकार को हर मदद देने के लिये तैयार है ताकि सरकार निश्पक्ष होकर इस काम को कर सकते और इस के साथ साथ हरियाणा प्रान्त का जो हक बनता है अबोहर फाजिल्का का और रावी ब्यास के पानी का, उस को दिला सके। चौधरी रिजक राम जी ने सन् 1968 मे एक रेज्योल्यू ान मूव किया था एक्ट के अंदर, उसमे तरमीम की जाये। यह देहाती जनता की मांग है जोकि होमोजेनेटी को कायम रखना चाहते है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीद हुए) स्पीकर साहब, बाप की जायदाद मे लड़की का कोई हक नही होना चाहिए ताकि भाई बहिन का आपस मे झगड़ा न हो, यह भी रूल पहले पास किया गया था–(विघ्न)–

श्री मूल चंद जैनः आप तो 5 साल तक पार्लियामैंट मे भी रह कर आये हो.....

राव बीरेन्द्र सिंहः वहां पर मेरी मेजोरिटी नही थी (ाोर) अगर आप चाहे तो मैं अपनी स्पीचिज की कापी आपको भिजवा दूंगा।

एक माननीय सदस्यः जरूर भिजवाइए।

राव बीरेन्द्र सिंहः बाते तो स्पीकर साहब और बहुत कहने वाली थी, लेकिन मैं ज्यादा समय न लेता हुआ सरकार से यह पुरजोर दरख्वास्त करूंगा कि जो जो सुझाव यहां पर दिये गये है, सरकार उनकी तरफ खास तवज्जो दे।

श्री हरद्वारी लाल (बादली): स्पीकर साहब, मैं आपका बहुत म ाकूर हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। गवर्नर साहब के एड्रैस की तरफ आने से पहले....स्पीकर साहब, यह माइक काम नही कर रहा है। अगर आपकी इजाजत हो तो मैं दूसरी सीट पर खड़ा होकर बोल लूं।

(इस समय श्री हरद्वारी लाल जी दूसरी सीट से बोलने के लिये खड़े हुए)

Mr. Speaker: Please try your mike. I am afraid, as you know, being an old legislator, you have to speak from your own seat.

श्री हरद्वारी लाल: स्पीकर साहब, में राज्यपाल जी के एड्रैस की तफसीलात मे जाने से पहले आपकी इजाजत से दो चार लफ्ज पर्सनल वाक्यात के अर्ज करूंगा। उनमे कुछ ज्यादतियो का ताल्लुक है और कुछ और चीजो का ताल्लुक है जो मै आपके सामने रखूंगा। परसो बहुत से माननीय मैंबरान की तरफ से आपको बधाई दी गई लेकिन बधाई तो आपको दी जानी थी और तवज्जो मुख्य मंत्री साहब की तरफ थी। कुछ तो मेरे दोस्त जो सरकारी बैंचो पर बैठे है, वे इस बात के बड़े इच्छुक थे कि मुख्य मंत्री जी को कुछ कहा जाये। इधर जो अपोजी ान के थे, वे उस मौके का इस वास्ते फायदा उठाना चाहते थे कि उसकी आड़ मे मुख्य मंत्री साहब पर सीधे या तिरछे वार कर दयिै जाये। ऐसा वातावरण हो गया था जोकि कम से कम मेरी पसंद का नही था।

और जब उस मौके की सारी अहमियत जाती दिखाई देने लगी तो में उठा कर चला गया। कुछ लोगो ने उसका मतलब यह निकाला कि मुख्य मंत्री से मेरा कोई खुफिया मे समझौता हो गया है इसलिये मैं सदन की कार्यवाही मे दिलचस्पी नही लेना चाहता । मैं बताना चाहता हूं कि ऐसी बात नही है मेरी तो उनसे मुद्दत से बात नही हुई है हां जेल मे जरूर बात हुआ करती थी। लेकिन यह बात बतानी जरूरी है कि उन्होंने मेरी उस बात की सराहना की जो मैं ने पार्लियामैंटरी प्रिविलेज के मुत्तलिक वैधानिक धारा की सही तर्जमानी करवाई। वह उनको करनी भी चाहिये थी क्योंकि वह मु ातर्का लड़ाई थी बल्कि मेरी रिटपैटी ान के साथ उनका हल्फ नामा था.....

एक आवाजः टिकट के बारे मे भी तारीफ कर दो।

श्री हरद्वारी लालः टिकट का दूसरा मामला है। तो मैं उनको मुबारिकबाद देता हूं कि उनके द्वारा ऐसा कहने से यह वायदा नजर आता है कि कम से कम इन पार्लियामैंटरी प्रिविलेज के मामलात मे और सदन को चलाने के सिलसिले मे उनका वैसा रवैया नही रहेगा जो पिछले राज मे रहा। जहां तक समझौते हुए जोकि वे निभा नही सके और निभाता मैं भी नही (हंसी) लेकिन उसका कारण दूसरा है कि मैं अपनी जमीर के साथ और कांस्टीच्यूएंसी के साथ ऐसी बात नही करता। इारके अलावा मैं इंडियन पालिटिकस मे तीसरी प्रायरिटी नही समझता। (विघ्न) मैंने भी बहुत तोड़ी है लेकिन इनके तोड़ने का दूसरा तरीका है। इसके

साथ मै यह भी कहना चाहता हूं कि राव साहब ने जिनकी तरफ इ ाारा किया, उनकी लड़ाई मैं नही लडूंगा उनको इस तरफ आकर लड़ना चाहिये। 15 साल तक मैं भी सरकार से लड़ता आया हूं। 1962 से इस विधान सभा मे हूं (विघ्न) लड़ाई से कोई फायदा नही होता, अब भीमेरी यह कोि ा ा होगी कि अगर ये सही काम करते रहे तो मैं यकीन दिलाता हूं कि में पूरा सहयोग दूंगा। जैसे पिछले राज की खराबियों के जिम्मेदार अफसरो और दूसरे लोगो को सजा दिलाने मे अगर मेरी खिदमत की जरूरत हो तो मै हाजिर हूं (विघ्न) खराबियों के बारे मे मुझे इनसे ज्यादा पता है। सजा किस तरह से मिलनी चाहिए वह काम इस तरह करना है कि काम भी हो जाये और हाईकार्ट मे जाकर खिफत भी न उठानी पड़े। नातजुर्बेकारी से ऐसा हो सकता हैं अगर मेरी मदद की जरूरत हो तो मैं तैयार हूं।

जहां तक राजयपाल जी के अभिभाशण का सवाल है, वह जरूर मानना पड़ेगा कि उसमे जो बाते कही गई है वह अच्छी है लेकिन बातें हमे ाा अच्छी ही की जाया करती है, सवाल तो उन पर अमल करने का है। अमल करने के लिये कई चीजो की जरूरत है जैसे तजुर्बा चाहिए। अब जो सरकार बैंचों पर सिलसिला हे सह आपके सामने है। इस सिलसिले मे हर बार बए किताब हू–इज–हू छपती है.....

एक आवाजः किताबें तो आप ने पहले भी छाप दी (हंसी)

श्री हरद्वारी लालः अगर उसमे कोई कमी होगी तो मैं अब पूरी कर दूंगा। पहली तो पूरानी हो चुकी है, अब नई छापनी है (ाोर) इसके बाद स्पीकर साहब, काबलियत और तजुर्बे के अलावा नियत और इरादा का सवाल होता है। भाुरू मे जो मैं इनकी नियत और तजुर्बे के बारे मे भाक नही करूंगा लेकिन यह भी दो चार महीने की बात है । जैसे राव साहब ने फर्माया कि ये ये बाते सही की गई लेकिन उन पर अमल कहां तक होता है। और उनको किस तरीके से पूरा किया जाता है, यह देखना है। एड्रैस के अंदर यह बात बिल्कुल सही कही गई है कि चुनाव ईमानदारी से हुआ है लेकिन जैसी धांधली इस रूलिंग ने टिकटों की तकसीम मे की थी अगर उसी तरह से सरकारी कर्मचारियो की तरफ से चुनावो मे बेईमानी हो जाती तब तो ठिकाना ही नही था। लेकिन स्पीकर साहब सरकारी कम्रचारियो की तरफ से और राज्यपाल महोदय की तरफ से चुनाव दुरुस्त कराने मे कोई कमी नही थी। इसके साथ साथ मै एक और बात कहूंगा कि राज्यपाल जी के अभिभाशण के पैरा 4 मे कुछ ऐसी बाते कही गई है जोकि कहने मे बिल्कुल सही है, मैं आपकी तवज्जो उस तरफ दिलाऊंगाः—

The new popular Government is of the confirmed view that, during the last decade, the entire fabric of social and political life was poisoned by corruption. One aspect of this widely prevalent corruption was that men of means and influence got round political bossed....."

राव साहब ने फर्माया कि इसमे केई तो बड़ी अच्छी बाते है लेकिन जो दो तीन महीने से रूलिंग पार्टी का अमल दिख रहा है वह इस सारी चीज को झूठा कर देती है। मैं कई मिसाले दे सकता हूं कि इस रूलिंग पार्टी ने ऐसे ऐसे आदमी अपने अंदर भाामिल कर लिये है जो महज रूपये के बलबूते पर है। कल तक वे कांग्रेस मे थे और उसके गुण गाते नही थकते थे लेकिन जब कांग्रेस का जहाज डूबते देखा तो झट छलांग लगा कर इधर आ गये ओर रूपये के बलबूते पर जनता पार्टी मे घुस गये और इनके गले आ मिले। स्पीकर साहब, एक और बात है कि जिसकी तरफ मैं खास तौर से ध्यान दिलाना चाहता हूं और वह यह हे कि स्यासी गुंडागर्दी खत्म करनी चाहिये। मिसाले तो इस बारे मे मेरे पास बहुत है लेकिन मैं मिसाल के तौर पर एक दो मिसाले ही देता हूं। इस सदन के चुनाव के लिये यलिंग पार्टी ने मिसाल के तौर पर बताता हूं, दो टिकटें दी। एक टिकट तो एक ऐसे आदमी को दी जो पुलिस का बरखासत ाुदा या निकाल हुआ कांस्टेबल था और दूसरा ऐसा था जो पुलिस मे हैउ कांस्टेबल था और वहां से बदखास्त हुआ। आज मौजूदा वक्त मे भी थाना मे वह 110 नम्बर का बदमा ा दर्ज है। खैर वह दोनों ही हार गये (विघ्न) हां जी जनता पार्टी के टिकट पर लड़े और हारे । अब उन्होंने जनता पार्टी के नाम पर और मुख्य मंत्री के के नाम पर दुकाने खोल ली हैं और लोगो को खुलेआम दावत दे रहे है कि जिस ने जो काम करवाना हो उनके पास आओं । मुख्य मंत्री जी तो यहां है नही अपने कमरे मे जरूर सून रहे होंगे। तो मै ंउन से कहूंगा और

उनकी खास तौर पर तवज्जुह दिलाना चाहता हूं कि जब तक वह ऐसे ऐलीमैंटस के खिलाफ सख्त कदम नही उठायेंगे, यह पुलिटिकल करप् ान और पुलिटीकल गेंगस्टरइजम खत्म नही होगी। उनको चाहिये कि वह मकामी अफसनान को हिदायत जारी कर दे कि इस तरह के तस्दीक ुदा बदनाम आदमियों को पूरी तरह से कंट्रोल मे रखा जाये, उनकी पूरी तरह से निगरानी की जाये और लोगो को भी बताया जाये कि इनके कहने से कोई काम नही होगा, न मुख्य मंत्री मानेंगे और न ही जनता पार्टी का टिकट जो उनको मिला या काम आयेगा। तो मैं अर्ज करता हूं कि जो तस्दीक ुदा बदमा ा जनता पार्टी का टिकट लेने मे कामयाब हो गये उनको अपनी जगह रखा जाये, तभी पुलीटीकल गुंडागर्दी खत्म होगी। मुख्य मंत्री जी भी इस बात को जानते है और में भी जानता हूं और मेरी जेल मे उनके साथ उनके बारे मे काफी बातचीत हुई है और.....(विघ्न)

एक आवाजः वह जब आपके साथी थे तो आपकी स्टेज पर आया करते थे.....

श्री हरद्वारी लालः मुझे नही पता आप किस की बात कर रहे है, बता ददो वह कौन है.....(विघ्न) खैर तो, मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि इस एड्रैस के पांचवे पेरा मे जो डिसटार ांज और इम्बैलैंसिज की बात कही हों इस मे कहा गया है:—

"But unfortunately the pace of development could not be as fast as was expected. The priorities of the earlier Government in

economic development will need to be recast to ensure a more balanced and faster growth. The poicy of the new Government will be to remove all distrotions and mbalances.....and about all that."

स्पीकर साहब, मैं इस पैरा की करफ आपका और सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि डिस्टर ांज और इम्बैलैसिंज जो पिछले सात आठ साल मे हुये है, वह बहुत ज्यादा है। यहां 1967 के बाद टैक्सो मे इतना इजाफा हुआ है कि अगर सदन के मैंबरान सही फिगर्ज मालूम करे और पढ़े तो उनको हैरानी होगी। टैक्सो के बोझ से इस प्रांत के लोगो को इन दस सालों मे कमर तोड़ी गई। देहली से भी किसी न किसी बहाने से बहुत पैसा आया। यह बात अलाहिदा है कि आया किसी काम के लिये और खर्च कही ओर कर दिया। इसके अलावा 5/6 सौ करोड़ रूपया कर्ज भी लिया गया जिस पर सालाना सूद 23/24 करोड़ रूपये बनाता है। यह सारा रूपया कर्ज भी लिया गया या फिर एक दो तहसीलों पर ही उसका बे ातर हिस्सा खर्च किया गया । यह जो इस तरह से पैसा खर्च किया गया है इससे डिस्टार ांज और इम्बैलैसिंज ही पैदा हो सकते थे हमवार तरक्की तो हो नही सकती थी । आज यह हालत है। स्पीकर साहब टयूबवैल्ज भी है और बिजली के खम्बे भी है लेकिन उन मे बिजली नही है। इन खम्बों और टयूबवैल्ज को देख कर हम भी पहले धोका खा गये थे कि बहुत तरक्की हो गई है लेकिन उन मे बिजली नही है। नहरे तो लेकिन उन मे पानी नही है। राव साहब ने ठीक कहा कि पिछले सात साल से हमारा पानी दूसरी तरफ जा रहा है और उसको लेने का

कोई इंतजाम नही है और आयंदा कोई इंतजाम हो जाने की भी कोई झलक नही मिलती है कि कैसे और कब यह इंतजाम होगा। यहां पहले कहा जाता था कि तीन साल के अंदर एक एक इंच जमीन को पानी मिलेगा लेकिन वह पानी कहां से कैसे आयेगा इस बारे मे कोई नही बताता था। और इस बात का जवाब नही आता था कि जब कैरियर चैनल की खुदाई ही न हो तो पानी कैसे आयेगा और न ही आज इस बात का जवाब इन से मिला है। अब्बल तो यह फैसला ही कायम रहास जाये कि आधा पानी पंजाब को और आधा पानी हरियाणा को मिलेगा क्योंकि इसके बारे मे भाकूक सामने आ रहे है और फैसला उल्टने का भी डर है। अगर फैसला कायम भी रहे तो भी मैं समझता हूं कि वह फैसला कागजी फैसला ही होगा क्योंकि उस पानी को लाने का कोई जरिया ही अभी तक नही बन पाया है। इसी तरह से स्कूल भी बहुत है और 1967 मे राव साहब की मेहरबानी से मैंने बहुत स्कूल बनाये। वे स्कूल तो है लेकिन उन मे ि ाखा का कोई इंतजाम नही है। हरियाणा मे तीन युनिवर्सिटीज बन गई है लेकिन मेरे एक दोस्त जो कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटीज से पढ़ कर आये है और इस सदन मे मैंबर बन कर अब आये है, उनको पता है कि ये यूनिवर्सिटीज तो नाम की है और खास तौर से कुरूक्षेत्र युनिवर्सिटी का तो उनको खास तजुर्बा है और वे जानते है कि उन यूनिवर्सिटीज को यूनिवर्सिटीज कहना मिसनोमर है। वे नौजवानो के लिये कनसैंट्रे ान कैम्पस बनी हुई है। वहां तो ऐसा सिलसिला देखा है कि सिकी को मार दो, किसी को पीट दो, किसी को बंद कर दो

और किसी को अगवा कर लो, ये हालात उन युनिवर्सिटीज मे है। इससे आगे आप सड़को पर आये और उनका हाल देखे। उनका भी यही हाल हे कि बहुत सारी सड़के मरम्मत मांगती है, टूटी फूटी पड़ी है और बहुत सारी नामुकम्मल पड़ी है। जहां मैटीरियल पड़ा था, रोड़ी पत्थर ईंटें पड़ी थी, वह लोगो ने चुरा लिया। बहुत सारे गांव ऐसे है जहां सड़को के नाम तक नही है और मीलो तक कोई सड़क नही है। इससे भी आगे जो और खराब बात हरियाणा मे हुई है वह यह है कि प्रांत का बहुत बड़ा हिस्सा सैलाब की जद मे आया है। हालत यह है कि पिछले साल का सैलाब का पानी जो खड़ा है वह अब तक नही निकला है। सैलाब की वजह से मलेरिया ने फिर अपनी पुरानी जगह ले ली है। बीस तीस साल पहले जो हालात थे, इससे भी बदतर हो गये है। सैलाबजदा देहातो मे पीने का पानी बिल्कुल खराब हो गया है और खारी हो गया है। मैंने अब के इलैक ांज के दिनो उन गांव मे जाकर सारे हालात को देखा है। लोग चाय बनाने की कोि ा ा करते थे लेकिन दूध डालते ही चाय फट जाती थी इस लिये चाय बनाने के लिये लोग पानी बाहर से जा कर लाते थे। मेरे दोस्त कर्नल साहब भी फरमा रहे थे कि बहुत सारे देहाता हरियाणा मे ऐसे है जहां 40 साल पहले वाले हालात अब भी है और उसी तरह से है जैसे पहले थे। रूपया खर्च हुआ है लेकिन वह रूपया प्रांत के खास खास हिस्सो मे खर्च हुआ है। अगर यह जनता सरकार इस तरह की गैर हमवार तरक्की को रोक सके और हमवार तरक्की करें तो जनता इस बात से खु ा होगी। फिर सही हालात मुलाजमतों को भर्ती के बारे मे

हुये है और निहायत ही जानबदारी से इस बारे मे काम लिया गया है। मुलाजमते एक दो तहसीलों के लिये ही मख्सूस थी बाकी हरियाणा के हितों को इगनोर किया गया। अगर 20 ए.एस.आई. लिये जाने है तो 19 सिर्फ एक तहसील के लिये और और एक कहीं से, किसी की सिफारि ा अगर तगड़ी सिफारि ा आ गई तो दूसरे अलाको का ले लिया, वरना सारी मुलाजमतें सिर्फ एक ही खास तहसील के लिये मख्सूस थी। स्पीकर साहब, मैं समझता हूं कि अच्छा यह होता कि इन सब बातों का नोटिस इस ऐड्रैस के अंदर लिया जाता और हमें बतलाया जाता कि इन घटिया किस्म की मुलाजमत को कैसे खत्म किया जायेगा, कितना अर्सा लगेगा। हमारी इतलाह के लिये एक चार्ट बनाया जाये जिससे सारी पोजी ान क्लीयर हो जाती है। महज यह कह देने से कि 8—10 सालो मे ठीक हो जायेगा, यह बाते ठीक नही। (इस सयम सभापतियो की सूची मे से एक सदस्य श्री प्रताप सिंह ठाकरान पदासीन हुए)।

एक दो बाते और कहूंगा। चेयरमैन साहब, एमरजैंसी की ताकत का, एमरजैंसी के अख्तियारात का जितना बेजा इस्तेमाल इस प्रांत मे हुआ है वह मुल्क के किसी प्रांत मे नही हुआ और यही कारण था कि लोक सभा के इलैक ान मे, इस प्रान्त की कांग्रेस के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा राय दी। जनता पार्टी को 75 परसैंट राय मिली, इतनी राय किसी प्रांत मे नही मिली। साउथ मे सिविलाइज्ड गवर्नमैंट थी, वहां कांग्रेस को वोट मिले। लेकिन जहां

अन सिविलाइज्ड गवर्नमैंट थी। वहां वही हालत है जो हरियाणा मे हुई। हरियाणा मे सबसे ज्यादा अन सिविलाइज्ड गवर्नमैंट थी इसलिये मुझे अफसोस यह है कि राज्यपाल जी के ऐड्रैस मे यह नही कहा गया कि जो ज्यादतियां एमरजैंसी मे हुई है, उनकी तहकीकात के लिये कदम उठाये जायेंगे। तहकीकात के लिये कोई म ानिरी सैट अप होनी चाहिए, यह क्या बात हुई कि किसी प्रैस कांफ्रैंस मे मुख्य मंत्री ने कह दिया कि जिसके साथ ज्यादती हुई है उसकी दरख्वास्त मुख्य मंत्री साहब के पास भेज दे। यह तो सब को पता है कि दरख्वास्तों की क्या दुर्गति होती है। कोई म ानिरी सैट अप करे तब बात बनेगी। इस बात और अर्ज करना चाहता हूं। अफिसर्ज की ट्रांस्फर्ज कर दी है। यह कहना कि ट्रांस्फर्ज इस लिये कर दी है कि एमर जैंसी के दौरान हुई ज्यादतियों की तहकीकात करने मे फायदा होगा, यह गलत बात है। इससे खाहमखाह सरकारी कर्मचारियो के लिये परे ाानी पैदा हो गई है। सैंकड़ों ट्रांस्फर्ज कर दी है और जो बेगुनाह आदमी थे उनको वहां से फैंक दिया गया और जो असल गुनाहगार थे, वे ठीक जगह पर बैठे हुए है। तकरीबन एक दर्जन आफिसर है जिन्होंने एमरजैंसी के दौरान बेकायदगियां की है और दो तीन सियासी नेता है, जो गुनाहगार हैं चाहिए तो यह कि दो तीन सियासी नेताओ के खिलाफ और एक दर्जन आफिसरो के खिलाफ चार्ज ाीट बने और ठीक तरीके से उस पर एक ान हो। इसके बाद मामला खत्म करे। जो बाकी अफसरान है उन को यकीन दिलायें कि आपकी मुलाजमत, आपकी खुददारी महफूज रहेगी। यह

काम न करे जैसे हर तीसरे दिन बनारसी दास अपनी ताकत का इजहार करते थे। यह न दिखाएं कि मैं भी उतना ही मजबूत हूं जितना पहले वाले थे। राज्यपाल जी आए, उन्होंने ठीक किया, कुछ जरूरत थी, जरूरत के मुताबिक ट्रांस्फर्ज कर दी। अब नई गवर्नमैंट आई है और भी यही कहती है कि हम भी इतने ही मजबूत है जितने पहले वाले थे। इस तरह ज्यादा भाोहरत से बात नही बनेगी। यहां तो भाराफत हलीमी से काम चलेगा। जब गवर्नमैंट सरकारी कर्मचारियों का सहयोग सही तरीके से हासिल करेगी तब डिवैल्पमैंट का काम ठीक तरह से चलेगा यह बहुत जरूरी है। सरकारी कर्मचारी और पालिटिकल लीडर पार्लियामैंट्री गवर्नमैंट के अंग है, इनको नजर अंदाज नही किया जा सकता। इनमे सहयोग डर से नही आयेगा। इसमे जो ा पैदा किया जा सकता है। अगर कर्मचारियो का काम ठीक है, लीडरों का काम ठीक है, तो मैं समझता हूं कि सरकार ठीक काम करेगी। आखिर मे एक बात और कहना चाहूंगा। पिछली सरकारने 10 सालों मे, तमाम सियासी अदारो को खत्म कर दिया है। या तो वे खत्म हो चुके है या बे जान हो चुके है। यह सदन भी पुलिटिकली बेजान है। यहां जिसने भी बे जोन हो चुके है। यह सदन भी पुलिटिकली बेजान है। यहां जिसने भी बोलने की हिम्मत की उस के खिलाफ सख्त प्रिविलिज की ओट मे कार्रवाई की और कई मैंबरों ने तो माफी मांग ली और मुझे कहते थे कि तुम तो हाई कोर्ट मे लड़ लोंगे, हम गरीबों की मिट्टी खराब होगी। इसलिये मेरी पुरजोर दुरख्वास्त है कि इस सदन मे जान डाली जाये। जो सदस्य है

उनकी अहमियत को, उनकी इज्जत को माने, इन सब की इज्जत ठीक ंतरीके से हो। अगर ऐसा होगा तो मिनिस्टरी के लिये जो इतनी दौड़ धूप होती है, वह नही होगी। मिनिस्टरी के लिये दौड़ धूप इसलिये होती है कि जो मिनिस्टर बन जाये वह सब कुछ है और जो मिनिस्टर नही है वह कुछ भी नही है। चाहिए तो यह कि हर पार्टी की इज्जत हो, हर सदस्य की इज्जत हो लेकिन इज्जत उनकी है जिनको अख्तियारात हासिल है। जब तक यह ढंग नही बदला जायेगा तब तक इस सदन के अंदर सदस्य कइ इज्जत नही होगी और दूसरे जो सियासी अदारे है उनकी भी इज्जत नही होगी। पब्लिक सर्विस कमी ान की मिट्टी खराब कांग्रेस सरकार करती रही है। पब्लिक सर्विस कमी ान के चेयरमैन होते थे, उन को बुरी तरह निकाला गया। निकालने के बाद मुकद्दमें पर मुकद्दमा चलाया गया, हर तरह से उनको तंग किया गया। जब तक यह बातें ठीक नही होंगी हम काम ठीक नही कर सकते। एक बात समझ लेनी चाहिए। हमने एक सियासी सिस्टम, पुलिटिकल सिस्टम छांटा है, जिसके तहत हम राज करते है। अगर हमारी सियासी प्रणली ठीक नही है, उसकी सेहत ठीक नही है तो हम अकेले काम नही कर सकते। पुलिटिकल सिस्टम को ऐसा बनाए, दुलिया की जो सही डैमोक्रेसी है, उस पर अमल करे। राव साहब ने सही फरमाया कि क्या जरूरत थी, कौन सी जल्दी थी कि आज ही सै ान को खत्म कर दिया जाये? हम सब को सुनना चाहिए, जो नये मैंबर आए है, उनकी बातें सुननी चाहिए। अगर पुराने नक ो कदम पर चलना है तो काहे को सै ान बुलाना है, छः

महीने तक न बुलाएं, बजट तो पास हो ही चुका है। इसलिये मैं इस बात की ताईद करूंगा कि सै ान बढ़ाया जाये और सब सदस्यों को बोलने का पूरा मौका दिया जाये। सै ान खत्म करने की ऐसी तो कोई बात नही है, किसी किस्म का खतरा नही है। चेयरमैन साहब, मैं आपका और स्पीकर साहब का खास तौर से म ाकूर हूं जिन्होंने मुझे बोलने का मौका दिया है

मुख्य संसदीय सचिव (श्री जगन नाथ): चेयरमैन साहब, हर सै ान मे गवर्नमैंट की नीतियों का वर्णन होता है जिनका उल्लेख राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे किया गया है। अध्यक्ष जी, भ्रश्टाचार कब आरम्भ हुआ, कितनी क्वांटिटी कब थी, कब कम थी, कब ज्यादा थी, इस पर अपने विचार प्रकट करना चाहता हूं। 1962 मे, ज्वायंट पंजाब मे, मैं पंजाब असैम्बली का मैंबर बना था। उस समय हरियाणा के अंदर जितने एम.एल.ए. थे, उन मे श्री बलवंत राय तायल के पास एक जीप थी। चौधरी देवी लाल को सरसा के अंदर जनता ने बुलाया और 1962 मे एक कार भेंट की। इन दोनों को छोड़ कर किसी दूसरे एम.एल.ए. के पास कार नही थी। 1966 तक, जब कि हरियाणा बना, यही हालत थी। एम.एल.ए. थे, उस वक्त एम.एल.सी. भी हुआ करते थे। ये डरा करते थे कि किसी से कोई किराया न लिया जाये। एक दो मैंबर थे उस समय पर जिनको सब बुरा बताया करते थे क्योंकि वे काम करवाने वालों से किराया लिया करते थे, अपने हलके वालो से किरया लिया करते थे जो काम करवाते थे। उस आईम पर सब ठीक था,

भ्रश्टाचार नही था, हेराफेरी नही थी, नही बेईमानी थी, लेकिन जब हरियाणा बना, उस वक्त भी किसी हद तक ठीक ही ढंग था। लेकिन जब 1968 के अंदर हरियाणा मे मुख्य मंत्री श्री बंसी लाल जी बने उस टाईम भ्रश्टाचार भाुरू हो गया। हरेक मैंबर के पास कार, एक नही कई कई, एकदम कोठियां बननी भाुरू हो गई। एक मैंबर को पहले पंजाब टाईम मे तीन सौ रूपये मिलते थे परंतु हरियाणा बनने के बाद पांच सौ रूपये हो गये। पांच सौ रूपये मे क्या कार चल सकती है और कोठिया बन सकती है, कोई साहब इसका मुझे जवाब दे दे ? चौधरी बंसी लाल ने यह सारा धंधा भाुरू किया। (विघ्न)

राव बीरेन्द्र सिंहः चेयरमैन साहब, आन ए प्वायंअ आफ आड्ढर। यहां जो बाते कहीं जायें वे हाउस की परम्पराओ को कायम रखते हुए कही जाये। इनसे पहले जो स्पोविचा हुई है वे बिल्कु ठीक हुई है। इनको चाहिए कि ये उन आदमियों के नाम यहां न लें जो अपने आप को यहां डिफैंस न कर सकते हों और न ही ऐसी बाते कहें जिससे बदमजगी पैदा होती हो।

श्री सभापतिः आप किसी का नाम न ले।

श्री जगन नाथः तो राव साहब, एक मुख्य मंत्री वे थे जिनके भ्रश्टाचार मे आप भी भाामिल हुए। (सरकारी पक्ष से तालियां) (विघ्न) चेयरमैन साहब, आज भिवानी के अंदर पहले वाले मुख्य मंत्री के लड़कों की कोठियां है, लड़कियों की कोठियां है

और जवाइयों की कोठियां है। सबके पास कारें है। क्या हजार या पांच सौ रूपये मे ये चीजें हो सकती ?

राव बीरेन्द्र सिंहः इसकी इन्कवायरी कराओ। सबसे वैल्थ का ब्यौरा लो, ज्यादा उधर निकलेगी। (विघ्न)

श्री जगन नाथः चेयरमैन साहब, उस मुख्य मंत्री के राज मे भ्रश्टाचार की हद हो गई थी। सबसे पहले यहां पद्मश्री दिया गया यहां के एक लाला जी को। उन एम.पी. का नाम डी.डी. पुरी था। दूसरा पद्मश्री फूल चंद देवराला को दिया और तीसरा घन याम जी को दिया। तीनों ही करोड़ पति है और तीनों ही कलकत्ता के अंदर रहने वाले है। इनको पद्मश्री किसने दिया? एक छोटे से किसान के घर मे पैदा होने वाले मुख्य मंत्री ने। भ्रश्टाचार होते थे। हम तो सोचते थे कि राव साहब चूंकि अपोजी ान की तरफ से एम.पी. बन कर गए है इसलिये ये लोकसभा मे इन बातों के विरूद्ध आवाज उठायेंगे। इसी तरह से जब रिवासा काण्ड हुआ, और बरवाला काण्ड हुआ, तो भी हमने सोचा था कि ये वहां इस बात को उठायेंगे। (विघ्न) लेकिन राव साहब ने जबान बंद रखी। एक भाब्द भी इन्होंने इन काण्डों के बारे मे नही कहा। क्या भ्रश्टाचार मे ये जब चीजें भाामिल नही थी ? रिवासा के अंदर सारे दे ा के नेता आए थे, सारे दे ा की अखबारों मे यह चीज भाामिल नही थी ? रिवास के अंदर सारे दे ा के नेता आए थे, सारे दे ा की अखबारों मे यह चीज आई थी और हम लोगों को यह आ ाा थी कि अपोजी ान के एम.पी.,

हमारे सीनियर नेता चूंकि लोकसभा मे बैठे है, इसलिये वे कुछ न कुछ जरूर करेंगे लेकिन ये न तो रिवासा गए, न लोक सभा मे कुछ कहा और न कोई प्रैस स्टेटमैंट ही दी। (विघ्न)

इसी तरह चेयरमैन साहब एक और नेता थे। वे महानुभाव अभी अभी हमें उपदे ा देकर गए है। वे बड़ी सदाचार की बात कर रहे थे। पता नही हस्पताल गए है या कहीं और गए है। (विघ्न) ये भी यहां अपोजी ान के नेता बनकर बैठे थे। ये यहां बैठकर क्या काम किया करते थे? मुख्य मंत्री जिस तरह चलता था, जो नीति सरकार की थी, वही नीति अपोजी ान की थी। यह सब कुछ कहने का मेरा मकसद यह है कि उस समय जो भ्रश्टाचार चल रहा था, उसमे हमारे सीनियर एम.पी. और एम.एल. ए. भी भाामिल थे।

चेयरमैन साहब, भिवानी के अंदर तो भ्रश्टाचार की हद ही थी। वहां पर पहले मुख्य मंत्री ने लोगो की जमीनो की रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली थी। इसी तरह चांग मे हुआ। वहां 25 साल के मुजारे जमीन पर बैठे हुए थे लेकिन दोनो 'बी' वाले मुख्य मंत्रियों ने उनको उखाड़कर सारी जमीन अपने रि तेदारों को दे दी। किसी ने 50 किल्ले और किसी ने 80 किल्ले जमीन ली। चेयरमैन साहब, मुझे फिर नाम लेना पड़ रहा है। हरियाणा के एक चीफ मिनिस्टर बनारसी दास जी थे।

राव बीरेन्द्र सिंहः चीफ मिनिस्टर ही कह लेते।

श्री जगन नाथः चीफ मिनिस्अर तो कई हो लिये और आप भी उमे भाामिल है। (हंसी) तो मैं बनारसी दास जी का जिक्र कर रहा था। उनके एक साले का नाम ट्रैक्टरों की एजैंसी थी। वे ट्रैक्टर अब पता नही कहां चले गये। भिवानी के अंदर, लीहड़ चौपआ के राजपूतो के नाम नोटिस गए कि तुम्हारे नाम दो दो सौ रूपया टोकन टैक्स का बकाया है। वे भाग कर कभी मेरे पास आए और कभी किसी और के पास गए और कहा कि हमने तो ट्रैक्टर लिए ही नही, यह टैक्स कहां से आ गया। हमने एस.डी.एम. साहब से बात की इनके साथ अन्याय किया जा रहा है। बड़े टेलीफोन खड़के, तारें गयी और पता नही क्या क्या हुआ, तब जाकर के उस बात को दबाया गया। चेयरमैन साहब, यही बस नही। चार महीने के अंदर अंदर एक चीफ मिनिस्टर के भाई के नाम, जहां पी.डब्ल्यू. डी. का रैस्ट हाउस बन रहा था लाखों रूपये की कोठी खड़ी हो गई लेकिन राव साहब ने कभी आवाज नही उठाई। इसी तरह से, चेयरमैन साहब, हिसार के एक एम.एल.ए. ने गरीब हरिजनों के नाम से जमीन की रजिस्ट्री करवा दी। मजे की बात यह है कि उस नाम के हरिजन है ही नही। (विघ्न) यह आप हिसार मे जाकर मिर्जापुर मे पूछ लेना।

फिर रह गई दमन की बात। राव साहब, जब हम जेल मे पड़े थे तब हम सोचते थे कि राव साहब जैसे बहादुर, मजबूत और दलेर आदमी जरूर कुछ न कुछ आवाज उठायेंगे लेकिन आपके जो कमजोरी दिखाई इतनी भाायद ही किसी ने दिखाई

होगी। चेयरमैन साहब एमरजैंसी के दौरान केवल राजनीतिक लोगो से ही ज्यादतियां नही हुई बल्कि छोटे छोटे बच्चों तक को पीटा गया। उनकी द ाा भिवानी मे अगर आज भी हम देख लें तो रोंगटे खड़ें हो जाते है। सी.आई.ए. और सी.आई.डी. वालो के पास 25–25 दिन तक स्टूडैंटस का रिमांड रहा और पीट पीट कर अंगहीन कर दिया गया। क्या है हिम्मत अब भी वहां चलने की ? क्या यह लोगो के साथ अन्याय नही हुआ, लोगो की बेइज्जती नही की गई, उनकी इज्जत लूटीं नही गई ? लेकिन अफसोस कि बाहर कोई भी नेता बोलने वाला नही था, आवाज उठाने वाला नही था। ऐसे नेता तो बहुत थे, जिन्होंने सरकार की आवाज मे आवाज मिलाना भाुरू कर दिया था। (विघ्न) राव साहब, उस टाईम जेल मे क्या हुआ, इसके बारे मे भी मैं आपको बताता हूं। हिसार जेल के अंदर हमारे साथ भिवानी का एक दर्जी श्री राम कुमार था। उसके साथ इतना अन्याय हुआ है कि आज भी उसक तन मे घाव है। कितनी ही बात जेल मे से ले जाकर के उसको पीटा जाता था। एक लड़का था पीताम्बर। वह जुडि ारी मे पास हो गया, लेकिन रोजाना उसे पुलिस ले जाती थी। छोटा सा एक बच्चा था, घबरा जाता था, लेकिन उसकी तीनो पीढ़ियां जेल के अंदर बंद थी। उसकी दादा, उसका बाप और उसका चाचा जेल मे बंद थे। ही हालत चौधरी देवी लाली जी के परिवार की थी। चौधरी टेक राम नारनौल की कोठड़ी जेल के अंदर बंद थे। उनको सम्भाला कभी आपने ? राजनीतिक कैदी सारे दे ा मे होते रहे और और है लेकिन हरियाणा मे इनके साथ सलूक करने का जो ढंग था,

तरीका था, वह अजीब ही था। जेल नियमों के अनुसार तो यह है कि स्टेटस के मुताबिक कपड़ा दिया जायेगा लेकिन हिसार जेल मे हमं वही कपड़ा मिला जो वहां के कैदी पहनते थे। यहां से एक डी.आई.जी. साहब गए। मैंने इन्हें कहा कि जनाब यह कपड़े मे हेरफेर है। अगर आप कच्छा दे दोगे तो वह भी हम पहनने के लिये तैयार है लेकिन आप तो कहते हो कि स्टेटस के मुताबिक कपड़े दिए जायेंगे। आप हमें वह रूल्ज दिखा दें। इस पर वे कहने लगे कि वे कांफीडें ाल है। यह हालत थी हम लोगों की जेल के अंदर। ऐसा भाासन बंसी लाल जी का था। आप उस सरकार का सहयोग देते रहे। आप को उस वक्त चाहिए था कि इस भ्रश्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते। भ्रश्टाचार दोनों नेताओं ने करवाया और अपोजी ान के नेताओं ने उस भ्रश्टाचार को करवाने मे सहयोग दिया, उनसे मिलकर भ्रश्टाचार किया। उस सरकार ने अफसरो से भ्रश्टाचार करवाया। अगर हरियाणा की सही मायनों मे नुमायंदगी हो, तो भ्रश्टाचार नही हो सकता। हरियाणा के नेता ठीक होंगे, तो भ्रश्टाचार नही पनप सकता। चीफ मिनिस्टर ठीक है तो अफसर हेराफेरी नही करते और न ही दूसरे व्यक्ति कर सकते हैं हरियाणा के पहले दोनो ही चीफ मिनिस्टर भ्रश्टाचार को बढ़ावा देते रहे। उस टाईम पर अफसरो का क्या कसूर था। उन दोनों चीफ मिनिस्टरों के पास से गुजरो तो भ्रश्टाचार की बू आती है। अच्छा भाासक होगा तो सरकारी कर्मचारी, भ्रश्टाचार नही कर सकते, उनको दोश क्यों दिया जाता है ? जब सरकार ही अच्छी होगी, तो कोई इधर उधर हेराफेरी नही हो सकती। तो चेयरमैन

साहब जो गर्वनर साहब ने यहां अभिभाशण दिया है वह बहुत ही अच्छा दिया है। और उसका मैं समर्थन करता हूं।

श्री जगजीत सिंह पोहलू (पाई): चेयरमैन साहब मैं भी काफी देर से इंतजार कर रहा हूं क्या मुझे भी बोलने का टाईम देंगे ?

श्री सभापतिः हां आप बोलिये।

श्री जगजीत सिंह पोहलूः चेयरमैन साहब सबसे पहले मैं ब्रिगेडियर रण सिंह जी को उनके स्पीकर चुने जाने के लिये बधाई देता हूं वे बड़े बहादुर, दलेर और तजुर्बेकार आदमी है। उनको हाउस ने इत्तफाक राय से चुना है। वे न्यूट्रल है और हमे उन से पूरी उम्मीद है कि वे सब को बराबर समझेंगे। दूसरे मैं डिप्टी स्पीकर साहब को भी बधाई देता हूं वे भी न्यूट्रल होते है, वे सब मैंबरान को एक नजर से देखंगे और बराबर समझेंगे।

चेयरमैन साहब अब मैं गवर्नर एड्रैस पर बोलना चाहता हूं। मुझे सबसे बड़ी खु ाी की बात यह है कि गवर्नर साहब ने खुद अपने एड्रैस मे माना है कि जनता पार्टी कांग्रेस पार्टी की गलतियों की पैदावर हे और कांग्रेस के डिस क्रैडिट की वजह से ही जनता पार्टी वजूद मे आई है। हमने जनता पार्टी को बड़ी कुर्बानियां देकर और जेले काटकर पैदा किया है। कांग्रेस पार्टी ने चारो तरफ लूट मचा रही थी, हर जगह करप् ान ही करप् ान थी और बड़ा जूल्म हो रहा था। जनता जूल्म की चक्की मे पिस रही

थीं जनता ने उसके ख्लिाफ बगावत की। भ्रश्टाचार को मिटाने के लिये हमने साथ दियां परन्तु आज हमें अफसोस के सिाथ कहना पड़ता है कि जिस पार्टी से हमे पूरी पूरी उम्मीद थी कि यह करप्ान का नामोनिाान मिटा देगी वे उम्मीदें पूरी नही हुई। जनता पार्टी की भाुरूआत ही पुलिटिकल करप्ान से हो गई है। जब हरियाणा के लिये जनता पार्टी के टिकट दिल्ली मे दिये जा रहे थे तो तीन बार जनता पार्टी की सिलैक्ान कमेटी बनी। पहले इस कमेटी के सात मैंबर बने फिर 11 बने और अंत मे 13 बने। उन टिको की बांट मे खुल्लमखुल्ला पक्षपात हुआ। बड़े अफसोस के साथ कहना चाहता हूं कि टिकटों के मामले मे पैसा भी चला और कुन्बापरवरी भी चली। ऐसे आदमियों को जनता पार्टी ने टिकअ नही दिया जो बड़े मजबूत थे और हरियाणा के लीडर थे। जैसे चौधरी प्रताप सिंह दौलता और चौधरी हरद्वारी लाल जी है, जिन्होंने बड़ी कुर्बानी दी थी, टिकट नही दिया गया। चेयरमैन साहब मेरे बारे मे आप जानते है और हरियाणा की जनता जानती है कि जिस वक्त से यहां कांग्रेस राज आया है, मै उसी समय से कांग्रेस के खिलाफ लड़ता आ रहा हूं। 20—25 साल से कांग्रेस के खिलाफ लड़ रहा हूं। मैंने जाट कालेज से बी.ए. पास करने के बाद से कांग्रेस सरकार के खिलाफ लड़न भाुरू किया और आज तक लडता आ रहा हूं। जो मेरे साथी ट्रेजरी बेंचिज पर बैठे है, वे मेरे अच्छे दोस्त है। वे आज जनता पार्टी मे है। जो मेरे साथी ट्रेजरी बैंचिज पर बैठे है, वे मेरे अच्छे दोस्त है। वे आज जनता पार्टी मे है। इनमे से कई लोगो ने कई लोगों कांग्रेस को छोड़ा

और कई बार कांग्रेस मे आये। लेकिन मैं हमे ाा कांग्रे के विरुद्ध लड़ता रहा हूं। कभी कांग्रेस के साथ नही मिला। एमरजेंसी के अंदर मैंने सबसे ज्यादा कुरबानी दी है। किसी भी व्यक्ति ने इतनी कुरबानी नही दी। (थम्पिंग) जो जनता पार्टी बनी है, इसमे बी.एल. डी. भी भाामिल है। आपको पता होगा कि कुरूक्षेत्र जिले का मैं बी.एल.डी. का इलैक्टिड प्रेजीडैंट हूं। जनता पार्टी मे पांच पार्टिया भाामिल हुई, चार पहले भाामिल हुई और एक बाद मे भाामिल हुई। जब मैं अपनी पार्टी का प्रेजीडैंट था, तो कुरूक्षेत्र जिल के अंदर जो आठ टिकटें थी, वे मेरी सलाह से दी जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नही हुआ। (ाोर)

Shri Lachhman Singh: On a point of Order, Sir, He is not speaking on the Governor's Address. He should be relevant and speak on the Governor's Address,

Mr. Chairman: Please be relevant and speak on the Governor's Address. In this connection I woul ddraw the attention of the Hon. Member to Chapter V, Rule 20, which reads—

"On such day or day or part of any day, the Assembly shall be at liberaty to discuss matters referred to in such Address on a notice of Thanks moved by amember which shll be seconded bny another member."

श्री जगजीत सिंह पोहलू: चेयरमैन साहब, मैं आपके जरिये हाउस को बताना चाहता हूं कि पार्टी मे अब भी चारों तरफ करप ान दिखई दे रही है। अब पिछले दिनों इलैक ान हुआ। जिन्होंने सब से ज्यादा कुरबानी दी है और जनता पार्टी के लायल

रहे थे, उनको टिकट न मिलने पर भी जनता ने जिताया और जनता पार्टी के कैंडीडेट को ना मंजूर किया, हार दी। उसी हारे हुए और जनता द्वारा ना मंजूर किये हुए व्यक्ति को आज इस जनता सरकार ने जो कि बिल्कुल अनपढ़ है, बिजली बोर्ड का मैंबर बना हदया है और उसे नौकरी दे दी है। बिजल बोर्ड को चलाने के लिये एक बड़े इंजीनियर की जरूरत है, दिमागदार व्यक्ति की आव यकता है, टैक्नीकल आदमी की जरूरत है, लेकिन एक अनपढ़ आदमी को उसका मैंबर बना दिया गया, जो कि मेरे खिलाफ इलैक ान लड़ा था और हारा था। उसे टिकट देने का कारण यह था कि वह सैंटर के एक लीडर का दूर का रि तेदार हैं मे ंउस लीडर का नाम नही लेना चाहता । जिस व्यक्ति को जब जनता ने ना मंजूर कर दिया उसको कैसे बिजली बोर्ड का मैंबर बनाया गया? इससे बड़ी करप ान की बात चेयरमैन साहब नही मिलती। ऐसे मैंबर को हटा देना चाहिए, वहां पर किसी काबिल और ट्रेंड आदमी को मैंबर बनाया जाये। एक अनपढ़ आदमी को जो बल्ब के बारे मे नही जानता, उसको क्यों मेंबर बनाया गया ? इससे बड़ी करप ान की मिसाल नही मिल सकती।

अब चेयरमैन साहब, जो मिनिस्टर लिये गये है, वे भी ऐसे ही है। हमारे बड़े पुराने लीडर बैठे है, और दूसरे लोग भी बैठे है, जिन्होंने बड़ी भारी कुरबानी दी है, दे ा की डिवैल्पमैंट मे बड़ा हिस्सा लिया है, लेकिन इस जनता पार्टी ने ऐसे मिनिस्टर बनाए है जो मैट्रिक पास भी नही है।

चेयरमैन साहब हरियाणा पर तो पहले पांच छः करोड़ रूपया का कर्जा चढ़ा हुआ है, इसलिये हमे खर्च कम करना चाहिए। जनता पार्टी लोगो से वायदा भी करके आयी है कि हम कम खर्च करेंगे, लेकिन उसके बावजूद जब हरियाणा का इतन भारी बर्डन है, खर्च को घटाया ही नही, बढ़ाया जा रहा है। हरियाणा पर इतना भारी खर्चे का बर्डन डालना कोई उचित बात नही। हरियाणा मे दो एडवोकेट जनरल बना दिये, एक ही काफी है। उन व्यक्तियों को बनाया है जो तहसील लैवल के वकील है। मैं आपके जरिये प्रार्थना करूंगा कि एक ही एडवोकेट जनरल काफी है। सरकार को इतनी बेदर्दी के साथ पैसा बरबाद नही करना चाहिए, हरियाणा पर इतना ज्यादा कर्जा चढ़ाने की क्या आव यकता है? हरियाणा मे तो पहले ही काफी पैसा बरबाद किया जाता रहा है। इसलिये अब तो वैसी बातें नही होनी चाहिए।

यह जो गवर्नर एड्रैस है, इसमे कहीं नही लिखा हे कि हमारी कैपिटल का क्या फयूचर है। हमारी हरियाणा की राजधानी का फयूचर क्या है। चण्डीगढ़ हमे मिला था। इस चीज के लिये हमारे लीडरों ने और मैंने खुद जेल काटी है, स्कूल के लड़कों ने जेलें काटी है। मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि चण्डीगढ़ के फयूचर के बारे मे बताया जाये, चण्डीगढ़ जो हमरा है उसे लिया जाये और भााह कमी ान का जो अवार्ड है उसको पूरी तरह से इम्प्लीमैंट करवाया जाये। यह बात हरियाणा की जनता कहती है। यह हरियाणा की जनता की भावना है। इसलिये चेयरमैन साहब,

अबोहर और फाजिल्का हमें मिलना चाहिए। आज सैंटर मे भी जनता पार्टी की सरकार है और हरियाणा मे भी जनता पार्टी की सरकार है इस लिये उसको इम्प्लीमैंट करने मे कोई दिक्कत नही है। चेयरमैन साहब, 1967 मे आप भी इस हाउस के मैंबर थे। इसी हाउस मे यूनानिमसली रैजोल्यू ान पास हुआ था कि चण्डीगढ़ हमरा है और इस बात को हमे नही भूलना चाहिए।

चेयरमैन साहब, इस गवर्नर एड्रैस मे किसानो के पांच एकड़ तक का मालिया माफ करने के बारे मे कोई जिक्र नही है। जब हमारी एस.वी.डी. की सरकार थी, तो पांच एकड़ का मालिया माफ कर दिया था। पहली जो सरकार थी, उसने भी जाते जाते पांच एकड़ तक का मालिया माफ कर दिया था, लेकिन इस एड्रैस मे कुछ नही लिखा है। प्रौपर्टी टैक्स सारे हिन्दुस्तान मे कहीं भी नही है। यह टैक्स पंजाब मे भी नही है। हरियाणा मे हाउस टैक्स और प्रौपर्टी टैक्स को मिलाकर 25 परसैंट कर दिया गया था और पिछली सरकार ने प्रौपटी टैक्स माफ कर दिया था, लेकिन इस ऐड्रैस मे कोई जिक्र नही है कि उसको हटाया गया है या नही। यह बहुत ज्यादती की बात है। चण्डीगढ़ मे भी यह टैक्स नही है। इसलिये जल्दी से जल्दी हरियाणा मे प्रौपर्टी टैक्स खत्म कर दिया जाये। चेयरमैन साहब, यहां पर बहुत लोग बैठे है, जिन्होंने जेल काटी है। मैं भी जेल मे था, मूल चंद भी जेल मे थे। हम सब ने जेल देखी है, हम सब जेल मे इकट्ठे थे। जेल की हालत बहुत खराब है। वहां पर गुड़ की चाय मिलती है और रोटी भी पेट भर

कर नही मिलती। मैं चाहता हूं कि खाने की हालत को सुधारा जाये। वहां पर जो दूसरे कैदी है, उनकी हालत भी बहुत खराब है। उनको पेट भर कर खाना भी नही मिलता। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जेल के खाने को इम्प्रूव किया जाये। गुड़ की चाय वहां पर नही मिलनी चाहिए। चीनी की चाय मिलनी चाहिए। मेरी सरकार से यह भी प्रार्थना है कि जेल मैन्युअल मे भी सुधार होना चाहिए।

चेयरमैन साहब, मैं एक बात और सरकार के नोटिस मे लाना चाहता हूं कि पुलिस मे लोग भर्ती किये जाते है उनको पहनने के लिये नीकर दी जाती है हमारे वे नौजवान नीकर से अच्छे नही लगते। वे नंगे खड़े रहते है। उन नौजवानो को नीकर की बजाये पैंट दी जानी चाहिए। अगर वर्दी गर्म हो तो और भी अच्छी बात होगी।

चेयरमैन साहब, मैं सरकार के नोटिस मे लाना चाहता हूं कि साल मे एक एक्साइज वीक सारे हरियाणा मे मनाया जाता है। उस एक्साइज वीक मे पुलिस वालों को कुछ आंकड़े पूरे करने पड़ते है, नम्बर पूरा करना पड़ता है, झूठे केस बनाए जाते है। वे कहते है कि क्या करे, एस.पी. डंडा लेकर पूछते है कि केस पूरे किये है या नही, नम्बर तो पूरा करना पड़ेगा। इसलिये मैं चीफ मिनिस्टर साहब से प्रार्थना करूंगा कि उनको देहात का बहुत तजुर्बा है कि देहात मे तिने ही केस झूठे बनाए जाते है, 90 परसैंट केस झूठे बनाए जाते है उनको बंद किया जाये। एमरजैंसी

मे ग्यारह हजारा झूठे केस बनाए गये और भारीफ आदमियों को गिरफतार किया गया। घर से बेघर किया गया। चार हजार से ज्यादा केस अदालतों मे या थानो मे पैंडिंग है। उनकी इनक्वायरी की जाये और जिनके खिला झूठे केस बनाए गये है, उनको छुटकारा दिलाया जाये। जिन लोगों ने, जिन अफसरो ने झूठे केस बनाए है उनको सजा दी जाए। यही नही 1976 मे सिर्फ जून के महीने मे 20 हजार ट्रैफिक चालान किये गये। सवाज ही पैदा नही होता कि बीस हजार ट्रैफिक चालान एक महीने के अंदर हो। इसकी भी इन्क्वायरी की जाये और जो झूठे केस बनाए गये है, उनकी इनक्वायरी की जाये और अफसरों के खिलाफ इन्क्वायरी करके उनको सजा दी जाये।

चेयरमैन साहब, टीचर्ज का स्टेटस इतना गिर गया है कि कुछ नही कहा जा सकता। मेरी प्रार्थना है कि टीचर्ज जो ने ान बिल्डर्ज है, उनको पूरा मान दिया जाये और जिन टीचर्ज की पिछली सरकार ने नाजायज तौर पर सजा दी, मुअत्तिल किया, रिवर्ट किया उनको फौरी तौर पर सर्विस मे लिया जाये। उने ऊपर जो ज्यादतियां हुई है, उनको दूर किया जाये।

चेयरमैन साहब, एड्रैस मे यह तो कह दिया गया कि नहरी पानी जल्दी से जल्दी दिया जायेगा, लेकिन मैं सरकार से इस बात का अनुरोध करूंगा कि छह महीने के अंदर अंदर सारे हरियाणा की सूखी जमीन को पानी दिया जाये। हम इस काम के लिये सैंटर से भी कर्जा ले सकते है। दूसरे खर्चो मे कमी करके,

या दूसरी जगह यहां पर कुछ करन बहुत जरूरी है, उसी को करके बाकी पैसा बचाकर नहरो के लगाया जायें जो बड़े बड़े लोग है, जिनकी माली हालत अच्छी है, उनसे कर्जा लेकर छः महीने या अधिक से अधिक एक साल के अंदर हरियाणा की सारी सूखी जमीन को पानी दिया जाये। क्योंकि सबसे बड़ी प्रॉब्लम खेती की है। अगर प्रांत मे अनाज काफी पैदा होगा तो हर आदमी को खाने के लिये भोजन मिलेगा, व्यापार बढ़ेगा और सब लोग सुखी होंगे। इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सारी सुखी जमीन को जल्दी से जल्दी पानी दिया जाये।

चेयरमैन साहब, बेरोजगारी की प्रॉब्लम भी बहुत बड़ी समस्या है। सरकार को इसको दूर करना चाहिए। सरकार को इसे दूर करने का सबसे बड़ा नारा भी है। जिनका नाम एक साल से बेरोजगारी के रजिस्टर मे दर्ज है उनको सरकार को बेरोजगारी भत्ता देना चाहिए और एक नया महकमा खोला जाये कि हमारे जो पढ़े लिखे नौजवान बेकार फिरते है, उनको रोजगार दिलाने मे वह महकमा मदद करे। नौजवानो ने जो मांगे पे ा की है, वह उनको मांगे जायज है अच्छी मांगे है और जिम्मेदारी की मांगे है। तो मैं चेयरमैन साहब यह प्रार्थना करता हूं इस सरकार से कि नौजवानो की तरफ पूरा पूरा ध्यान दिया जाये, उनको बरबाद होने से बचाया जाए और उन्हें नौकरियां दी जाये। अगर सब को नौकरी नही दे सकते, तो जिन घरों के लोगो को ज्यादा ज्यादा नौकरियां मिली हुई है, उनको आईंदा न देकर दूसरे घरों के लोगों को भी

नौकरियां मे लिया जाये। सरकार को चाहिए कि सिफारि ा आदि का ख्याल न रखते हुए सिर्फ उन लोगों को नौकरी दी जाये, जो वाकई बेरोजगार हैं चेयरमैन साहब एक दो बाते और कहकर मैं अपना स्थान लूंगा और वे बहुत जरूरी बाते है। लैण्ड सीलिंग कर दी है, किसान का बहुत नुक्सान हो चुका है, लेकिन अर्बन प्रौपर्टी पर कोई सीलिंग नही लगाई गई हैं। मेरी सरकार से यह दरख्वास्त है कि अर्बन प्रापर्टी पर भी पाबन्दी लगा दी जाये।

श्री मूल चंद जैंनः यह तो स्टेह सबजैक्ट नही है.....

श्री जगजीत सिंह पोहलूः चेयरमैन साहब अमला मेरा प्वायंट यह है कि सरकार करप ान करने वालो के साथ अच्दी तरह से निपटे जिससे कि करप ान को बढ़ावा न मिल सके। इसके साथ साथ सरकार के नोटिस मे मैं यह भी लाना चाहता हूं कि आजकल सीमेंट की बड़ी ब्लैक हो रही है इस तरफ ध्यान दिया जाये और इसे रोका जाये। हिन्दु सक्सै ान एक्ट मे भी तरमीम की जाये। यह जो जनता की सरकार हे यह जनता की सरकार बन कर ही रहे, लेकिन अब यह सगार पार्टी बन चुकी है, इस ओर भी लीडरों को ध्यान देना चाहए। अंत मे मै फिर ज्यादा टाईम न लेता हुआ सरकार से इतना ही कहूंगा कि जो जो बातें यहां पर कही गई है, उनकी तरफ ध्यान दिया जाये।

श्री देवेन्द्र वर्मा (थानेसर): आदणीय चेयरमैन साहब, मैं नया नया एम.एल.ए. बन कर आया हूं। पहले तो मैं आप सब

बुजुर्गो से प्रार्थना करता हूं कि वे हम जो नये साथी सुनकर आये है, को आ ीिवाद दे और कदम कदम पर और समय पर हमारा मार्गद ीन करते रहे। मैं भाायद यह गवर्नर एड्रैस से बाहर की बात कर रहा हूं। जेसे लोक नायक श्री जय प्रका ा नारायण जी ने मुक्ल का पथ प्रद ीन करके इसकी आपके हवाले कर दिया उसी तरह से आप हमारा पथ प्रद ीन करके इसकी आपके हवाले कर दिया उसी तरह से आप हमरा पथ प्रद ीन करते रहेगे, आपका आि ीवाद तो हमारे साथ रहेगा ही, और अगर हम कोई गल्ती करें तो हमारा कान पकड़ कर हमें सीधा कर दे। अब मैं कर٥ ान के बारे मे दो चार बाते कहूंगा। समय बहुत थोड़ा है इसलिये बाकी बाते फिर कहूंगा। चेयरमैन साहब अब मैं सिर्फ कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी के बारे मे कुछ बताना चाहता हूं। सब से पहली मांग तो मेरी यह है, मांग भी मैं नही कहता, मैं एक सुजै ान दे रहा हूं कि बी. एन. चक्रवर्ती के नाम से जितनी भी चीजें है, चाहे कोइ लेक है, चाहे कोई नहर है या कोइ एजुके ानल इंस्टीच्यू ान या कालिज है, उन से उसका नाम काट दिया जाये और उनका नाम दे ाभक्तों के नाम पर रखा जायें दूसरी बात मैं चेयरमैन साहब यह कहना चाहता हूं कि हमारी यूनिवर्सिटी मे दो हास्टल है जिनका नाम प्रताप होस्टल और नरहरि होस्टल है। इसी तरह से और भी कई जगह एजुके ानल इंस्टीच्यू ानज का ऐसे राजनैतिक व्यक्तियों के नाम पर रखा गया है जो कि बिल्कुल गल्त है इसलिये उन नामो को बदल कर उनके नाम दे ाभक्तों के नाम पर रखे जायें जैसे चन्द्र ोखर और भक्त

सिंह आदि हैं यह मेरी सुजै ान है डिसाइड तो गवर्नमैंट ने करना है। चेयरमैन साहब, मैं जो सब से बड़ी बात कहने जा रहा हूं वह यह है कि हमारी यूनिवर्सिटी मे बड़ी धांधलेबाजी हुई । युनिवर्सिटी मे ही नही बल्कि हमारे जिले मे भी बड़ी धांनधली हुई जिसका सबूत एक एस.पी. राठोर है जिनको अम्बाला जिले के सिर पर ला कर बैठा दिया है। मैं पहले यूनिवर्सिटी की बात कर लूं राठौर साहब की बात बाद मे करूंगा। उस यूनिवर्सिटी मे स्टूडैंटस की मेजोरिटी ने, टीचिंग स्टाफ ने और एम्पलाइज ने बार बार ि ाकायतें भी की लेकिन उनको ि ाकायतों पर आज तक कोई गौर नही की गई जिसका सबूत यह है कि जब वहां जय प्रका ा नारायण जो आये उन्होंने वाइस चांसलर के खिलाफ तो कुछ नही कहा मगर यह यह कहा कि तुम अपने रास्ते पर ठीक आ जाओ। इसी तरह से जब श्री चन्द्र ोखर जो इलैक ान के दौरान वहां आये तो उन्होनें का कि वाइस चांसलर साहब, सब लोगों के दिमाग जनता ने बदल दिये है आप भी अपना दिमाग बदलो लेकिन उन्होंने आज तक अपना दिमाग नही बदला। चेयरमैन साहब, सब से पहली बात तो यह है कि उनके खिलाफ इन्कावायरी बिठाई जाये और इंकवायरी से पहले उनको सस्पेन्ड किया जाये और तुरंत उनको गिरफतार किया जाये। उनके थोड़ थोड़े सबूत मैं आपको और दूंगा। सब से पहला तो यह है कि बिल्डिंग बनाने के लिये ठेके दिये जाते है और बहुत सारे ठेकेदार अपनी अपनी लिस्टें ले कर आते है। एक गुजराल साहब ठेकेदार है जो कि हमारे सैंटर के एक मंत्री जो गुजराल साहब होते थे, उनके

रि तेदार है। वे सब से पहले ठेकेदार थे जिनको ठेके दिये गये। ठेकों के बारे मे तो इन्कवारी ही बतायेगी लेकिन एक बात जरूरी है कि यूनिवर्सिटी मे एक कमेटी बनी हुई है जिसने 80 हजार रूपया उस आदमी को जुर्माना किया लेकिन वाइस चांसलर साहब ने धोखेबाजी से और लोगो की आंखों मे धूल झोंक कर उसी जुर्माने को माफ करवाया और सिर्फ सौ रूपया जुर्माना रखा गया। इसी तरह से और भी केस है जिनकी वजह से यूनिवर्सिटी को 1.5 लाख का नुकसान हुआ। अलग प्वायंट मेरा यह हे कि संजय गांधी जी के नेतृत्व मे एक कैम्प लगा जिस मे गलत तरीके से चालीस हजार रूपये दिये गये। मैं चाहता हूं कि उसकी भी इंकवायरी की जायें वाइस चांसलर साहब ने पैसे की ही हेराफेरी नही कि बल्कि जो लोग फेल हो जाते है उनको पास करवते है और जो पास होते है उनको फेल करवाते हैं इन चीजो के सबूत भी मेरे पास है। आप नाम नोट कर लें तेजेन्द्र मोहन सिंह सन आफ श्री बखतावर सिंह। बखतावर सिंह जी अम्बाला के अच्छे वकील है, मेरे बुजुर्ग है और मैं उनको अच्छी तरह से जानता हूं। मैं उनकी इज्जत भी करता हूं। इस केस मे जितनी धांधली हुई वह काबिले गौर है। इस केस मे सब से ज्यादा इमदाद वहां के एक हैड आफ दी डिपार्टमैंट श्री फूल सिंह जी, ने की कई कई बार पेपरों को निकाला गया औन उन मे गल्त भीटें ऐड कर दी गई लेकिन उसके बावजूद भी उसे पास न कर सके। फिर रूल बदले गये और वे रूल दूसरे स्टूडेंट्स पर लागू नही किये गयें । अगला मेरा प्वायंट यह है कि वहां 153 स्टूडेन्टस ऐसे हे जिनके ऊपर

क्रिमीनल केस बनाये गये और उनको रेस्टीकेट किया गया। बी.सी. के मुहं से सस्पेन् ान ओर रेस्टीके ान तो पहला भाब्द निकलता है। वे कहते है ''किक हिम आउट, टर्न हिम आउट गो टू दा कोर्ट''। वह तो चेयरमैन साहब अंग्रेज है जो कि हमारे ऊपर थोप दिये गये है। वे इतने सालो से वहां पर रह रहे हे लेकिन हिन्दी बोलना नही जानते। मैं प्रेजीडेंटि ाप खुद छोड़ना चाहता था लेकिन यूनिवर्सिटी की अथार्टिज ने और गवर्नमैंट ने मुझे वहां से एक्सपेल करके बाहर निकाल दिया। मेरे साथ उन्होंने हमे ाा अंग्रेजी मे बात की मगर मैंने हमे ाा हिन्दी मे बात की। अगला केस प्रोफेसरो और स्टाफ की भर्ती के बारे मे है जिनमे से कुछ के नाम मैं ले रहा हूं। सब से पहले तो फिलासफी और सइकलोजी डिपार्टमैंट मे एक प्रोफेसर श्री अमर सिंह रखे गये । यह केस बड़ा लम्बा है, इसलिये सारी डिटेल नही बताऊंगा । इसी तरह संस्कृत डिपार्टमैंट मे भी एक श्री अमर सिंह रखे गये, वह भी किसी के रिलेटिव थे जिनका कि मैं नाम नही लूंगा। इसी तरह से डा.एच. एल. भटनागर को रीजनल इंजीनियरिंग कालेज से ला कर यूनिवर्सिटी मे थोप दिया गया, दूसरे लोगो की सीनियारिटी काट कर उनको प्रोफेसर बना दिया गया। इसी वजह से जियालोजी डिपार्टमैंट के डॉ. दत्ता गुप्ता है जिनको पिलानी से लाया गया, इसकी भी इन्कवायरी की जाये। इसी तरह से चेयरमैन साहब, डिस्पौन्सरी मे एक डेंटल सर्जन जिसकी कोई जरूरत नही थी, रखा गया। यह अप्वायंटमैंट भी गल्त तरीके से की गई है। इसी तरह से बहुत बड़ी तादाद मे टीचर्ज, प्रौफैसर्ज तथा और स्टाफ भी

रखा गया है, वह सब स्टैंडर्ड हैं उनकी क्वालिफिके ान कम थी उनको सिलैक्ट करने के वक्त उनसे ज्यादा क्वालीफाइड आदमी और आये थे जिनको इग्नोर करके इन्हे लिया गया। जो रखे गये वे भाई भतीजावाद के बेस पर, सरकार सिफारि ा जिस मे चीफ मिनिस्टर भी आते है या सैंटर के मिनिस्टरों की सिफारि ाों के बेस पर रखे गये । (विघ्न) चेयरमैन साहब, ऐसा है कि मुझे अभी दरवाजे का भी पता नही कि किस दरवाजे से आया जाता है और किस दरवाजे से जाया जाता है।

श्री सभापतिः आप थोड़ा ब्रीफ करे।

श्री देवेन्द्र भार्माः इसी तरह से वहां पर कंट्रालर रखा गया और जो एज पार कर गये उनको भी वहीं रखा गया। इंजीनियरिंग कालेज के प्रिंसिपल बी.एन. सैन है उनको भी गल्त तरीके से रखा गयां इसके अलावा वहां लोगों पर और भी बहुत जुल्म हुए है मैं उनमे से कुछ सिलैक्टिड आदमियों के नाम आपको बताता हूं। मैं किसी स्टूडैंट का नाम नही ले रहा हूं और नही अपना नाम ले रहा हूं। मेरे साथी रो ान लाल को इतना मार मार कर बेकार कर दिया और मैं भी उस मे से हूं। रो ान लाल को इतना मारा कि उसका भारीर आज तक ठीक नही हुआ। 53 स्टूडैंटस तो ऐसे है जिनको इतना पीटा गया कि वे, मेरा ख्याल है, जिन्दगी मे दुबारा ठीक नही होंगे। मैं ज्यादा नाम नही लूंगा इसलिये मैं प्रोफेसरों के नाम छोड़ देता हूं मैं यह लिस्ट यहां दे देता हूं (विघ्न) मेरे पास दूसरी लिस्ट हैं। एक केस बड़ा जरूरी है

अगर आप इजाजत दे तो मैं उनका नाम ले दूं। एक हमारे डा. बलदेव सिंह जी थे–

श्री सभापतिः ऐसा है आप पास जो कुछ है, दे दीजिये, एग्जामिल कर लेंगे और अगर मुनासिब होगा तो हाउस मे सब देंगे।

श्री देवेन्द्र भार्माः मैं अपने नौजवान साथियो को बताना चाहता हूं कि कैसे हुआ?

चेयरमैनः आप सर्कुलर पढ़िये जो आप पढ़ना चाहते है।

श्री देवेन्द्र भार्माः हमारे वाइस चांसलर किस तरीके से नोटिस निकालते थे और वह कैसे जयप्रका ा नारायण जी और उनके साथ वालों के खिलाफ जाते थे। मैं एक छोटा सा इंग्लि ा का सर्कुलर पढ़ता हूं–

"There was a Seminar attended by students and teachers in the Departement of Education pm 4.12.74. There you made a clear speech supporting J.P. Naryain's movement knowing fully well that one of the demands of the supporters of this movement is to remove the Vice Chancellor of this University and the cancellation of the expulsion orders passed bny the authorities on sudents who indulged in dindiscipline. Your intention obviously was to incite the students' againt the authorities."

"Dr. Pandit spoke at a time when some students were creating disruption in the University by making an agitation called "Bihar types" movement. Moreover, an expelled students Mr. Davinder Nath Shamra who was president of Students Union

brought Mr. J.P. Narayan to Kurukshertra and in ameeting held in the city it was reported that mr. J.P. Narayan made certain remarks against the University authorities. About 100 teachers expressed their pain that a man of the stature of Mr. J.P. Narayan should have made those remarks without verifiying the facts."

वे जय प्रका ा नारायण जी के कितने खिलाफ रहे। उन्होंने लोगो के गले मे अगूंठा देकर जब्रदस्ती उनसे साइन करवाए और जयप्रका ा नारायण जी पर गलत तरीके से थोपा गया। यह इंकवायरी तो बहुत लम्बी थी लेकिन समय थोड़ा है इसलिय मैं ये कागज यहां पर मंत्री महोदय को दे देता हूं। मैं बताना तो और भी चाहता था लेकिन आईम कम होने की वजह से मैं ऐसा नही कर सकूंगा अतः इतना कह कर मैं अपना स्थान लेता हूं।

स्वामी अग्निवे ा (पुंडरी): आदरणीय सभापति महोदय, अभी मुझ से पहले विपक्ष के मेरे माननीय साथियों ने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण की आलोचना करते हुए कुछ ऐसी गैरजिम्मेदाराना बातें कहीं है जिनकी ओर मैं सदन का ध्यान आकर्शित करना चाहता हूं। उन्होंने यह कहा कि अभिभाशण गालियों से भरा हुआ हैं यदि उनके अपने दिमाग मे गालियां भरी हुई है तो अलग बात है। मैं इस अभिभाशण को तीन बार पढ़ चुका हूं मुझे तो इसमे एक भी गाली नही मिली। वे कहते है कि इसमे कोइ रचनात्मक कार्यक्रम नही दिखाया गया है। कहावत है कि सावन के अंधे को हरा ही हरा दिखाई देता है। इन लोगो ने

इतनी देर तक सत्ता मे रहते हुए कोई भी अच्छा काम सिवाए अपनी कोठियों और गाड़ियों की मुरम्मत करवाने के नही किया। आज इनको इतने ठोस कार्यक्रम के अंदर कोई रचनात्मक चीज दिखाई नही पड़ रही है तो इसमे राज्यपाल महोदय का दोश नही है बल्कि इनको अपने दिमाग का इलाज करवाना चाहये । आदरणीय राव साहब ने राजयपाल महोदय के अभिभाशण की आलोचना करते हुए भ्रश्टाचार और दूनिया भर की बातें कही। मुझे बड़ी खु ाी होती अगर वे यह बताते कि इसके अंदर जो बाते कही गई है उनमे से कौन सी बात ऐसी है जो भ्रश्टाचार को बढ़ावा देना चाहती है। यदि वे ऐसी कोई चीज प्वायंट आउट करते तो मैं उन के क्रिटिसिज्म को कंस्ट्रक्टिव क्रिटिसिज्म समझता। अभिभाशण के अंदर जो ठोस सुझाव रखे गये है उन सुझावों को यदि कोई रचनात्मक आलोचना करते तो मैं उनका सम्मान करता। मुझे इस बात की खु ाी हे कि इन्होंने यह स्वीकारा कि अभिभाशण तो बहुत बढ़िया हे लेकिन इसके ऊपर अमल होगा या नही इसके बारे मे इनका यह संदेह स्वाभाविक ही है क्योंकि जिस परम्परा मे ये पल कर आए हे उसमे इस प्रकार के संदेह की गुंजाय ा है। तीस साल से चली आ रही ताना ाही परम्परा को जनता ने सामप्त कर दिया है और अब एक नया युग भाुरू हुआ है, नया अध्याय भाुरू हुआ हैं जनता की सरकार ओर राज्यो मे बनने के बाद जब वह चीज खत्म हो चुकी है। इसलिये राव साहब इतमीनान रखे कि इसमे जो चीजे कही गई है उन पर अइमल किया जायेगां इसके लिये हमें समय चाहिये, जनता का

समर्थन हमें मिल रहा है और इतनी तेजी से मिल रहा है जितनी कि हमें उम्मीद भी नही थी। ये कहते है कि भ्रश्टाचार समाप्त करने की बाते पहली भी कही गई लेकिन अमल नही हुआ । अमल नही हो सकता था क्योंकि कांग्रेस पार्टी की हकूमत पिछले तीस साल से दे ा मे चली आ रही थी। जब भी चुनाव का मौका आता था तो पूंजीपतियों से पैसा इकट्ठा किया जाता था । लेकिन यह पहली बार मौका आया है कि जब जनता पाट्री ने मजदूर किसानो के पैसे से चुनाव लड़ा किसी पूंजीपति, जैसे बिड़ला टाटा या डी. डी.पूरी जेसे सरमायदारों से पैसा लेकर चुनाव नही लड़ा। जनता ने हमे अपना पूरा सहयोग दिया। आज जो हमारे जनता पार्टी के 75 विधायक जीत कर आये है। वे सारे के सारे अपने पल्ले से पैसा लगा कर यहां नही आ सकते थे लेकिन जनता की वजह से वह आज यहां बैठे है। एक एक विधायक इस बात के लिये वचनबद्ध है कि वह उस जनता की सेवा दिलो जान से करेगा जिस जनता से वह नोट और वोट लेकर आया है। पहले जो सरमाएदारो की थैलियों के बलबूते पर जीत कर आया करते थे वे सिर्फ सरमाएदारों को ही परमिट और लाइसैंस दिया करते थे और वही था भ्रश्टाचार जिसको जनता पार्टी ने अब समाप्त कर दिया है। राव साहब ने यह कहा कि फाजिल्का और अबोहर के बारे मे राज्यपाल महोदय ने कुछ नही कहा है। उन्होंने आगे कहा कि वि ाल हरियाणा पार्टी उन्होंने बनाई पता नही कितनी बड़ी पार्टी बनानी थी ओर कितनी बड़ो उनकी कल्पनाएं थी, लेकिन आज वे 4–5 आदमी रह गये । उनकी कथनी और करनी मे कितना अंतर

है। हमारे दे ा की राजनीति का यह दुर्भाग्य रहा है कि जो लोग इस प्रकार की बाते कहते है, उनकी अपनी क्रेडिबिलिटी कुछ नही, उनको अपनी बातों पर वि वास नही रह गया। फिर राव साहब आज फाजिल्का अबोहर के लिये सरकार की आलोचना करने के लिये खड़े हुए है। में उनसे पूछना चाहता हूं कि जिस दिन चण्डीगढ़ की सौदेबाजी हो रही थी उस दिन वो कहां सो रहे थे। मैं पूछता हूं कि जिस दिन मेरे दे ा के कालेज के नौजवान लड़कों को भड़का भड़का कर उन्होंने सड़कों पर ला कर खड़ा किया था और नारा लगाया था कि चण्डीगढ़ सारे का सारा हमारा है, जिस समय रेवाड़ी के प्लेटफार्म नौजवानो के खून से लथपथ हो गया, उस समय हमारे राव बीरेन्द्र सिंह जी कहां सो रहे थे। मैं पूछना चाहता हूं कि जिस समय वही बंसीलाल जी नौजवानों के सीने मे संगीन घोंप करके और उनके खून से सने हुए हाथों को लेकर जब रेवाड़ी पहुंचता है, उन नौजवानों की छाती पर कदम रख कर जब वह रेवाड़ी पहुंचता है तो उस समय उसका धिक्कार करने और अपमान करने के बदले हमारे राव साहब बीरेन्द्र सिंह, अपनी छाती से लगा कर उनसे गले मिलते है और उनका अभिवादन करते है। (तालियां) मैं पूछना चाहता हूं राव साहब, आपने अपने मंच के ऊपर बुला करके उस बंसी लाल को स्वागत किया। आप मुझे कैसे धोखा दे सकते है (विघ्न) फैसला क्या हो गया, आपको चाहिए था उस समय बंसी लाल का बाई काट करते। अपने कालेज की बिल्डिंगों मे उन को बुला करके, फण्ड इकट्ठा करने के लिये अपने इलाके मे कुछ नाजायज काम करवाने के

लिये (राव बीरेन्द्र सिंह की तरफ से विघ्न) मैं कहना यह चाहता हूं कि अब हम सारे के सारे एक नये युग के अंदर प्रवे ा करना चाहते है। मैं आदर करूंगा मेरे विरोधी पक्ष के जो सम्माननीय नेता है, वे खड़े होकर कुछ ऐसी बातें कहते है जिन्होंने अपने जीवन मे कभी अमल नही किया जिससे जनता को प्रेरणा मिल सके। (विघ्न)

Mr. Chairman: No intrruptions please बीच मे दखल न दे।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री जगन नाथ): आन ए प्वायंट आफ आर्डर । राव साहब बीच मे बोल रहे है या तो वे अपनी सीट पर जाकर बोले वर्ना मा र्ल को बुला करके इनको बैठाए ।

स्वामी अग्निवे ा: आदरणीय सभापति महोदय, आज यह वक्त नही था सारी बाते कहने का। मैं तो यह समझता था कि इस नये अंदाज मे, नये दौर मे हमारे ये विरोधी पक्ष के साथी एक नई आवाज और लहर के साथ मिल करके काम करेंगे। लेकिन इन्होंने वही पुराना रवैया जारी किया हुआ है कि विरोधी के लिये विरोध। जितना सहयोग इनको देना चाहिए, ईमानदारी के साथ इम्दाद करनी चाहिए, गलत बातें नही कहनी चाहिए। एक तरफ तो बंसी लाल का वहां बैठ करके स्वागत करते रहे, एजुके ान इंस्टीच्यू ान्ज के नाम पर हजारो रूपये लूटते रहे, बच्चों को भर्ती के नाम पर आज भ्रश्टाचार के खिलाफ बाते करते है। मैं पूछना

चाहता हूं कि इस प्रकार के भ्रश्टाचार के जन्मदाता हरियााणा के अंदर बंसी लाल को बुला करके स्वागत करना क्या भ्रश्टाचार को बढ़ावा देना नही थां जब नसबंदिया हो रही थी, जिस समय लोग अपने घरों मे छिप कर खोलों मे जाकर राते बिताते थे, उस समय हमारे ये राव बीरेन्द्र सिंह जी बंसी लाल के साथ बैठकर राम नगर की कोठी मे चाय पीते थे और आज ये यहां उपदे ा देने के लिये बैठे हुए है कि भ्रश्टाचार बढ़ गया है और भ्रश्टाचार यह नई सरकार नही रोक सकती। मैं पूछना चाहता हूं कि आज इन के दिल के अंदर भ्रश्टाचार के खिलाफ जो इतना दर्द पैदा हो गया है, जिस समय भ्रश्टाचार को बुनियाद से उखाड़ करके दे ा के अंदर एक नई क्रांति का आवाहन करने वाला लोक नायक श्री जय प्रका ा नारायण रिवाड़ी के अंदर पहुंचा तो राव साहब जो बंसी लाल का स्वागत करने के दिल के लिये फूल मालाएं लेकर दौड़ते थे वह जय प्रका ा नारायण जी को काले झंडे दिखाते है। इससे बढ़ कर भार्म की बात और क्या हो सकती है। (थम्पिंग) मैं प्रमाण पे ा कर सकता हूं। मैं नई सरकार से अनुरोध करूंगा कि मैं जो जो बातें कह रहा हूं बड़ी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं। यदि मेरी बातें गलत हो तो सदन मे गलत बात कहने वाले को माफ नही करना चाहिए, सजा मिलनी चाहिए। इस बात की जांच होनी चाहिए कि जो जो बात मै कह रहा हूं.....

राव बीरेन्द्र सिंहः मैं भी कहता हूं कि जांच करवा लें (विघ्न– ोम– ोम की आवाजें)

स्वामी अग्निवे ा: आदरणीय सभापति महोदय, एक दूसरे साथी बोल करके यहां से चले गये। परमात्मा उनको सेहत दे, वे इलाज करवाना चाहते है। लेकिन जिस तरीके से वे अपनी सेहत की रक्षा करना चाहते है, मुझे नही लगता उनकी सेहत कुछ ज्यादा दिनो तक रह सकती है। आदरणीय हरद्वारी लाल जी ने उपदे ा दिया, चरित्र की बातें कही, नैतिकता की बातें कही। हितोपदे ा की कहानियां मुझे याद आती है कि एक बिल्ली सौ चूहें खाकर हज करने गई। इस प्रकार के लोग–डैविल कोटिंग सक्रिप्चर्ज–यह कब तक चलेगा हमारे दे ा के अंदर। जो कल तक यहां बैठे हुए थे, हिज मैजेस्टीज लायल अपोजी ान बन करके आज वो हमें बताने के लिये खड़े हुए है कि हमें किस प्रकार से भाासन चलाना चाहिए, किस प्रकार से अपोजी ान को मौका देना चाहिए। मुझे कुछ ऐसा लगता है कि जिन बुजुर्ग नेताओ से हमारे जैसे नौजवान सीखने के लिये आये हुए थे, उन्होंने आज अपने भाशणों द्वारा बहुत निरा ा किया है और मैं आगे कम से कम उनसे उम्मीद करता हूं कि इस प्रकार की जो गलतियां है, उनमे वो नही पड़ेंगे। राज्यपाल जी का अभिभाशण बड़ी जिम्मेदारी के साथ बड़ी दूरदर्िाता के साथ तैयार किया गया है। पीने के पानी की जो बात कही गई है, वह बुनियादी बात कही गई है। इस दे ा को 30 साल हो गए है आजाद हुए, भााराब की नदियां बहा दी गई बंसी लाल जी के द्वारा । बस अड्डों के सामने लाल लाल बोतलें लटका दी। उन बोतलों के अदर भाराब नही बल्कि मेरे मासूम मजदूर और किसान के बच्चों का खून निचोड़ निचोड़

करके भरा हुआ हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि भाराब की नदियां बहा दी गई लेकिन इन तीस साल मे पानी का इंतजाम नही कर सकी वह सरकार आज तक। हमारी सरकार ने आने के बाद इस बात का संकल्प किया है कि हम गांव गांव मे, घर घर तक पीने के पानी का इंतजाम करेंगे। इस काम के अंदर आएं और हमारा साथ दें। नहरे खोदने का जब वक्त आएगा तो हमारे साथ कंधे के साथ कंधा मिला करके फावड़ा और कुदाली लेकर आएं मैदान मे। अपोजी ान के कार्यकर्ताओं का हम स्वागत करेंगे। यह सरकार जनता ने अपने हाथो बनाई है और जनता की सरकार जनता के सहयोग से घर घर मे पीने के पानी का इंतजाम करना चाहती है। कहते है कि कोई नई बात हमें इस अभिभाशण मे दिखाई नही पड़ी। नई बात इनको यह दिखाई पड़नी चाहिए थी। वह पृश्ठ 2 पर साफ लिखा हुआ है–

''एक सच्चे कल्याणकारी राज्य की स्थापना नही हो सकेगी। इसलिये नयी सरकार भ्रश्टाचार को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प है। इस अभीश्ट की प्राप्ति के लिये चंदा इकट्ठा करने पर रोक लगा दी गई है तथा सभी जिलाधी ाों और विभागाध्यक्षों को हिदायते जारी की गई है कि वे अपने कार्य क्षेत्रो से प्राप्त ि ाकायतों को निपटान स्वयं तत्परता और निश्पक्षता से करे। जिससे वे समाज के भाोशक एवं बेईमान तत्वों का ि ाकार न बनें तथा उन्हें प्र ाासन के उच्च स्तर पर अपनी समस्याओं के समाधान के लिये चण्डीगढ़ आने का कश्ट न उठाना पड़े।''

एक बुनियादी चीज खड़ी की गई है। आज तक हमने इस दे ा मे सत्ता का केन्द्रीयकरण देखा है। सत्ता सिमट करके चण्डीगढ़ मे और चण्डीगढ़ मे भी एक मुख्य मंत्री के हाथ मे। मंत्रीगण भी होते थे, पता नही क्यों पोसवाल साहब उठ कर चले गये, उनको पता है कि किस प्रकार कैबिनेट मिनिस्टरों के साथ चपड़ासी जैसा सलूक किया जाता था। मुख्य मंत्री, प्रधान मंत्री के सामने जाकर के घुटने टेकता था। एक जर्मन कौंसलर ने मुझे बताया। वो बात कर रहा था कि प्रधान मंत्री के साथ तो वहां डिफैंस मिनिस्टर आया ओर आकर के सामने सोफे पर बैठने की बजाये प्रधान मंत्री के चरणो के नीचे गलीचे पर बैठ गया। (ोम– ोम)। इस प्रकार के तो मुख्य मंत्री हुआ करते थे। उत्तर प्रदे ा जैसे महान प्रांत के मुख्य मंत्री, संजय गांधी जैसे नाचीज के जूते और चप्पल उठा कर घूमा करते थे। यह भ्ाासन का नजारा था। आज जनता पार्टी ने इस सारे ढांचे को तोड़ करके एक इंकलाब का नया आयाम दिया । मैं कहना चाहता हूं कि यह जो सत्ता का केंद्रीकरण है, हम सत्ता को एक हाथ मे नही रखना चाहते। मोरारजी भाई ने कहा कि सत्ता का विकेन्द्रीकरण होगा। चौधरी चरण सिंह ने कहा कि सत्ता का विकेन्द्रीयकरण होगा। अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा कि हम सत्ता को गांव तक पहुंचाना चाहते है। जनता पार्टी के नेता श्री चन्द्र ोखर सत्ता को प्रांतों मे और प्रांतो के बाद जिला, जिला के बाद पंचायतों तक पहुंचाना चाहते, गांव की एक झोंपड़ी तक पहुंचाना चाहते है। मुख्य मंत्री महोदय का यह फैसला, हमारी सरकार का यह फैसला कि हमारी

जनता को यहां चण्डीगढ़ न आना पड़े बल्कि हमारे जो अफसर है, हमारे एम.एल.ए. महोदय है और भी दूसरे अधिकारी है, वे पेड़ के नीचे बैठ करके, चारपाई पर बैठकर लोगो के दुख और दर्द को सुनेंगे। मैं समझता हूं कि यह हरियाणा के अंदर पहली बार हो रहा है और इसका विपक्ष के लोगों को ईमानदारी के साथ स्वागत करना चाहिए (तालियां)। सभापति महोदय, बाते तो बहुत सी है, लेकिन जो बुनियादी चीज हमें इसके अंदर दिखाई पड़नी चाहिए थी, वह इनको दिखाई नही देती। मैं क्या करूं, अगर कोई अंधा आदमी हो उसको तो भाायद फिर भी कुछ दिखाया जा सके, लेकिन आंख जिसकी खुली हुई हो और फिर भी वह देखना न चाहे तो इसका दुनियां के अंदर इजाज निकला नही। पृश्ठ 4 के ऊपर साफ लिखा हुआ है:—

'ग्रामीण बेरोजगारी और निर्धनता की समस्या को सुलझाने के लिए तथा महात्मा गांधी के सिद्धातों के अनुसार ग्रामीण समाज को यथासम्भव स्वावलम्बी बनाने के लिए यह परिवर्तन आव यक है।'

मैं ऊपर का भाग न पढ़ता हुआ इस खास वाक्य की तरफ मननीय सदस्यों का ध्यान आकर्शित करना चाहता हूं। महात्मा गांधी के सपनों का भारत, नेहरू जी और उनकी बेटी इंदिरा ने कहा था कि हम गांधी जी के कदमों पर चलेंगे। गांधी जी के कदमों पर चलने वाली सरकार ने 1947 में जिस बिरला की कुल मिलाकर 27 करोड़ रूपये की पूंजी थी, वह इंदिरा गांधी ने,

जब अपने दस साल डायनेमिक रिजीम के पूरे कएि, उस बिला के पास उस समय 1200 करोड़ रूपये की पूंजी हो गई। समाजवाद की बातें करने वाली सरकार, गरीब और अमीर के बीच की खाई पाटने वाली सरकार, इन्सान और इन्सान के बीच की दीवार को तोड़ने की बात कहने वाली सरकार ने 27 करोड़ की बजाये बिरला की तिजौरी में 1200 करोड़ रूपये भर दिए। यह कौन सा समाजवाद था। महात्मा गांधी ने कहा था कि दे ा के अन्दर कुटीर उद्योग होने चाहिए। आज चौधरी चरण सिंह जी ने कहा कि गांधीइज्म की तरफ हम कैसे जा सकते हैं, इस बात के लिए उन्होंने पूरा कार्यक्रम तैयार किया है। जनता पार्टी के मैनिफैस्टो, में एक एक भाब्द के अन्दर नया जीवन भरा हुआ है। हम चाहते हैं कि बड़े बड़े कारखानों में जो कपड़ा बनता है, टाटा टैक्सटाइल, बाम्बे डाईंग और मफ्तलाल ग्रुप में ये नहीं बनने चाहिए। कपड़ा मेरे गांव के किसानों के और जुलाहों के घरों में बनना चाहिए। हमारी सरकार चाहती है कि ये जो बड़े बड़े कारखाने लगाये जाते हैं जूतों के, ये नहीं लगने चाहिएं। बाटा और पलैक्स बगैरा के कारखाने नहीं लगने चाहिए। हमारे गांव के जो श्रमिक वर्ग हैं, उनको रोजी रोटी का यह साधन मिलना चाहिए। जितना हमसे आर्थिक सता का विकेन्द्रीयकरण हो सकता है उतना हम करना चाहते हैं। इसका यह मतलब नहीं कि हैवी इंडस्ट्रीज हम रोक देंगे, लेकिन जो कंज्यूमर्ज इंडस्ट्रीज हैं, जो उपभोग के उद्योग हैं, उनको हम चाहते है। कि गांव गांव तक पहुंचाए। तो यह एक नया समाज बनाने की परिकल्पना हमारे सामने हैं। इसको यह कह देना

कि बुनियादी कार्यक्रम नहीं है, कोई नया परिवर्तन नहीं दिखाई पड़ रहा, इससे बढ़कर आ चर्य की और कोई बात नहीं हो सकती। मैं यह समझता हूं कि आगे से हमारे जो विरोधी पक्ष के साथी हैं वे अपनी जिम्मेदारियों को और गहराई से अनुभव करेंगे। इतना कहकर मैं समाप्त करता हूं। इस सदन के अन्दर नये नौजवान चुनकर आए हैं। 90 में से 60 आदमी इस सदन में पहली बार आए हैं और वे इस उम्मीद से आए हैं कि हम मिलकर के काम करेंगे, संगठित होकर काम करेंगे और हरियाणा को खु ाहाली का रास्ता दिखाएंगे। हमें गर्व हैं कि पूरी ताकत के साथ हमारे मुख्य मंत्री और हमारे सभी दूसरे नेता राज्यपाल जी के भाशण के एक एक भाब्द को क्रियान्वित करने के लिए कटिबद्ध हैं और हम उन्हें हर एक एम.एल.ए. की तरफ से पूरा आ वासन देते हैं कि उनको इस बात का पूरा समर्थन प्राप्त होगा। विपक्ष के नेता और दूसरे विधायक, इन कार्यों में सहयोग करना चाहते हैं तो हम आगे बढ़कर उनका स्वागत करेंगे। अन्त में मैं यही कहना चाहूंगा कि हमें नये तरीके से सोचना चाहिए, कथनी और करनी में जो अन्तर आज तक रहा है, वह हमें समाप्त करना चाहिए। जो नया दौर भाुरू हुआ है, जनता की जो आकाक्षाएं जगी हैं, उनको पूरा करने के लिए हमें कृत संकल्प होना चाहिए। धन्यवाद।

श्रीमति भाान्ति देवी (कैलाना): माननीय चेयरमैन महोदय, मैं समझती हूं कि हमारे गवर्नर साहब ने एक चीज सच्चाई से स्वीकार कर ली है, उसमें कोई चीज छोड़ने का सवाल

पैदा नहीं होता। उन्होंने सच्चाई से स्वीकार किया है कि कांग्रेस ने अपने राज्य के अन्दर कागजी सरकार चलाई, कागजों तक सीमित रखा और गवर्नर साहब ने अपेक्षा रखी की जिन चीजों की जनता को जरूरत थी, उनकी यह जनता, जनता सरकार से अपेक्षा रखेगी और खुले तौर पर पानी का मसला, बेरोजगारी का मसला और अन्य प्रकार की सभी बातें उन्हौंने अपने अभिभाशण में कही है जो स्वागत के योग्य हैं। यदि इसकी कोई अलोचना करता हैं तो वही व्यक्ति करता है, जो अपने कार्याकाल में मौन था। मैं खु ा होती अगर वे हमारे बीच में होते, लेकिन वे नये चेहरे जिनको कुछ कहना था, उठ कर चले गये है। राव साहब, जिनको विपक्ष ने बनाकर के भेजा इस हरियाणा की जनता ने राव साहब को ही नहीं, अनेकों को विपक्ष ने बनाकर के भेजा इस हरियाणा की जनता ने राव साहब को इ ाारा करके कह रहे थे कि बिकाऊ माल काफी बैठा हुआ है। लेकिन मैं उनसे पूछती अगर वे बैठे होते कि बिकाऊ माल वह है जो कांग्रेस के अन्दर घुसने के लिए पांच साल तक मौन रहे। तलवे चाटते रहे बंसी लाल के कि किसी तरह मुझे मौका मिले कांग्रेस में घुसने के लिए। लेकिन अन्त में उनको मिला क्या ? अत्याचार सहते रहे, बोलती बन्द हो गई, एक आवाज भी वह नहीं उठा सके। मैं कहती हूं बंसी लाल इतना दोशी नहीं है जितना ये दोशी हैं जो हमने बनाकर भेजे थे, जिन्होंने हमारे लिए एक आवाज भी नहीं उठाई और मौन हाकेर बैठे रहे। केवल इसलिए कि किसी तरह से कांग्रेस क अन्दर घुसने

का मौका मिल जाए। आज उनके साथ बना क्या, यह सुन लीजिएः—

'बड़े बे—आबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले'

जब मौका नहीं मिला तो फिर वही अपनी पुरानी पार्टी, जिसकी हरियाणा के लोग इज्जत करते थे, वि ाल हरियाणा के नाम से जानी जाती थी, उस बेचारे ने उसका सहारा लिया। मैं मानती हूं कि जैसे तैसे करके पैसे के बल पर पांच सीटें ले ली हैं, लेकिन जिस प्रकार की वे आज ऊंची गर्दन करके बातें करते हैं, बिल्कुल बरदा त नहीं किया जाएगा। जिस वक्त हरियाणा की जनता के ऊपर अत्याचार हो रहे थे उस वक्त वे कहां थे, जब आप्रे ान भड़ और बकरियों की तरह हो रहे थे, हरियाणा की जनता प ाुओं के तुल्य पिट रही थी, न बाहर निकलने का मौका था, न बोलने का मौका था, न प्रैस में कोई चीज आती थी, न टैलिविजन पर कोई चीज आती थी, न टैलिविजन पर कोई चीज आती थी। केवल गीत थे — बंसी लाल, संजय और इंदिरा गांधी के। उस वक्त यह वीर, बोलने वाला जो बड़ा अच्छा वक्ता समझता है अपने आपको, कहां था ? क्यों मैदान खली कर गया था ? वह मौका था इनको बोलने का। आज आवाज उठाता है कि पंजाब का होल्ड है पानी और बिजली के ऊपर, मानती हूं, यह एक सच्चाई है, ठीक कह रहे थे, लेकिन मैं खु ा होती जिस वक्त ये वायदे हुए थे उस वक्त कोि ा ा करते, इसको इम्पलीमैंट करवाते, सरकार को मजबूर कर देते कि ऐसा करो, तुमने जनता से वायदा

किया है। मैं इस सदन के बीच वायदा करती हूं कि हम अपने मुख्य मंत्री को मजबूर कर देंगे कि हमने जनता से वायदे किए हैं, वे आपको पूरे करने होंगे। मैं उनसे अपेक्षा करती हूं कि यह भी अपने मुख्य मंत्री को मजबूर कर देते बिजली और पानी के लिए। अगर आप ऐसा करते तो पंजाब हमारे साथ अन्यान नहीं कर पाता। दूसरी बात चण्डीगढ़ का मामला बड़ा अहम मसला था। फैसला हुआ था कि चण्डीगढ़ पंजाब को सौंप दिया जाए ओर अबोहर फाजिल्का हरियाणा को सौंप दिया जाए। वह मामला आज तक लटक रहा है। हमारा बड़ा दुर्भाग्य है और उस सरकार को जो अंगहीन होकर केवल बंसी लाल के इ ाारे पर चलकर, बिकाऊ माल बन करके, मौन होकर बैठ रहे। लेकिन हम कोि ा ा करेंगे और अपने मुख्य मंत्री से अपेक्षा रखेंगे कि तेज गति के साथ जिस तरह जनता ने हमको स्वीकार किया है, अपना कीमती वोट देकर हमें चुन कर भेजा है, वोट ही नहीं दिया साथ ही नोट भी दिए हैं। पार्टी से कोई मदद नहीं मिली, लेकिन इसके मुकाबले मं कांग्रेस पार्टी की बोरियां खोल देती थी कि किसी तरह से सीट मिल जाए। नोटों की कोई परवाह नहीं की। लेकिन ये नौजवान चेहरे, ये गरीब चेहरे जो आज इस सदन के अन्दर नये चुन कर के आए हैं, ये बड़ी उम्मीद ले कर आए है। ये बड़े उत्साह से कार्य करेंगे बड़ी लगन से कार्य करेंगे और बड़ी ईमानदारी के साथ करेंगे क्योंकि हमने भी यदि उसी प्रकार के कार्य करने भाुरू कर दिए तो न हम स्वयं कार्य कर पाएंगे और न ही मुख्य मंत्री जी को सहयोग दे पाएंगे। हम सभी सदन के मैम्बरों का उनको पूर्ण

सहयोग होना चाहिए। उन्हेांने तो मुख्य मंत्री बनते ही एक नई मिसला कायम कर दी है। कल मेरा हदय खु ाी के मारे फूला नहीं समा रहा था जब मैंने उन्हें चारपाई के ऊपर कुछेक दूसरे भाइयों के साथ बैठकर सरकारी कर्मचारियों के कार्य का निपटारा करते हुए देखा। सवेरे सवेरे जब हम अपने घरों में सोए होते हैं हमारे चीफ मिनिस्टर एम.एल.एज. होस्टल और फ्लैट्स के अन्दर गए हुए होते हैं, लोगों की बात सुनते हैं और एम.एल.एज. से मिलते हैं। इससे बड़ा काम, बनते ही एक मुख्य मंत्री का और क्या हो सकता है ? इन्होंने सभी डी.सीज. को भी यह आदे ा दे दिए हैं कि वे भी खुले मैदान के अन्दर जनता की बात सुनें। अगर वे अपने आप कुर्सी पर बैठते हों तो उन्हें भी कुर्सी पर बिठाएं। जितनी भी बातें वे करने लग रहे हैं वे सराहनीय हैं। काफी चीजों का निपटारा हो गया है और बहुत सी बातों का फैसला जल्दी ही हो जाएगा। अगर हम उन्हें मौका देंगे तो आप देखेंगे कि हर काम सिक तरह से गति पकड़ेगा। जो व्यक्ति केवल बातें बनाने के लिए बातें करते है। उनकी जब कुछ सुनने की बात आती है तो सदन को छोड़ कर भाग जाते हैं। ऐसे लोगों के विचारों का ध्यान न रखते हुए जनता पार्टी ने और इसकी सरकार ने जनता के लिए तन मन धन से कार्य करना है। गवर्नर साहब के अभिभाशण का जहां तक सम्बन्ध हैं, मैं यह कह देती हूं कि उन्हेांने सच्चाई को मानने में कोई कसर नहीं उठा रखी। एक चीज जो सच्चाई से स्वीकार करने की थी उसे वे स्वीकार कर चुके हैं उन्होंने यह माना है कि कांग्रेस सरकार बिल्कुल नाकामयाब रही है और केवल

भ्रश्टायचार ही उसने फैलाया है और लोगों की बोलती बंद की है। आज हमारे दे ा ने एक तरह से दुबारा ही स्वतन्त्रता प्राप्त की है और हम अपेक्षा रखते हैं कि आगे हम ऐसा मौका दुबारा नहीं आने देंगे।

कामरेड भांकर लाल (सरसा): आदरणीय चेयरमैन साहब, मैं सबसे पहले, जो राज्यपाल साहब का अभिभाशण है, उसका स्वागत करता हूं और उनका धन्यवाद करता हूं क्योंकि उनके अभिभाशण के अन्दर जो हरियाणा की बुनियादी बातें हैं वे तमाम की तमाम आ जाती हैं। जो सरकार का पक्ष है, जनता सरकार की जो भावनाएं हैं वे तमाम भावनाएं उसके अन्दर आती है। उसके अन्दर वह बात भी आती है कि पिछली हरियाणा सरकार ने, चाहे वह बंसीलाल की सरकार हो, चाहे बनारसीदास की सरकार हो, उस सरकार ने जो कुछ किया, एमरजैंसी लगाकर किया या एमरजैंसी से पहले किया, वह लोगों से कोई छुपा हुआ नहीं है लेकिन मैं भी पिछली सरकार की कुछ कहानी आप लोगों के सामने दो मिनट में रख देता हूं। मास्टरों के आन्दोलन के अन्दर, ऐजीटे ान के अन्दर, एमरजेंसी के पहले निहत्थे टीचरों के ऊपर लाठी चार्ज किया गया, उनको थाने में बुलाकर पीटा गया, उनको नौकरियों से निकाला गया और दूर दूर उनको फैंका गया। यह आपसे कोई छुपी हुई बात नहीं है। उस ऐजीटे ान के अन्दर मै। गिरफ्तार हुआ। मुझे बंसी लाल सरकार ने गिरफ्तार किया। उसके बाद बिजली कर्मचारियों की ऐजीटे ान चली। उसमें जो

आतंक उनके ऊपर ढाया गया, जो अत्याचार उनके साथ किया गया वह भी आपसे छुपा हुआ नहीं है। इसके बाद ऐमरजेंसी के दौरान जो भी बड़े बड़े नेता थे, जनता पार्टी के नेता थे, विरोधी दल के नेता थे उस वक्त के, उनके ऊपर जो अत्याचार यिका वह भी किसी से छुपा हुआ नहीं है। रामानन्द तिवारी की बात मैं उदाहरण के लिए कहता हूं। अकेले कमरे के अन्दर उन्हें बंद किया गया था। हिसार के अन्दर श्री राजनारायण जी को एक सैल के अन्दर 19 महीने तक अकेले रखा गया। यह कोई अच्छी बात नहीं थी। इसी तरह जार्ज फर्नाडीस हिसार के अन्दर रहे। उनके ऊपर एक झूठा डायनामाइट का केस बनाया गया था। वे एक बहुत अच्छे आदमी हैं। मैं खुद उनके साथ रहा हूं। हमें एक ऐसे कमरे में रखा गया था जहां लू लगती थी, आंधी जब चलती थी तो सारा रेत अन्दर आता था। उस कमरे में कोई पर्दे नहीं लगे हुए थे। वह एक पिंजरानुमा जेल थी। वहां पर रहना कोई मामूली बात नहीं थी लेकिन हमें वहां रखा गया। इसलिए चेयरमैन साहब, उस सरकार ने जो अत्याचार किए वह कोई मामूली नहीं थे।

चेयरमैन साहब, उधर से हमारे कुछ दोस्त राज्यपाल के अभिभाशण पर नुक्ताचीनी कर रहे थे। वे यह कह रहे थे कि यह सरकार कुछ नहीं करेंगी। मुझे लगता है कि उन लोगों को पुरानी बात याद आती है। सच्चाई तो यह है कि जब वे स्वयं सता में थे तो उन्होंने कुछ नहीं किया। मैं राव साहब को कह देना चाहता हूं कि राव साहब मुझे याद है कि जब वि ाल हरियाणा पार्टी की

सरकार थी तो हम उस सरकार के मददगार थे क्योंकि मेरा तीस साल का जीवन ऐसा जीवन रहा है कि मैं हमे ाा विरोधी दल के अन्दर रहा हूं। एक दिन भी हमें सरकारी पार्टी या सरकार के साथ चनले का समय नहीं मिला। इस 27–28 साल के अर्से के अन्दर मैं 22–23 दफा जेल गया हूं और इसके अलावा 19 महीने की यह जेल काटी है। जिस वक्त राव साहब की सरकार बनी ाी उस वक्त भी राव साहब के खिलाफ मोर्चा लगाकर मैं जेल गया था। जब एक बड़े डिनर के अन्दर राव साहब भाामिल हुए तो हमने इनसे कहा कि राव साहब आप अपोजी ान की सरकार के चीफ मिनिस्टर हो लेकिन राव साहब ने हमे जेल में दे दिया। चेयरमैन साहब, चौधरी देवीलाल की सरकार के तो मुख्य रूप से इस वक्त तीन आद र्ा हैं। सबसे पहले हमारे मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जी ने कहा है कि हरियाणा के अन्दर वे तथा उनके वजीर नोटों से स्वागत नहीं करायेंगे और जबरन चन्दा नहीं लेंगे। ये चन्दे जो थे यह सबसे बड़ा कुरप ान का जरिया था क्योंकि जब चीफ मिनिस्टर आता था, बंसी लाल जी आते थे, संजय आता था या सुरेन्द्र आता था तो बड़ा भारी चन्दा इकट्ठा करने पर लग जाते थे। उस चन्दे के अन्दर कुरप ान होती थी क्योंकि इसके कारण सरकार को लोगों के झूठे काम करने पड़ते थे। चौधरी देवी लाल जी ने अपनी सरकार की बागडोर सम्भालते ही सबसे पहले यह ऐलान किया है कि हम चन्दा इकट्ठा करना बन्द करते हैं। उन्होंने साफ भाब्दों में यह कहा है कि सरकारी दबाव से हम कोई भी चन्दा नहीं लेंगे। नम्बर दो हमारी सरकार ने एक बहुत बड़ी

बात की है पीन और भ्रश्टाचार समाप्त करने की। जब खेत में पानी मिलेगा तो दे ा के अन्दर आमदनी बढ़ेगी, उत्पादन बढ़ेगा। भ्रश्टाचार को जब खत्म किया जायेगा तो इस दे ा से बेईमानी की जड़ खत्म हो जायेगी। पिछले दिनों बंसी लाल की सरकार के साथ राव साहब नकली तौर पर या असली तौर पर सहयोग करते रहे। बाहर तो वे वि ााल हरियाणा का नाम लेते रहे और पार्लियामैंट में कांग्रेस सरकार के साथ रहे। इस वक्त आपने जो वि ााल हरियाणा पार्टी बना रखी है उस को उस वक्त भ्रश्टाचार नजर नहीं आता था। हमें लाठियां पड़ रही थी और ये आराम से बैठे थे। स्वामी अग्निवे ा जी ने सारी की सारी बातें यहां हाउस में रख दी है। स्वामी जी ने साफ साु बताया है कि पिछली सरकार ने क्या कुछ किया है। आज जो लोग विरोधी दल के अन्दर बैठे हैं, उन लोगों की ही देन है कि जनता पार्टी पावर में आयी। वे हमारी नुक्ताचीनी कर रहे हैं। मेरा कहने का मतलब यह है कि कुछ ऐसी बात भी हैं जो हमारी सरकार ने सोचनी है और हम लोगों ने सरकार को बताना है कि उनको अमल में लाइये और मुझे उम्मीद है कि हमारी सरकार करेगी। हमारी जो नीति है उसके मुताबिक हम चलेंगे। जैसे सरकारी कर्मचारियों की विक्टेमाइजे ान हुई है उनको बहाल किया जाये, नौकरी पर लगाया जाये। उनके जो अलाउन्स वगैरह देने हैं, वे दिये जाये। यह हमारी सरकार का काम है। हमें सरकार से यह भी उम्मदी है कि भाराबबन्दी भी करेगी। पिछली सरकार ने जगह जगह पर ठेके खोले हैं। मेरे हल्के में भी जगह जगह पर ठेके खोले हैं चौक के

अन्दर, गलियों के अन्दर और गांवों की बस्तियेां के अन्दर यानी कि सरेबाजार ठेके खोले हुए हैं। हमारे यहां सिरसा में तीस लाख का ठेका था और इस दफा 52–53 लाख रूपये का ठेका उठा है। भाराब का इतना दौर चला हुआ है कि हर काम के लिए भाराब का प्रयोग किया जाता है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि आहिस्ता आहिस्ता इसको बन्द किया जाये। जब तक भाराबबन्दी नहीं होगी तक तक गरीब आदमी का भाोशण होता रहेगा। भ्रश्टाचार जारी रहेगा। भ्रश्टाचार की जड़ भाराब ह। भाराब सब से बुरी चीज है। किसी जगह कहीं पर अफसर को पार्टी देनी हो तो भाराब का प्रयोग किया जाता है। इसलिए भाराबबन्दी अव य की जानी चाहिए।

तीसरी बात यह है कि हमारी सरकार यह दावा करती है कि भूमि सुधार का कोई कानून पास करेंगे। आज भूमि के मामले में किसान और भूमि का मालिक आपस में लड़ते है। हमारी सरकार को इस बारे में कोई सं ोध नलाना चाहिए। जो किसान भूमि को का त करता है, जमीन का सोना फाड़ कर अन्न पैदा करता है, जमीन उनकी होनी चाहिए। चौधरी देवी लाल तो किसानों के नेता है। इन्होंने तो उस आन्दोलन में भी भाग लिया है जो मुजारों ने चलाया था। उन्होंने चुटाला के अन्दर मुजारों का साथ दिया था। इस आन्दोलन के सिलसिले में वे जेल भी गये हैं। उस वक्त डा. गोपीचन्द भार्गव की सरकार होती थी। मुजारा एजीटे ान के अन्दर जो कानून बना है, एक्ट बना है उसमें ज्यादा

हिस्सा चौधरी देवी लाल का है। तीस पैंतीस साल से मजदूरों का साथ देते रहे हैं। मैं उनसे यह भी उम्मीद करूंगा कि छोटे कर्मचारी, किसान और मजदूरों पर वि ोश ध्यान रखेंगे।

एक बात और कहना चाहता हूं जो दुकानदारों के विशय में है। सेल्ज टैक्स दुकानदारों से लिया जाता है। जहां पर जो चीज पैदा होती हैवहां पर सेल्ज टैक्स लगाया जाना चाहिए। खरीददार, कन्ज्यूमर या छोटे दुकानदार के ऊपर सेल्ज टैक्स नहीं लगना चाहिए। जहां पर जो चीज तैयार हो, थोक माल हो वहां पर ही सेल्ज टैक्स लग कर आये। छोटे दुकानदार पर सेल्ज टैक्सन लेग, इतनी इस विशय में मेरी प्रार्थना हैं। मै। विरोधी पक्ष के भाईयों से, राव साहब से यह कहूंगा कि हमारी सरकार हिन्दुस्तान में एक आद र्ा पैदा करेगी और किसी के साथ किसी प्रकार की ज्यादती न होगी। हमे पता है कि हिन्दुस्तान में किस किस्म की सरकार होना चाहिए ? वह सरकार गरीबों के लिए छोटे कर्मचारियों के लिए, छोटे दुकानदारों के लिए भलाई के काम करें। राव साहब की सरकार के टाईम पर मैं इनकी सरकार का हामी रहा हूं लेकिन राव साहब सही काम नहीं कर सकें। जब बंसी लाल की सरकार आयी तो उसका जामम पहन कर उनका साथ देना आरम्भ कर दिया। चौधरी हरद्वारी लाल जी मेरै आदरणीय नेता हैं। हरियाणा के बड़े अच्छे नेता रहे हैं, बड़े विद्वान हैं लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने उनसे दलाल का काम लिया। चौधरी हरद्वारी लाल को लोभ देकर कोठी और कार दे दी। अपोजी ान

का लीडर बना दिया। अपोजी ान का लीडर बनने के बाद उन्होंने सब कुछ किया। अपोजी ान की पीठ में छुरा घोंपा। मैं ये बातें इसलिए कह रहा हूं कि ये आदमी सही बात को सही नहीं कहते हैं। अपोजी ान में बैठे हुए आदमियों को सही बातें कहनी चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण यहां हाउस में रखा है इसमें हरियाणा के बारे में एक तस्वरी रखी है और वह आद र्ा की तस्वीर है कि जो भी हमारी सरकार ने जनता के साथ वायदे किये हैं उनको पूरा करेंगे। हमारे मंत्री महोदय, चीफ मिनिस्टर महोदय उन वायदों को पूरा करेंगे। हरियाणा सदा आद र्ावादी रहा है। हम हरियाणा को सारे भारत में अच्छा राज्य बना कर दिखायेंगे। इन भाब्दों के साथ मैं अपना स्थान लेता हूं और इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

श्री भाम ोर सिंहः चेयरमैन साहब, मैं भी थोड़ा सा टाईम लेना चाहता था।

श्री सभापतिः आप बोलिए लेकिन टाईम बहुत थोड़ा है। आप दूसरी सिटिंग के टाईम पर कन्टीन्यू रख लें।

श्री भाम ोर सिंह (नरवाना): चेयरमैन साहब मेरे कई दोस्तों ने भ्रश्टाचार के बारे में काफी कुछ हाउस में कहा है। उनका भाशण सुनने के प चात् मैंने यह जरूरी समझाा कि दो चार लफज मैं भी कहूं। इस अभिभाशण पर कुछ बोलने से पहले

कांग्रेस पार्टी की कुछ नीतियां हैं उनके बारे में भी कहना चाहूंगा। हरियाणा में पहले कांग्रेस की सरकार थी और आज कांग्रेस विरोधी दल के रूप में बैठी है। हम सरकार को अपनी ओर से यकीन दिलाते हैं कि पूरा पूरा समर्थन देंगे। हम इस बात की भी पूरी पूरी आ ाा करेंगे कि विपक्षी दल के साथ अच्छा व्यवहार हो। इस सरकार की ओर से प्छिली सरकार की नुक्ताचीनी होती है, क्रिटिसिजम होता है, उन बार्तो से हमें दूर हट कर यहां पर एक अच्छा वातारवरण पैदा करना चाहिए। तीसरी बात मैं यह भी कहना चाहूंगा कि कांग्रेस पार्टी की अपनी नीतियां हैं, प्रोग्राम हैं उन पर उसने चलना है। कांग्रेस हरिजनों के लिए, बैकवर्ड के लिए, छोटे किसानों के लिए, बड़े दुकानदारों के लिए और छोटे मुलाजमों के लिए बराबर लड़ाई लड़ेगी। मैं गवर्नर अभिभाशण के विशय पर कुछ कहना चाहता हूं। यहां पर भ्रश्टाचार के विशय में काफी कुछ बातें हुई है।

Mr. Chairman: The House stands adjourned till 2 p.m. today.

The Hon. Member will continue his speech.

13.00 बजे

(The Sabha then adjourned till 2 p.m. on Wednesday, the 6th July, 1977.)